@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 25 सितंम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 316 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कला संवेदनशील समाज के निर्माण का एक सशक्त माध्यम : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनका काम अन्य कलाकारों को प्रेरित करेगा।

● राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि कलाकार कला सृजन के लिए अपना समय, ऊर्जा और संसाधन लगाते हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि भारतीय परंपरा में कला को लंबे समय से एक आध्यात्मिक साधना माना जाता रहा है। कला न केवल सौंदर्यबोध का माध्यम है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाने और एक अधिक संवेदनशील समाज के निर्माण का एक सशक्त माध्यम भी है। राष्ट्रपति बुधवार को अंतरराष्ट्रीय आंबेडकर केन्द्र में ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रही थी। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनका काम अन्य कलाकारों को प्रेरित करेगा।

उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कलाकार अपने विचारों, दृष्टि और कल्पना के माध्यम से एक नए भारत की छवि प्रस्तुत कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि कलाकार कला सृजन के लिए अपना समय, ऊर्जा और संसाधन लगाते हैं। उनकी कलाकृतियों का उचित मूल्य कलाकारों और कला को पेशे के रूप में अपनाने के इच्छुक लोगों को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि ललित कला अकादमी कलाकारों की कलाकृतियों की बिक्री को प्रोत्साहित कर रही है। इससे कलाकारों को वित्तीय सहायता मिलेगी और हमारी रचनात्मक अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कला प्रेमियों से आग्रह किया कि वे न केवल कलाकृतियों की सराहना करें, बल्कि उन्हें अपने साथ घर भी ले जाएं। उन्होंने कहा कि हम सभी को एक आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में भारत की पहचान को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने वाली याचिका को किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बदले बैलेट पेपर के जरिए चुनाव कराने वाली याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए खारिज कर दिया। यह याचिका उपेंद्र नाथ दलाई नाम के व्यक्ति ने दायर की थी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि देश में होने वाले सभी चुनाव केवल बैलेट पेपर (मतपत्र) के माध्यम से कराए जाएं, न कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के जरिए।

याचिका में दावा किया गया था कि ईवीएम पर जनता का विश्वास नहीं रहा है और इससे निष्पक्ष चुनाव पर सवाल खड़े होते हैं। दलाई ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह चुनाव आयोग को निर्देश दे कि भविष्य में केवल बैलेट पेपर से ही वोटिंग कराई जाए। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए साफ शब्दों में कहा कि ऐसा कोई आधार नहीं है, जिस पर कोर्ट इस याचिका को स्वीकार करे। अदालत ने कहा, 'उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए हम इस याचिका को सुनवाई योग्य नहीं मानते। इसे खारिज किया जाता है।' कोर्ट ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इसी तरह की एक याचिका को खारिज कर चुका है और दिल्ली हाईकोर्ट खुद भी इसी मुद्दे पर पहले एक अन्य याचिका को खारिज कर चुका है। ऐसे में अब इस मुद्दे को दोबारा उठाने का कोई औचित्य नहीं बनता। अदालत ने कहा कि ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर चुनाव आयोग ने समय-समय पर पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर जरूरी कदम उठाए हैं। साथ ही, वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) मशीनों के जरिए भी वोटिंग प्रक्रिया को अधिक विश्वसनीय बनाया गया है। गौरतलब है कि चुनावों में ईवीएम के उपयोग को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन अब तक कोर्ट ने इन सभी को खारिज ही किया है। चुनाव आयोग का भी हमेशा यही कहना रहा है कि ईवीएम एक भरोसेमंद और पारदर्शी व्यवस्था है, जिससे चुनाव प्रक्रिया तेज, निष्पक्ष और निष्कलंक बनती है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पीरागढ़ी बस डिपो में छह मॉडर्न स्विचिंग सब-स्टेशन का किया उद्घाटन

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 24 सितंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के पीरागढ़ी इलाके में छह मॉडर्न स्विचिंग सब-स्टेशन का उद्घाटन किया। यह सब स्टेशन राजधानी दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक मजबूत बनाएंगे। दिल्ली में चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह के साथ ऊर्जा मंत्री आशीष सूद, सांसद रामवीर सिंह बिधुरी, सांसद योगेंद्र चंदोलिया, शकूर बस्ती के विधायक करनेल सिंह, विधायक मनोज कुमार शौकीन (नांगलोई जाट), श्री राजकरण खत्री (नरेला) समेत उर्जा और परिवहन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। ये अत्याधुनिक स्विचिंग सब-स्टेशन BSES राजधानी पावर लिमिटेड (BRPL) और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के संयुक्त प्रयास से बनाएं गए हैं। BRPL के पांच सब-स्टेशन पीरागढ़ी, नांगलोई, अम्बेडकर नगर, श्रीनिवासपुरी और ओखला सेंट्रल वर्कशॉप में स्थित हैं, जो 970 इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग की सुविधा प्रदान करेंगे, जबकि TPDDL का नरेला सब-स्टेशन 200 बसों के लिए चार्जिंग की सुविधा प्रदान करेगा। कुल मिलाकर ये दोनों सब-स्टेशन लगभग 1170 इलेक्ट्रिक बसों के लिए विश्वसनीय, स्वच्छ और सतत परिवहन की व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दिल्ली सरकार की काम-काज की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए पिछली सरकारों से तुलना की और

हुए कहा कि पहले की सरकारें केवल योजनाएं बनाने और प्रचार-प्रसार करने तक ही सीमित थीं। दिल्ली में पिछली सरकारें केवल काम करने का शोर मचाती थी और हर चीज का बस प्रचार करती थीं, जबकि हमारी सरकार परिणाम देने पर केंद्रित हैं। आज एक ही दिन में एक साथ छह उद्घाटन इसका सटीक प्रमाण हैं कि हम केवल बातों में नहीं, बल्कि काम करने में भरोसा करते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह उद्घाटन कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिल्ली में 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक चल रहे सेवा पखवाड़ा का ही हिस्सा है। सेवा पखवाड़े के दौरान हमारी सरकार दिल्ली की जनता को 75 सेवाएं और 75 परियोजनाएं समर्पित करने जा रही है। आज का यह कार्यक्रम हमारी सरकार द्वारा दी गई 42वीं सौगात है। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में पहले दिन के काम का उल्लेख करते हुए बताया कि पूठ खुर्द में 760 करोड़ रुपए की सड़कों और सामुदायिक केंद्रों का उद्घाटन, हिरण कूदना गांव में आधुनिक एथलेटिक्स ट्रैक का निर्माण और बावाना में महिलाओं को पोषण किट वितरण शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने राजधानी में परिवहन क्षेत्र में हो रहे उल्लेखनीय कार्यो का जिक्र करते हुए कहा कि 18 वर्षों के बाद दिल्ली से यूपी के बड़ौत तक एसी इंटर-स्टेट बस सेवा की फिर से शुरुआत और 125 नई इलेक्ट्रिक बसों की सौगात हमारी सरकार का जनता के प्रति समर्पण और काम करने की प्रतिबद्धता का नतीजा है। कार्यक्रम में दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि दिल्ली सरकार हर घर और हर बस डिपो में विश्वसनीय उर्जा उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित है।

शेष पृष्ठ 3 पर

बिहार में बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेलवे लाइन सेक्शन के दोहरीकरण को मिली मंजूरी : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बिहार में बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया एकल रेलवे लाइन खंड (104 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी प्रदान की, जिसकी कुल लागत लगभग 2,192 करोड़ रुपए है। यह परियोजना बिहार राज्य के चार जिलों को कवर करेगी और भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 104 किलोमीटर की वृद्धि होगी। यह रेल मार्ग राजगीर (शांति स्तूप), नालंदा, पावापुरी जैसे प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ता है, जो देश भर से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इस मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 1,434 गांवों और लगभग 13.46 लाख आबादी, जिसमें दो आकांक्षी जिलें (गया और नवादा) शामिल हैं, की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। ये मार्ग कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, फ्लाई ऐश आदि वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 26 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल परिवहन साधन होने के नाते देश के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और रसद लागत को कम करने में मदद करेगा, साथ ही तेल आयात (5 करोड़ लीटर) को घटाएगा और सीओ2 उत्सर्जन (24 करोड़ किलोग्राम) को कम करेगा, जो एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में सुधार होगा तथा भारतीय रेल की कार्यकुशलता और सेवा विश्वसनीयता बढ़ेगी। मल्टी-ट्रैकिंग का यह प्रस्ताव परिचालन को सुगम बनाएगा और भीड़ को कम करेगा, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास होगा। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नए भारत' के विजन के अनुरूप हैं, जो इस क्षेत्र के लोगों को व्यापक विकास के माध्यम से 'आत्मनिर्भर' बनाएंगी, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाने पर केंद्रित हैं। ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

● पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि बिहार में रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने बुधवार को बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया रेलवे लाइन सेक्शन के दोहरीकरण को मंजूरी दी है। इसका लाभ इस पूरे क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को भी होगा।

वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने लड़ाकू विमान मिग-21 में भरी उड़ान

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने 62 साल देश की सेवा करके रिटायर होने जा रहे लड़ाकू विमान मिग-21 में बुधवार को 'बादल' फॉर्मेशन में उड़ान भरी। विदाई से पहले फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान चंडीगढ़ एयरफोर्स स्टेशन पर फ्लाईपास्ट में शामिल होकर मिग-21 ने आसमान में अपना जलवा बिखेरा। इस रिहर्सल में मिग-21, जगुआर और सूर्यकिरण एयरोबेटिक्स टीम ने शानदार फ्लाई पास्ट किया। लड़ाकू विमान मिग-21 की विदाई के साथ भारतीय वायुसेना के लिए एक दौर का अंत हो रहा है। चंडीगढ़ एयर फोर्स स्टेशन पर 26 सितंबर को एक समारोह में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को विमानों की लॉगबुक (फॉर्म-700) सौंपकर मिग फ्लीट के युग का समापन करेंगे। बुधवार को हुई फुल ड्रेस

रिहर्सल 26 सितंबर को होने वाले विदाई समारोह की तैयारी थी। इस रिहर्सल में मिग-21, जगुआर और सूर्यकिरण एयरोबेटिक्स टीम ने आसमान में शानदार फ्लाई पास्ट किया। चंडीगढ़ एयर फोर्स स्टेशन पर रिहर्सल में पूर्व सैनिक, उनके परिवार और आमंत्रित मेहमान जुटे।

कांग्रेसी नेताओं ने कहा-सीट शेयरिंग का फॉर्मूला महागठबंधन में शामिल दल निकालेंगे

'सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तो महागठबंधन में शामिल दल निकालेंगे'

एजेंसी

पटना। बिहार की राजधानी पटना में बुधवार को कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में शामिल हुए कई प्रदेशों के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि बैठक में सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत नहीं हुई है।

बातचीत में कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तो महागठबंधन में शामिल दल निकालेंगे। बैठक में सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा नहीं हुई। बैठक के बारे में उन्होंने कहा कि यहां बहुत विस्तृत चर्चा हुई है, और बिहार के लोग बहुत समझदार हैं। वे आगामी विधानसभा चुनाव में वर्तमान सरकार को वोट नहीं देंगे। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि बैठक बहुत अच्छी रही, व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सीट शेयरिंग को लेकर यहां बातचीत नहीं हुई है। कांग्रेस नेता गुलाम अहमद मीर ने कहा कि एसआईआर के जरिए बिहार में जिस तरह से वोट काटे गए, मैं कहना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी एसआईआर के खिलाफ नहीं है। लेकिन, इसका एक तरीका होता है, आनन-फानन में कुछ नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि एसआईआर करना था तो लोकसभा चुनाव के बाद पूरे देश में कर लिए जाते, लोगों को वक्त दिया जाता, दस्तावेज तैयार करने के लिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उस पर कड़ा रुख अपनाया है। हम जनता के बीच जाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया ने कहा कि अभी चुनाव होने वाला है, नीतीश कुमार के शासन में जनता त्रस्त है। जितनी इनकम होनी चाहिए, वह नहीं हो रही है, लगातार पलायन हो रहा है। बैठक में इन सब पर चर्चा हुई है। बिहार में बदलाव के लिए कांग्रेस पार्टी काम कर रही है। हम बिहार के लोगों की भलाई के लिए काम करेंगे। सीट शेयरिंग को लेकर उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को साथ लेकर चलेंगे। कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात ने कहा कि बैठक बहुत अच्छी रही है, सभी ने अपने विचार साझा किए। बैठक में इस पर चर्चा हुई कि सरकार बनाने के लिए भाजपा जो साजिश रचती है, उसे कैसे खत्म किया जाए। उन्होंने कहा कि सीट शेयरिंग को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 71 नक्सलियों ने एक साथ किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में एक साथ 71 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें से 30 नक्सलियों पर 64 लाख का इनाम था। इन नक्सलियों ने 'लोन वर्राटू अभियान' के तहत बुधवार को दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय एवं सीआरपीएफ के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत 50-50 हजार रूपये की सहायता राशि के साथ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधायें जैसे स्किल डेवलपमेंट हेतू प्रशिक्षण, कृषि भूमि इत्यादि मुहैया कराई जाएगी। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय ने बताया कि 'पूना मारगेम' और 'लोन वर्राटू' अभियान यह संदेश देते हैं कि हर किसी को लौटने का अवसर है। दन्तेवाड़ा पुलिस तथा जिला प्रशासन शांति एवं विकास के दोहरे लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा नक्सलियों को संवाद, अवसर और संवेदना के माध्यम से समाज में लौटने का मार्ग

देते रहेंगे। सक्रिय नक्सलियों से यह अपील की गई है कि वे हिंसा का मार्ग त्यागें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ें। अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझें और शांति, सद्भाव एवं पुनर्वास का मार्ग अपनाएं। दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा प्रारंभ किया गया एक जन-जागरूकता एवं विश्वास-स्थापना अभियान है।

दिल्ली देहात के विकास में 27 वर्षों की उपेक्षा का हो रहा अंत: रविन्द्र इन्द्राज

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 24 सितंबर। पिछले 27 वर्षों से दिल्ली देहात उपेक्षा का शिकार रहा है। पूर्ववर्ती राज्य सरकारों ने घोटाले करने और गाँव व गरीब का हक छीनने के सिवाय कुछ नहीं किया। अब केंद्र और राज्य के बेहतर तालमेल से यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के अंत्योदय का संकल्प पूरा हो रहा है। विकास को दिल्ली के अंतिम छोर तक पहुंचाकर विकसित दिल्ली का निर्माण करेंगे। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने बुधवार को बवाना में दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत हुए विकास कार्यों के लोकार्पण के अवसर पर मीडिया से चर्चा के दौरान यह बातें कहीं। रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि सेवा पखवा? में दिल्ली देहात को नई परियोजनाओं का उपहार मिला है।

इसके लिए दिल्ली के माननीय उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना जी का विशेष आभार। माननीय उपराज्यपाल ने 2023 में ग्रामीण दिल्ली के विकास का विशेष संज्ञान लिया और विशेष फंड दिया। इस निधि से दिल्ली देहात के चौपालों, गलियों, नालियों, सामुदायिक भवनों, गैस पाइपलाइन सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को गति मिली है। कुतुबगढ़ में एक आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी किया गया है। इन्द्राज सिंह ने कहा कि दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी ने भी ग्रामीण दिल्ली के मास्टर प्लान के लिए विशेष बजट का प्रावधान किया। ग्रामीण क्षेत्रों के लिंक रोड्स और लाल डोरा के विकास को प्राथमिकता देने के उन्होंने विशेष निर्देश दिए। यह दिल्ली को 'विकसित दिल्ली' की दिशा में आगे बढ़ाने का सशक्त कदम है।

शेष पृष्ठ 3 पर

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक सिर्फ इवेंट, इससे कुछ होने वाला नहीं : शाहनवाज हुसैन

एजेंसी

पटना। भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने बिहार की राजधानी पटना में 'कांग्रेस वर्किंग कमेटी' की बैठक को इवेंट बताया। उन्होंने आगे कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि इन लोगों को इतने सालों के बाद बिहार की याद आई है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक 50 साल बाद बिहार में हुई है। इन लोगों ने हमेशा सत्ता में रहते हुए बिहार की जनता को उपेक्षित किया और उनके हितों पर कुठाराघात किया, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक हितों को साधने के मकसद से इन लोगों को बिहार की याद आ रही है। कांग्रेस को इस बैठक से कुछ होने वाला नहीं है। कांग्रेस को शून्य ही मिलेगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली में भी इन लोगों ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक की थी। यूपी में भी इन लोगों ने पूरे दांव चलाए थे, लेकिन इन लोगों को राजनीतिक मोर्चे पर कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में ही कांग्रेस को कुछ हासिल नहीं हुआ, तो बिहार से कुछ हासिल होने का कोई मतलब नहीं है। निश्चित तौर पर बिहार में सरकार तो एनडीए की ही बनेगी। जिसकी जितनी बैठक करनी है, कर ले, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।इसके अलावा, उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी की बिहार यात्रा को भी राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि ओवैसी की कोई भी पैठ सीमांचल में नहीं है। चाहे वो कितनी भी यात्रा कर लें, उन्हें कुछ भी प्राप्त होने वाला नहीं है। सही मायने में अगर किसी ने सीमांचल का विकास किया है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। इसके अलावा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रदेश में हमारी सरकार बनने पर आजम खान के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमों को वापस लिया जाएगा।

झारखंड के गुमला में दो सब जोनल कमांडर सहित तीन नक्सली ढेर, हथियार बरामद

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गुमला में पुलिस ने दो सब जोनल कमांडर सहित 3 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बिशुनपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस और झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो सब जोनल कमांडर सहित तीन ढेर नक्सली मारे गए हैं। इसमें एक पर 5 लाख का इनाम रखा गया था। इनके पास से एके 47 सहित 3 हथियार बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान लालू लोहरा, छोटू उरांव और सुजीत उरांव के रूप में हुई है। लालू लोहरा और छोटू उरांव, दोनों ही सब जोनल कमांडर थे। इनमें छोटू लोहरा पर पांच लाख रुपए का इनाम था। वे कई आपराधिक मामलों में वांछित थे। सुजीत उरांव उनकी टीम में एक कैडर के रूप में काम कर रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से तीन हथियार भी बरामद किए हैं, जिनमें एक एके-47 राइफल भी शामिल है। गुमला के पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां ने इस मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि उनकी टीम ने झारखंड जगुआर के साथ मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह कार्रवाई सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एसपी ने यह भी बताया कि 2025 में गुमला पुलिस ने अब तक आधे दर्जन से अधिक नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। यह मुठभेड़ सुबह हुई जब पुलिस को खुफिया जानकारी मिली कि बिशुनपुर प्रखंड के जालिम क्षेत्र में कुछ नक्सली जमा हुए हैं। सूचना मिलते ही, पुलिस की एक टीम ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। इस दौरान पुलिस का सामना जेजेएमपी के बृजेश यादव की टीम के साथ हुआ। यह एनकाउंटर बिशुनपुर के केचकी स्थित रोगरीटोली के घने जंगल में हुआ। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में तीन उग्रवादी ढेर हो गए।

यूपी एटीएस ने सोनभद्र में पकड़ा पांच लाख का इनामी नक्सली

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने झारखंड के कुख्यात, पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली को सोनभद्र जिले में गिरफ्तार कर लिया है। एसटीएस ने पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली उमेश खरवार उर्फ नगीना उर्फ डॉक्टर को बीती शाम सोनभद्र जिले में झारखंड की सीमा के नजदीक गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने बताया कि विगत 14 सितंबर को पलामू में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में खरवार भी पकड़ा गया था लेकिन वह किसी तरह बचकर भाग निकला था। उन्होंने बताया कि झारखंड एटीएस को पता लगा था कि खरवार उत्तर प्रदेश में कहीं छुपा है। यह जानकारी उन्होंने उत्तर प्रदेश के एटीएस को दी जिसके आधार पर एटीएस ने मोबाइल सर्विलांस एवं अन्य माध्यमों से जानकारी ली और मंगलवार को सोनभद्र जिले में झारखंड की सीमा पर स्थित गांव से खरवार को गिरफ्तार कर लिया।

उद्योगपति नुस्ली वाडिया और उनके परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति नुस्ली नेविल वाडिया, उनकी पत्नी मौरीन, दो बच्चों और अन्य के खिलाफ गोरेगांव के बांगुर नगर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। बोरीवली मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। मामला करीब 30 साल पुराना है और जमीन विवाद से जुड़ा है।

बताया जा रहा है कि यह मामला मलाड में एक भूखंड के विकास से जुड़ा है। जमीन के विकास के लिए वाडिया और फेरानी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक समझौता हुआ था। इस समझौते के अनुसार, फेरानी होटल्स को बिल्डर के. रहेजा के साथ मिलकर जमीन का विकास करना था, जिससे वाडिया परिवार को बिक्री से प्राप्त राशि का 12 प्रतिशत हिस्सा मिलना था। फेरानी होटल्स द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, संपत्ति के स्वामित्व को लेकर 2008 में विवाद शुरू हुआ था। फेरारी होटल्स के सीईओ महेंद्र चांदे ने आरोप लगाया है कि वाडिया परिवार ने 2010 में बॉम्बे हाईकोर्ट में जाली दस्तावेज़ जमा किए थे। इन आरोपों के आधार पर, वाडिया परिवार समेत कुल सात लोगों पर धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज़ तैयार करने और उनका वित्तीय लाभ उठाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। महेंद्र चांदे ने 15 मार्च को बांगुर नगर पुलिस स्टेशन और 24 मार्च को मुंबई के पुलिस कमिश्नर के पास शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर, आख़िरकार उन्होंने बोरीवली कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

तिहाड़ जेल परिसर से मकबूल भट्ट और अफजल गुरु की कब्रों को हटाने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने संसद हमले के दोषी अफजल गुरु और जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के संस्थापक मकबूल भट्ट की कब्रों को तिहाड़ जेल परिसर से हटाने वाली याचिका को खारिज किया है। दिल्ली अदालत ने मामले को अत्यधिक संवेदनशील बताकर कहा कि इस पर निर्णय सरकार द्वारा फांसी के समय सोच-समझकर लिया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज करने के पीछे ये मुख्य कारण बताए हैं।

दिल्ली की अदालत के अनुसार, यह एक बहुत ही संवेदनशील मामला है और सरकार ने फांसी के समय संभावित परिणामों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया था कि दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया जाए। दिल्ली कोर्ट ने कहा कि एक दशक से भी अधिक समय बीतने के बाद इसतरह के मामलों को दुबारा खोलना सही नहीं है, क्योंकि यह निर्णय उस समय की परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया था। दिल्ली अदालत ने स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों में निर्णय लेने का अधिकार केवल सक्षम प्राधिकारी (सरकार) के पास है। जब तक कोई कानून जेल परिसर में दफनाने या अंतिम संस्कार करने से नहीं रोकता, तब तक अदालत का हस्तक्षेप उचित नहीं है। बता दें कि अफजल गुरु को 2001 के संसद हमले का दोषी ठहराया गया था और 2013 में उन्हें तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी। इसी तरह, मकबूल भट्ट को भी वहीं फांसी दी गई थी। दोनों को जेल परिसर में ही दफनाया गया था।

भारत ने पाकिस्तान पर कसा तंज कहा- अवैध कब्जा छोड़िए और आतंकवाद को रोकिए वर्ना...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की रग-रग में गद्दारी और खून खराबा भरा पड़ा है। भारत में दहशत फैलाने में अपना वक्त और पैसा लगाकर बर्वाद हो रहे पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भारत ने एक बार फिर करारा जवाब दिया है। भारतीय राजनयिक क्षितिज त्यागी ने कहा, हमारे क्षेत्र को लेकर लालच करने के बजाए उन्हें भारतीय क्षेत्र पर किया गया अवैध कब्जा खाली कर देना चाहिए और लाइफ सपोर्ट पर टिकी अर्थव्यवस्था, सैन्य प्रभाव में दबी राजनीति और उत्पीड़न के धब्बे लगे मानवाधिकार के रिकॉर्ड को सुधारना चाहिए। शायद वो तब ऐसा करें, जब उन्हें आतंकवाद बढ़ाने, यूएन की तरफ से घोषित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर विस्फोट करने से फुर्सत मिले तो।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की वायुसेना ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तिराह घाटी के मत्रे दारा गांव में अपने ही नागरिकों पर हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गये और सैकड़ों अन्य घायल हो गये। मरने वालों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह हमला 21 सितंबर की रात को किया गया और कई स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने अपने चीन निर्मित जेएफ-17 लड़ाकू विमानों से गांव पर कम से कम आठ एलएस -6 बम गिराये।

ग्रामीणों का कहना है कि इस बमबारी से गांव पूरी तरह से तबाह हो गया। बारुद से जले शव घरों और सड़कों पर बिखरे पड़े हैं। इस हमले के पैमाने, लक्ष्य या वहां किसी आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में आधिकारिक पाकिस्तानी सैन्य या सरकारी सूत्रों से फिलहाल कोई पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले भी पाकिस्तान की सेना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और बलूचिस्तान में नागरिकों पर किए अपने जुल्मों पर चुप्पी साधे रखती है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय प्रशासन ने परिसर पर पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों द्वारा हवाई हमले के दावों का खंडन करते हुए कहा कि बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों में विस्फोट हो गया, जिससे 14 आतंकवादियों समेत 24 लोगों की मौत हो गई।

दिल्ली में जुटेंगे 30 देशों के सेना प्रमुख, चीन-पाकिस्तान को नहीं मिला न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना अगले महीने अक्टूबर के मध्य में एक अहम अंतरराष्ट्रीय बैठक की मेजबानी करने जा रही है। यह विशेष सम्मेलन यूएनटीसीसी आर्मीचीफ कॉन्क्लेव के तहत आयोजित होगा, जिसमें संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति मिशनों में टुकड़ी भेजने वाले 30 से अधिक देशों के सेना प्रमुख हिस्सा लेंगे।

इस बैठक का मुख्य फोकस ग्लोबल साउथ देशों पर रहेगा। इसमें न केवल आधिकारिक सत्र होंगे, बल्कि देशों के बीच द्विपक्षीय मुलाकातें भी की जाएंगी, ताकि आपसी सैन्य सहयोग को और मजबूत किया जा सके। भारतीय सेना के मुताबिक, इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देना और यूएन मिशनों के दौरान मिले अनुभवों को साझा करना है। इससे शांति स्थापना अभियानों को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया है। इन दोनों देशों की गैरमौजूदगी को सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और इस सम्मेलन को उसी दिशा में एक मजबूत कदम के तौर पर देखा जा रहा है। नई दिल्ली में होने वाला यह आयोजन न केवल भारत की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि उसे ग्लोबल साउथ के देशों में सुरक्षा और शांति के भरोसेमंद साझेदार के रूप में भी स्थापित करता है।

पीएम मोदी की सराहना करते हुए चंद्रबाबू बोले- मैंने भी कभी छुट्टी नहीं ली

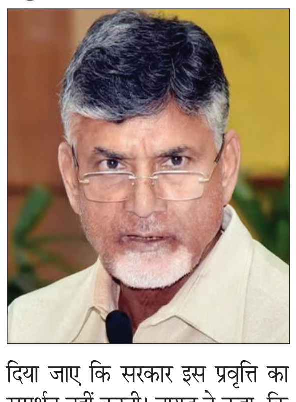

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और फिटनेस की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैसे प्रधानमंत्री मोदी ने कभी छुट्टी नहीं ली, वैसे ही उन्होंने भी आज तक एक दिन की छुट्टी नहीं ली है।

सीएम नायडू ने संतुलित खानपान को अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने की कुंजी बताया। उन्होंने कहा, खाना ही दवा है और रसोई ही फार्मेसी है। यदि हम इसे अपनाएं तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। मजाकिया लहजे में उन्होंने टिप्पणी की कि आजकल लोग 40 साल में ही 120 साल का खाना खा लेते हैं, जो बीमारियों की जड़ है। इस पर विधानसभा में ठहाके गूंज उठे। मुख्यमंत्री नायडू ने आंध्र प्रदेश में बढ़ते सी-सेक्शन ऑपरेशनों को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य में 56.62प्रतिशत डिलीवरी सी-सेक्शन से हो रही हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। इनमें से 90प्रतिशत ऑपरेशन निजी अस्पतालों में हो रहे हैं। नायडू ने आरोप लगाया कि डॉक्टर पैसे के लालच में सामान्य प्रसव को हतोत्साहित कर रहे हैं।

उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव को निर्देश दिया कि निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया जाए और उन्हें सख्त संदेश दिया जाए कि सरकार इस प्रवृत्ति का समर्थन नहीं करती। नायडू ने कहा, कि ऑपरेशन आखिर ऑपरेशन ही है। भगवान ने जो शरीर दिया है, उसे बिना कारण काटना सही नहीं है। सीएम ने यह भी कहा कि कुछ परिवार शुभ मुहूर्त के आधार पर डिलीवरी की तारीख तय करते हैं, जो प्राकृतिक गर्भावस्था चक्र में हस्तक्षेप है।

यहां पर विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए नायडू ने कहा कि सरकार मेडिकल कॉलेजों का निजीकरण नहीं कर रही, बल्कि पीपीपी मॉडल के तहत उन्हें विकसित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष विधानसभा चर्चा से भाग रहा है और बाहर झूठा प्रचार कर रहा है। नायडू ने कहा कि जनता के हित में काम करना उनकी प्राथमिकता है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आई लव मोहम्मद को गैरकानूनी बताने वालों को उमर ने बताया, मानसिक रूप से अस्वस्थ

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आई लव मोहम्मद को गैरकानूनी बताने का किया विरोध किया है। उमर अब्दुल्ला ने आई लव मोहम्मद लिखने को गैरकानूनी करार देने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया है कि आखिर ये तीन साधारण शब्द कैसे गैरकानूनी हो सकते हैं।

दरअसल यह विवाद 9 सितंबर को कानपुर में तब शुरू हुआ, जब बारावफात के जुलूस के दौरान आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर लगाने के आरोप में नौ नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। हिंदू संगठनों ने एक नया चलन और जानबूझकर उकसाने वाला कदम बताया।

वहीं इस पूरे मामले में अब्दुल्ला ने जोर दिया कि इन शब्दों पर मुकदमा दर्ज करना मानसिक रूप से अस्वस्थ होने का संकेत है। उन्होंने अदालतों से इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह कर कहा कि किसी को भी इन शब्दों पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर यह किसी धर्म से संबंधित है, तब भी यह कोई मुद्दा नहीं है, क्योंकि दूसरे धर्मों के लोग भी अपने गुरुओं और देवी-देवताओं के प्रति इसी तरह श्रद्धा व्यक्त करते हैं।

बरेली में विवादित वीडियो

यूपी के बरेली में भी मुद्दे को लेकर विवाद हुआ। यहां इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के नेता नफीस का एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में, नफीस को कथित तौर पर किला थाना प्रभारी (एसएचओ) सुभाष कुमार को धमकी देते हुए देखा जा सकता है। यह घटना तब हुई जब पुलिस अधिकारी आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर हटाने के लिए मौके पर पहुंचे थे। वीडियो में नफीस को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह इंस्पेक्टर का हाथ काट दूंगा और वर्दी उतर दूंगा।

आर्थिक सुधारों को समझने के लिए शिशु बुद्धि नहीं पीएम मोदी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए: सुधांशु

लखनऊ (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव ने आम आदमी के लिए रोटी, कपड़ा और मकान के टैक्स में कटौती की है। खाद्य पदार्थों में टैक्स शून्य से पांच प्रतिशत है। कपड़ों पर भी जीएसटी को कम कर दिया गया है। सीमेंट पर जो टैक्स 31 फीसदी था वो 18 प्रतिशत कर दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन्होंने इशारों में कहा कि इस बदलाव को समझने के लिए शिशु बुद्धि से काम नहीं चलेगा। मोदी जी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए। प्रधानमंत्री ने इसके साथ स्वदेशी का आह्वान किया है। महात्मा गांधी ने सबसे पहले स्वदेशी आंदोलन चलाया था और अब मोदी जी के नेतृत्व में ये अभियान चलेगा।

बुधवार को यहां पत्रकार वार्ता में भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जनसामान्य को रोटी, कपड़ा और मकान में राहत नवरात्र के पहले दिन से मिल रही है। कारों पर जीएसटी कम करने का फायदा है कि एक दिन में रिकॉर्ड संख्या में कारों की बिक्री हो रही है। आम जनता के हाथ में अब खर्च करने की ताकत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि नवरात्र से दिवाली और छठ तक साढ़े तीन से चार लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था जनता के जरिए देश में बढ़ेगी। ये किसी खास कारण से इस वक्त लिया फैसला नहीं है। चरण दर चरण आर्थिक सुधार हुआ है। पहले लोगों के खाते खुले। जन धन खातों में डायरेक्ट ट्रांसफर से पैसा आया और फिर डिजिटल ट्रांसेक्शन से पैसे का लेन देन संभव हो पाया है। इनकम टैक्स की लिमिट बढ़ाई गई और फिर जीएसटी की दरों में बदलाव किया गया।

आजम किसी दूसरे दल में भले चले जाएं पर यूपी का मुसलमान अखिलेश के साथ : एसटी हसन

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान के जेल से बाहर आने के बाद से उनकी राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलों का दौर जारी है। ऐसी चर्चाएं हैं कि वे सपा छोड़कर बसपा या किसी अन्य पार्टी में शामिल हो सकते हैं। इन अटकलों के बीच, मुरादाबाद के पूर्व सांसद और सपा नेता डॉ. एस.टी. हसन का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर आजम खान सपा छोड़ भी देते हैं, तब भी यूपी का मुस्लिम वोटर अखिलेश यादव के साथ ही रहेगा और वोट नहीं बंटेगा।

पूर्व सांसद हसन ने दावा किया है कि यूपी के मुसलमान अभी भी मुलायम और अखिलेश यादव के साथ जुड़े हुए हैं। उनका मानना है कि आजम के जाने से बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि मुसलमानों की प्राथमिकता बीजेपी को हराना है और उन्हें लगता है कि सिर्फ सपा ही ऐसा कर सकती है।

दरअसल सपा नेता हसन ने आजम खान से अपने रिश्तों में आई कड़वाहट को भी स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उनका टिकट कटा गया था, इसके पीछे आजम का हाथ माना जाता है। उन्होंने कहा कि बगैर खता के मुझे सजा मिली, और इसी वजह से उनका दिल अब उनसे मिलने का नहीं चाहता। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर आजम खान का हुक्म होगा, तब जरुर मिलने जाऊंगा।

इन अटकलों के बावजूद, हसन को भरोसा है कि आजम खान सपा को नहीं छोड़ने वाले है। उन्होंने कहा कि आजम खान पैदाइशी समाजवादी हैं और वह सपा को छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे, बल्कि पार्टी को और मजबूत करने का काम करने वाले है।

बात दें कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मुरादाबाद सीट पर सपा ने मौजूदा सांसद एस.टी. हसन का टिकट काट दिया था। उनकी जगह आजम खान की करीबी रुचि वीरा को उम्मीदवार बनाया गया, जिन्होंने चुनाव में जीत हासिल की। हसन ने पहले भी कहा था कि 2019 में उन्हें आजम खान ने ही उम्मीदवार बनवाया था।

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि सपा के भीतर आजम खान की राजनीतिक स्थिति और उनके पार्टी छोड़ने की संभावना को लेकर अलग-अलग राय हैं। हालांकि, हसन के बयान से यह संकेत मिलता है कि सपा का मानना है कि आजम खान के जाने से भी मुसलमानों का वोट बैंक अखिलेश यादव के साथ बना रहेगा।

मानहानि केस में पीके को पटना हाईकोर्ट से बुलावा... 17 अक्टूबर को पेश हो

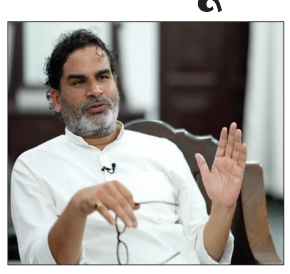

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। बिहार का राजनीति में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पांच बड़े नेताओं सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप जायसवाल और संजय जायसवाल पर अलग-अलग तरह के आरोप लगाकर हलचल मचाने वाले जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के नेता और पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को पटना हाईकोर्ट से बुलावा आ गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के मंत्री अशोक चौधरी ने जून माह में पीके पर मानहानि का जो केस किया था, उसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट ने प्रशांत किशोर को 17 अक्टूबर को पेश होने को कहा है।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी ने पैसा देकर बेटी शांभवी चौधरी के लिए चिराग पासवान के दल लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (एलजेपी-आर) से लोकसभा चुनाव में टिकट खरीदा, इसके बाद वे समस्तीपुर से सांसद बनीं। चौधरी ने बयान को लेकर प्रशांत को पहले मानहानि का नोटिस भेजा था और बाद में इस लेकर पटना कोर्ट में मानहानि का केस दायर कर दिया था। प्रशांत किशोर पर ये पहला मानहानि का केस था। मंगलवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद संजय जायसवाल ने भी एक डिफेमेशन केस कर दिया है।

प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी, मंगल पांडेय, अशोक चौधरी, दिलीप और संजय जायसवाल को लेकर नए आरोप लगाए थे। पीके ने चौधरी पर शांभवी की सगाई से शादी के बीच में पटना में 38 करोड़ की पांच जमीन खरीदने और दो साल में 200 करोड़ की बेनामी संपत्ति जुटाने का आरोप लगाया था। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने पार्टी की ओर से चौधरी को इस आरोप पर सफाई देने कहा है। प्रशांत किशोर ने बेनामी संपत्ति जुटाने के आरोप में अशोक की पत्नी नीता चौधरी, बेटी शांभवी चौधरी, दामाद सायन कुणाल और समधन अनिता कुणाल को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। अशोक चौधरी ने ताजा आरोप को लेकर पीके को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। चौधरी ने कहा है कि प्रशांत किशोर की बातें सरासर झूठ है।

पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की जल्द हो सकती है मुलाकात, कई मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्ते अच्छे नहीं हैं। कई मुद्दों को लेकर दोनों देशों में पटरी नहीं बैठ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार बार झूठ बोलते हैं और नए नए आदेश भारत के खिलाफ लेकर आते हैं। ऐसे में भारत भी है कि वो अपने देशहित के लिए किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। इसी बीच खबर आ रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जल्द मुलाकात होने वाली है। इस मौके पर कई मुद्दों पर दोनों देश चर्चा करेंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के एक बयान से भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों पर शुभ संकेत आते दिख रहे हैं। दरअसल मार्को रुबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ को फिक्स के लिए तैयार हैं। रुबियो ने कहा कि ये टैरिफ भारत के रूस से तेल खरीदने की वजह से लगाए गए थे। वहीं अमेरिका यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर नए प्रतिबंधों पर भी विचार कर रहा है।

मार्को रुबियो ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के मौके पर भारत के विदेश मंत्री एस। जयशंकर से भी मुलाकात की। दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। यह बैठक उन तनावों के बाद पहली बार हुई है जो भारत पर अमेरिकी टैरिफ और रूस से भारत के ऊर्जा आयात को लेकर बढ़े थे। एस जयशंकर से यूएनजीसी में मुलाकात के बाद रुबियो ने कहा है - भारत, अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण सहयोगी है, खासतौर पर व्यापार, ऊर्जा, फार्मा और क्रिटिकल मिनरल्स के मामले में। उन्होंने भारत के राजदूत के तौर पर नामित सर्गियो गोर से भी मुलाकात की। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही भारत-अमेरिका के बीच संबंधों का समीकरण बदलने लगा था। इसके बाद रूस-यूक्रेन के मुद्दे पर दोनों देशों को बीच तनाव और बढ़ा। परिस्थितियां ऐसी आ गईं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सिर्फ भारत के खिलाफ 50 फीसदी का टैरिफ लगा दिया बल्कि ऐसे बयान भी आए कि इस वक्त के सबसे बड़े युद्ध का जिम्मेदार भारत ही है। भारत और अमेरिका के रिश्ते ही नहीं व्यापार भी प्रभावित हुआ। हालांकि दोनों देशों के बीच बर्फ थोड़ी पिघलती दिख रही है।

रुबियो ने कहा- 'हमने भारत के खिलाफ कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि इसे सुधारा जा सकता है। राष्ट्रपति के पास और विकल्प हैं और वे आगे और कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। मार्को रुबियो का ये बयान दोनों देशों के रिश्तों के लिए एक अच्छा संकेत माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की अमेरिका यात्रा के साथ ही ये बयान आया है, जो मौजूदा हालात में बेहद अहम है। आपको बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया, जिससे कुल शुल्क 50 फीसदी तक पहुँच गया है। यह दुनिया में सबसे ऊंचे टैरिफ में से एक है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पीरागढ़ी बस डिपो में छह मॉडर्न स्विचिंग सब-स्टेशन का किया उद्घाटन

प्रथम पृष्ठ का शेष

अगले साल गर्मियों तक जहां भी ट्रांसफॉर्मर या फीडर अपग्रेड की जरूरत होगी, उन्हें मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में अत्याधुनिक तरीके से बनाया जाएगा। ये मॉडर्न सब-स्टेशन अत्याधुनिक स्विच गियर, ख्ख-ढ्ढश्ठ बैटरी सेट, SCAD ऋ्ञ पैनल और दो स्वतंत्र इन फ़ीड स्रोतों से लैस हैं, जो इसकी दक्षता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करते हैं। सूद ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार उर्जा के क्षेत्र में कई स्तरों पर काम कर रही है ताकि दिल्ली की जनता को आगामी गर्मियों में लंबे-लंबे बिजली कटौतियों का सामना नहीं करना पड़े। हमारा यह प्रयास विकसित भारत की विकसित राजधानी की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

दिल्ली देहात के विकास में 27 वर्षों की उपेक्षा का हो रहा अंत: रविन्द्र इन्द्राज

प्रथम पृष्ठ का शेष

पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार घोटालों से भरी हुई थी। मेट्रो विस्तार, यूईआर परियोजना एवं डीडीए की परियोजनाओं को सहयोग नहीं मिला, साथ ही आयुष्मान भारत सहित केंद्र सरकार की कई योजनाओं को लागू न करने से ग्रामीण दिल्ली का विकास बाधित हुआ। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार की अनियमितताओं के कारण अनेक घोटाले उजागर हो रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने सवाल उठाया कि पिछली सरकार में सीवर सिस्टम और अन्य विकास कार्यों के लिए आया पैसा कहाँ गया? साथ ही कहा कि मैं स्वयं भी कई मामलों में जांच के लिए पत्र लिखने वाला हूँ। भविष्य में प्रत्येक विधानसभा में हुए घोटालों की जांच होगी, जिससे विकास कार्यों की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

ड्रग्स का डर दिखाकर पूर्व बैंक अधिकारी को किया डिजिटल अरेस्ट, दिल्ली में 23 करोड़ की ठगी

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के हौजखास इलाके में साइबर ठगों ने पूर्व बैंक अधिकारी से 23 करोड़ रुपये ठग लिए। आरोपियों ने पहले पुलिस अधिकारी, बाद में प्रवर्तन निदेशालय व सीबीआई अधिकारी बनकर बुजुर्ग को मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त बताकर डरा दिया। बुजुर्ग की शिकायत पर इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) टीम ने साइबर ठगों के बैंक खातों में 12.11 करोड़ रुपये फ्रीज करवा दिए। पुलिस के मुताबिक पीड़ित नरेश मल्होत्रा (73) परिवार के साथ हौजखास इलाके में रहते हैं। वह सरकारी बैंक से रिटायर हैं। पीड़ित ने बताया कि चार अगस्त को उनके पास एक शख्स का कॉल आया। कॉलर ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताकर कहा कि वह ड्रग्स की तस्करी में शामिल हैं। उनके नाम से विदेश भेजा गया पार्सल पकड़ा गया है, जिसमे ड्रग्स मिले हैं। आरोपियों ने पीड़ित को गिरफ्तारी का डर दिखाकर उनके फ्लैट में कैद कर लिया। बदमाशों का कहना था कि जब तक वह नहीं कहेंगे तब तक वह न तो बाहर जाएंगे और न किसी को कॉल करेंगे। इसके बाद आरोपियों ने डराकर पीड़ित के खाते से रकम ट्रांसफर करवानी शुरू कर दी। पीड़ित इतनी बुरी तरह डरे हुए थे कि वह ठगों के अनुसार बताए हुए बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर करते रहे। आरोपियों ने पीड़ित के तीन बैंक खातों को खाली करवा दिया। यह सिलसिला चार सितंबर तक चला। डर के कारण पीड़ित ने किसी को भी कुछ नहीं बताया। बाद में ठगे जाने का अहसास होने पर शुक्रवार को उन्होंने एनसीआरपी के पोर्टल पर ऑन लाइन शिकायत की। बाद में आईएफएसओ ने मामला दर्ज कर आधी से ज्यादा रकम फ्रीज करवा दी है। अब पुलिस बाकी रकम भी बरामद करने का प्रयास कर रही है। द्वारका इलाके में बैंक खाते में गलत तरीके से करोड़ों रुपये की लेन-देन होने की बात कहकर एक बुजुर्ग दंपती से 6.22 लाख रुपये ठग लिए गए। खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर जालसाजों ने बुजुर्ग दंपती को वीडियो कॉल करके डराकर अपने खाते में रकम ट्रांसफर करा ली। बुजुर्ग दंपती की शिकायत पर साइबर सेल ने मामला दर्ज कर लिया है और तकनीकी जांच कर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। पीड़ित बुजुर्ग दंपती सीता देवी अपने पति राजपाल और परिवार के अन्य सदस्य के साथ महावीर एन्क्लेव इलाके में रहती हैं। 20 सितंबर को साइबर सेल में दर्ज प्राथमिकी में सीता देवी ने बताया कि एक अज्ञात नंबर से उनके पास वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताते हुए उनके केनरा बैंक के खाते में दो होने की बात कहकर एक बुजुर्ग दंपती से 6.22 लाख रुपये ठग लिए गए। खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर जालसाजों ने बुजुर्ग दंपती को वीडियो कॉल करके डराकर अपने खाते में रकम ट्रांसफर करा ली। बुजुर्ग दंपती की शिकायत पर साइबर सेल ने मामलाकरोड़ रुपये आने की जानकारी देते हुए सवाल पूछा कि ये पैसे कहां से आए हैं। बुजुर्ग महिला ने बताया कि जब उन्होंने कहा कि मुंबई में कोई बैंक खाता नहीं है। आरोपी ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि बैंक खाता खोलने में उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल हुआ है। आरोपी ने बताया कि आपको डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया है। अगले दिन फिर पूछताछ शुरू की और पति को भी वीडियो कॉल पर आने के लिए कहा। जालसाजों ने कहा कि दो खाते खोले गए हैं, एक खाते में 10 लाख रुपये जबकि दूसरे में दो करोड़ रुपये आए हैं। करेंसी की जांच होने की बात कहकर आरोपियों ने पीड़िता से उनके बैंक खातों की जानकारी ली और फिर उसमें से 6.22 लाख रुपये अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर लिए।

हत्या के मामले में वांछित बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला स्पेशल स्टाफ ने हत्या के मामले में वांछित बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। बदमाश की पहचान शालीमार बाग निवासी गुड्डू के रूप में हुई है। इसके कब्जे से पुलिस ने एक पिस्टल, खोखा और कारतूस बरामद किए हैं। बदमाश पर हत्या, हत्या का प्रयास, दुष्कर्म सहित कई मामले दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 25 अगस्त को शालीमार बाग के हैदरपुर कॉलोनी में हर्ष मिश्रा को चाकू मारने की जानकारी मिली थी। पीड़ित की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सीसीटीवी कैमरे की जांच में हत्या में गुड्डू के शामिल होने का पता चला। उसके बाद पुलिस ने उस पर निगरानी बढ़ाई, साथ ही मुखबिरों को सक्रिय किया। 18 सितंबर को हवलदार सत्य नरेंद्र को सूचना मिली कि आरोपी गुड्डू इलाके में आने वाला है। इंस्पेक्टर सोमवीर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। रात करीब एक बजे मुनक नहर के पास घेराबंदी कर दी। तभी एक संदिग्ध व्यक्ति सीए ब्लॉक झुग्गियों की ओर से एकता कैंप झुग्गियों की तरफ आते दिखा। मुखबिर ने उसकी पहचान गुड्डू के रूप में की। पुलिस टीम ने उसे आत्मसमर्पण करने को कहा लेकिन आरोपी भागने लगा। उसने पिस्टल से पुलिस टीम पर गोली चला दी। गोली हवलदार नरसी राम की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक गोली बदमाश के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह गिर पड़ा।

दिल्ली में खौफनाक वारदात, महिला को बचाने आई बेटी और जेठानी पर भी हमला

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली के ख्याला स्थित जेजे कॉलोनी में मंगलवार सुबह एक शख्स ने अपने छोटे भाई की पत्नी पर चापड़ से हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने महिला का गला रेतने के अलावा उसके शरीर पर कई जगह चापड़ से वार किए। मां को बचाने आई बेटी व महिला की दूसरी जेठानी पर भी आरोपी ने चापड़ से हमला कर दिया। दोनों बुरी तरह जख्मी हो गए। शोर-शराबा सुनकर आए बाकी परिजनों ने आरोपी इस्तिखार अहमद (49) को चापड़ समेत मौके पर पकड़ लिया। बाद में पुलिस को खबर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने नुसरत (39), इसकी बेटी सानिया (20) और नुसरत की जेठानी अकबरी (42) को आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां नुसरत को मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल में सानिया और अकबरी की हालत गंभीर बनी हुई है। वारदात की सूचना मिलते ही जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम व एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। बाद में पुलिस ने नुसरत के बेटे उस्मान (19) के बयान पर हत्या, हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी इस्तिखार अहमद को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को पता चला है कि इस्तिखार की पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। उसे लगता था कि नुसरत के भड़काने पर उसके परिवार में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसी वजह से उसकी पत्नी ने उसे छोड़ा है। मंगलवार सुबह वह सबक सिखाने की नियत से जेजे कॉलोनी ख्याला पहुंचा और वारदात को अंजाम दिया। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त डीएस भास्कर ने बताया कि नुसरत अपने परिवार के साथ जेजे कॉलोनी, ख्याला में रहती थी। इसके परिवार में पति के अलावा बेटी सानिया व बेटा उस्मान है। इनके साथ छोटे जेठ का परिवार भी रहता है। नुसरत पूर्व में सिविल डिफेंस वॉलंटियर थी। नौकरी छुटने के बाद वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करती थी। एक मामले में इसका पति पिछले कुछ समय से जेल में बंद है। पूरे घर का खर्च नुसरत ही चला रही थी। सुबह करीब 7.30 बजे आरोपी इस्तिखार अहमद नुसरत के घर पर पहुंचा। इस बीच नुसरत ने उससे अच्छे से बातचीत की और बेटी सानिया से चाय बनाकर लाने के लिए कहा। आरोपी टिफिन में छिपाकर चापड़ लाया था। बातचीत के दौरान अचानक आरोपी ने चापड़ निकाला और नुसरत पर हमला कर दिया। नुसरत जान बचाने को दूसरी मंजिल पर भागी। इस बीच आरोपी ने चापड़ से कई वार करने के अलावा उसकी गर्दन पर वार करना शुरू कर दिया। शोर सुनकर सानिया अपनी मां को बचाने आई तो आरोपी ने उस पर भी हमला कर दिया। इसके बाद जेठानी अकबरी पहुंची तो पर उस पर भी हमला हुआ। इस बीच बाकी परिजन वहां पहुंचे। आरोपी के सिर पर खून सवार था। परिजनों ने किसी तरह आरोपी को काबू किया। बाद में उसे बाथरूम में बंद कर 8.05 बजे पुलिस को खबर दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। नुसरत को औपचारिकता के लिए अस्पताल ले गए, उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घायलों का आरएमएल अस्पताल में इलाज जारी है। इस्तिखार परिवार के साथ गाजियाबाद के लोनी इलाके में रहता है। इसके परिवार में पत्नी व बच्चे हैं। काफी समय पहले इस्तिखार की पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। दरअसल इस्तिखार को शराब पीने की लत थी और वह कोई काम भी नहीं करता था। छोटी-छोटी बात पर वह पत्नी से झगड़ा भी करता था। परिजनों ने इस्तिखार का बहुत समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसने शराब पीना नहीं छोड़ा। अक्सर इस्तिखार की पत्नी नुसरत से बाचीत करती थी। उसका लगता था कि नुसरत ने ही उसकी पत्नी को भड़काया है। इस्तिखार को यह भी नहीं पता था कि उसकी पत्नी कहां रह रही है। वह नुसरत से अपनी पत्नी का पता पूछने पर भी आता था। लेकिन हर बार नुसरत उसका पता बताने से मना कर दिया करती थी। इस बात से नाराज होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। वारदात में इस्तेमाल चापड़ आरोपी से बरामद कर लिया गया है।

रोहिणी में एनकाउंटर, दो बदमाशों को लगी गोली; मुठभेड़ के बाद तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी जिले के बुध विहार थाने के पुलिसकर्मियों और बदमाशों के बीच मुठभेड़ की खबर है। बुध विहार एसएचओ करुणा सागर की टीम ने मुठभेड़ के बाद तीन हथियारबंद बदमाशों को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गोली लगी, जिससे कुल तीन बदमाश गिरफ्तार हो गए। दो बदमाश भागने में कामयाब रहे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार बदमाश गोगी गैंग से जुड़े हैं। मुठभेड़ में घायल दोनों बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस और गोगी गैंग के सदस्यों के बीच गोलीबारी हुई। एनकाउंटर के बाद तीन बदमाश पकड़े गए हैं। पकड़े गए दो बदमाशों को गोली लगी है। घायलों के नाम इरफान और लालू हैं। तीसरे बदमाश का नाम नितेश है। गोगी गैंग के ये तीनों सदस्य कार में थे।

डीयू ऑन-स्पॉट मॉप-अप राउंड के लिए आज से पंजीकरण शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (ष्ठ) ने यूजी एडमिशन 2025 के लिए ऑन-स्पॉट मॉप-अप राउंड की घोषणा कर दी है। यह राउंड कक्षा 12 के अंकों या समकक्ष आधार पर आयोजित किया जाएगा। पंजीकरण की प्रक्रिया आज 17 सितंबर से शुरू होकर 19 सितंबर की रात 11:59 बजे समाप्त होगी। इस राउंड के तहत रिक्त स्नातक (त्र) सीटों को भौतिक रूप से भरा जाएगा। पहले पंजीकृत उम्मीदवार, जिन्हें किसी कार्यक्रम में प्रवेश नहीं मिला है, वे अपने डैशबोर्ड के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जो उम्मीदवार अभी तक ugadmission.uod.ac.in पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें नया आवेदन जमा करना होगा और 1,000 रुपए अतिरिक्त शुल्क देना होगा। इस राउंड के प्रवेश और सीट आवंटन की प्रक्रिया 23 सितंबर, 2025 से फिजिकल मोड में शुरू होगी। उम्मीदवारों को योग्यता और सीट उपलब्धता के आधार पर आमंत्रित किया जाएगा। चुने गए छात्रों को ईमेल के माध्यम से रिपोर्टिंग तिथि, समय और स्थान के साथ आमंत्रण पत्र भेजा जाएगा। प्रवेश केवल आमंत्रण पत्र दिखाने पर ही मिलेगा। पहले से किसी कॉलेज में एडमिशन पाने वाले छात्र आवेदन के पात्र नहीं होंगे।

22 सेकेंड में प्रिंसिपल ने बीएसए पर बरसाई बेल्ट, फोन उठाया तो उसे तोड़कर फेंक दिया

लखनऊ। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह को एक प्रधानाध्यापक ने मंगलवार को कार्यालय के अंदर बेल्ट से पीट दिया। आरोपी ने 22 सेकेंड में 3 बेल्ट बरसाईं। जब बीएसए ने पुलिस को कॉल करने के लिए फोन उठाया तो छीनकर उसे भी तोड़ दिया। सरकारी अभिलेख फाड़ दिए। बीचबचाव कर रहे लिपिक प्रेम शंकर मौर्या से भी हाथापाई की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया है। दोपहर करीब चार बजे महमूदाबाद विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय नदवा के प्रधानाध्यापक बृजेंद्र कुमार वर्मा बीएसए कार्यालय पहुंचे। बीएसए ने एक मामले में उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया प्रधानाध्यापक की लापरवाही पर बीएसए ने उन्हें डाटा। इस पर वह आग बबूला हो गए। बीएसए को अपशब्द कहे। उसके बाद कमर से बेल्ट निकालकर चार से पांच बार प्रहार किया। बेल्ट का लोहे का कुंडा उनके सिर पर भी लगा। बीएसए ने फोन उठाने की कोशिश की उसे छीनकर तोड़ दिया। बीएसए की मेज पर रखे सरकारी अभिलेख भी फाड़ दिए। सुनवाई के दौरान कार्यालय में मौजूद लिपिक प्रेम शंकर ने बीचबराव करने की कोशिश की तो प्रधानाध्यापक ने उनके साथ भी हाथापाई की। कार्यालय के अंदर हो हल्ला सुनकर अन्य कर्मचारी दौड़ाकर अंदर आए और शिक्षक को पकड़ लिया। पुलिस ने शिक्षक को पकडकर् कोतवाली लाई। बीएसए की तहरीर पर जान से मारने व सरकारी अभिलेख फाडने् की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की जानकारी होने पर तमाम शिक्षक संगठन के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इंस्पेक्टर अनूप शुक्ला ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, DEEP BALA W/O AJAY KUMAR R/O HOUSE NO 277, MANGLA PURI, PHASE-1, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 declare that name of mine has been wrongly written as DEEPA in my minor son MAYUR Aged 13 years in his school records. The actual name of mine is DEEP BALA, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, HIMANSHU GUPTA S/O MAHAVIR PRASAD R/O A-12/3, THIRD FLOOR, NEAR COMMUNITY CENTRE, RANA PRATAP BAGH, MALKA GANJ, PO: MALKA GANJ, NORTH DELHI, DELHI-110007 have changed the name of my minor son KESHAV GUPTA aged 14 years and he shall hereafter be known as PREYANSH GUPTA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, VIKAS GOEL S/O SATISH GOEL R/O 23/8, Shakti Nagar Delhi-7, Near Parmarth Hospital, Shakti Nagar, Malka Ganj S.O, North Delhi, Delhi-110007 declare that name of my minor son has been wrongly written as ATTHARVA GOEL in my minor son namely ATHARV GOEL aged 14 years in his school records. The actual name of my minor son is ATHARV GOEL which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAJNEESH KUMAR SHARMA S/O SHANTI SWAROOP R/O F-3/B, MAIN 25 Futa Road, Block-F, Khajoori Khas, Khajoori KHAS, PO: Karawal Nagar, Dist: North East Delhi, Delhi-110094 declare that name of mine has been wrongly written as RAJNEESH SHARMA in my minor daughter's namely VIBHA SHARMA age 16 Years in her 10th class educational documents. The actual name of mine is RAJNEESH KUMAR SHARMA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Mono W/O: Ilam Singh, R/O gaon aarifpur kheri, gaon aarifpur kheri, Baraut (Rural)(Now In Nagar), Baghpat, Uttar Pradesh - 250611,have changed my name and shall hereafter be known as Nano Devi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Sangeeta Devi D/O Ilam singh R/O patti-Tiroshiya, Doghat Rural, Baghpat Uttar Pradesh-250622, have changed my name and shall hereafter be known as Mamta.

NAME CHANGE
It is for general information that I PARMOD S/O KANHIYA LAL R/O H. No. 59, D-Block, Street No. 3, Near Budh Bazar Road, Aman Vihar Kirari, Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of mine has been wrongly written as AJAY KUMAR in my minor son namely NISHANT aged 17 years in his 10th and 12th class educational documents. The actual name of mine is PARMOD which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Dharmraj Yadav father of No. 4576800N, Rank-HAV Name □ Narender Yadav residing at 500, Sumhadih, Sumhadeeh, Azamgarh, Phulpur, Uttar Pradesh - 276288 have changed my name from Dharmraj Yadav to Dharmraj and also declare that my date of birth wrongly mentioned as 25-07-1960 in service documents of my son. But my correct date of birth is 01-01-1955 vide affidavit dated 19-09-2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Gangajulli Yadav mother of No. 4576800N, Rank-HAV Name □Narender Yadav residing at 500, Sumhadih, Sumhadeeh, Azamgarh, Phulpur, Uttar Pradesh-276288, have changed my name from Gangajulli Yadav to Gangajali and also declare that my date of birth wrongly mentioned as 10-08-1965 in service documents of my son. But my correct date of birth is 01-01-1957 vide affidavit dated 19-09-2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Rachayata Banerjee alias Rachayata Banerji D/O Bibhansu Banerjee W/O Kalyan Biswas R/O Flat no E-303 Saviour Green Arch GH-10A, Tech Zone 4 Greater Noida West Gautam Budha Nagar UP 201306 Have changed my name from Rachayita Banerjee to Rachayata Biswas for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shaurya Vats S/O Asha Sharma R/O N20-908 Jaypee Aman Sector-151 Noida Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh 201310 Have changed my name to Shaurya Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Anudevi W/o Tejvir R/o Mandiya Majara Dhanauri, Dhanauri, Gautam Buddha Nagar, Dhanouri Kalan, Uttar Pradesh - 203201 have changed my name and shall hereafter be known as AARTI .

NAME CHANGE
I, Manish Sharan Sinha S/o Santosh Kumar Sinha R/o Flat No.-408, Tower A 10, Supertech Eco Village 3, Greater Noida West, Bisrakh, Greater Noida West, Sector- 1, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201318 have changed the name of my minor daughter Srija Sinha aged 13 years and she shall hereafter be known as Hansikaa S Sinha.

NAME CHANGE
I, Alok Awasthi S/o Ragah Vendra Awasthi R/o Baidpura, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-202307 have changed the name of my minor daughter Araydha aged 15 years and she shall hereafter be known as Vishruti Awasthi.

NAME CHANGE
I, Ahinsa Aakash S/o Bindeshwari Prasad R/o C-2201 Amaatra Homes, Sector-10, Knowledge Park-5, Greater Noida West, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201308 have changed the name of my minor daughter Aaradhya aged 12 years and she shall hereafter be known as Aaradhya Srivastava

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, DEEPANKAR S/o SURESH KUMAR R/o A-3/15, 1st Floor Satyawati Nagar Ashok Vihar North West Delhi, Delhi-110052 declare that name of my minor Son has been wrongly written as PRITHVI SHEKHAWAT in my minor son namely PRITHVI aged 16 years in his 10th class educational documents the actual name of my minor Son is PRITHVI which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, Sahid Khan s/o Awad Khan R/o 19, Jafrabad(24) Taura, Mewat, Haryana-122105, have changed my name to Shahid Khan for all future purposes

NAME CHANGE
I,Rajinder Kumar & Rajinder Kumar Tanwer S/o Kishan Lal , R/o 16/334 E, Tank Road Near Water Tank , Bapa Nagar Karol Bagh New Delhi 110005, I have changed my name to Rajender Kumar For all Purposes

NAME CHANGE
I,Pawan Sharma S/O Kailash Chand Sharma R/o ,X/1840 Steet No -9 , Rajgarh Colony Gandhi nagar Delhi-110031, I have changed my name to Pawan Kumar Sharma For all Purposes

NAME CHANGE
I,kavita chowdhary D/o Ram kumar R/o 2/26 East Punjabi bagh New Delhi -110026 , have changed my name from kavita choudhary to kavita chowdhary permanently for all purposes.

NAME CHANGE
I, Vijay Kumar S/O: Jagdish Chandra, R/O J1-9D,H.No.- 12, KHIRKI EXTENSION, Malviya Nagar, South Delhi, Delhi-110017, have changed the name of my minor daughter Tanya Vijay aged 17 years and she shall hereafter be known as TANYA KALAYIL.

Public Notice
It is for general information that I Rama Singh W/O: Shiv Singh R/O H-306 A ,gali no.11, raj nagar part.2, palam colony Bagdola Raj Nagar - II,South West Delhi Delhi-110077,declare that name of my minor son has been wrongly written as Anshuman Singhin my minor son namely ANSHUMAAN SINGH aged 15 years in his school record The actual name of my minor son is Anshumaan Singh,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, ANANYA GUPTA daughter of Shri ATUL GUPTA, residing at H. No. 96, Duplex Sector-15, Near Atal Chowk, Vasundhra Ghaziabad, Vasundhra, Uttar Pradesh-201012, declare that name of my mother has been wrongly written as ANNU PRIYA GUPTA in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my mother is ANUPRIYA GUPTA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I,hitherto known as SATISH KUMAR GOYAL alias Satish Kumar S/O Satpal Gupta R/O B-68 B BLK Patel Garden, Delhi 110059. have changed my name and shall hereafter be known as SATISH KUMAR GOYAL .

NAME CHANGE
I, KAMLESH KANSANA W/o VIJAY SINGH GURJAR R/o QTR NO-3, TYPE-III, DELHI POLICE STAFF QUARTERS, DELHI CANTT, DELHI-110010, have changed my name from KAMLESH KANSANA to KAMLESH GURJAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I Shubhank S/O Rajesh Gaba R/O. Solanki Bhawan, W.Z-14, Asalat pur, Janakpuri B-1 S.O, West Delhi, Delhi - 110058 changed my name to Shubhank Gaba.

NAME CHANGE
I Hemant S/O Deshraj Dhameeja R/O. Ward no-7- Haryana Electronics-Main Bazar Sampla- Rohtak, Haryana 124501changed my name to Hemant Dhamija.

NAME CHANGE
I, MD Islam Khan S/O Sammad Khan R/O D-1/206, Gali No - 1 Ratiya Marg Sangam Vihar South Delhi 110062 Have changed my name to Islam Khan for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAVINDER PASWAN S/O SHRICHANDAR PASWAN R/O A □ 326/3, Gali No. 6, Gamri Extension, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi - 110053, declare that name of mine has been wrongly written as RAVINDER KUMAR in my minor daughter's namely PAYAL KUMARI aged 13 years in her School Records. The actual name of mine is RAVINDER PASWAN which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Rimpy Kumari D/O Pradeep Kumar Kashyap, R/O A-154, Near- Barat ghar, Gijhore, Sector-53, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Pradeep Kashyap and Rekha Devi in my 10th and 12th educational document .The actual name of my father and my mother are PRADEEP KUMAR KASHYAP and SHREE DEVI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I JAY INGLE S/O BHARAT R/O NEAR GRAMPANCHAYAT OFFICE, PIMPRI GAWALI, BULDHANA, MAHARASHTRA - 443102, I have changed My name to JAY BHARAT INGLE Permanently for all the purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, PRAKASH KUMAR PURVEY S/O JAGDISH PURVEY R/O 2/109, 2Nd FLOOR, BACK SIDE SUBASH NAGAR, SUBHASH NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110027 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as PRAKASH KR PURVEY and SHALU in my minor daughter TANYA Aged 15 years in her school records. And name of mine and my wife has been wrongly written as PRAKASH and SHALU in my minor daughter TANYA Aged 15 years in her Birth Certificate. The actual name of mine and my wife are PRAKASH KUMAR PURVEY and SHALLU, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOHD RAFI S/o KHALIL AHMED R/o V-10, OLD NANGAL, DELHI CANTT-110010, have changed my son□s name from MOHAMMAD ABDULLA to MOHD ABDULLA for all future purposes.

NAME CHANGE
I Dharmeshkumar Dilipbhai Rathod S/o Dilipbhai Rathod R/o 1002/A, Rajhans Coral E-Block, Near Rashi Mall, Navsari, Gujarat - 369445, have changed my name to DharmeshKumar Dilipbhai Aacharya.

NAME CHANGE
I hitherto Known as MALA W/o AKASH residing at 10659, Gali No. 7/8, Pratap Nagar, Gulabi Bagh, North Delhi, Delhi - 110007 have changed my name and shall hereafter be known as PINKI

NAME CHANGE
I, DHOOM SINGH S/O SHYAM SINGH R/O HOUSE NO-202, GALI NO-2, VILLAGE TAHIRPUR, JHILMIL, SHAHDARA, DELHI, DELHI-110095 have changed the name of my minor daughter KANAK aged 14 years and she shall hereafter be known as KANAK NEGI.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Pinki devi W/O Agan Dev Singh, R/O H-2/33, Ranholla, Kunwar Singh Nagar, Nangloi, West Delhi, 110041,declare that name of mine and my husband has been wrongly written as Pinki and Agni dev in my minor daughter namely RITIKA aged 15 years in her school records. The actual name of mine and my husband are PINKI DEVI and AGAN DEV SINGH,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, HARSH KUMAR S/O SUSHIL KUMAR R/O K-23B, STREET NO 4, WAZIRABAD VILLAGE, BURADI, NORTH DELHI, DELHI-110084 declare that name of my father has been wrongly written as SUSHIL KUMAR SAXENA in my Driving Licence-DL1 20220016583. The actual name of my father is SUSHIL KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SUDHA TIWARI Mother of No-15712392K, Rank-HAV, Name-SOURABH TIWARI residing at MAHAVEER MUHALLA, WARD NO-06, VILL + POST-DHANA, TEHSIL-SAGAR, DISTT-SAGAR, MADHYA PRADESH-470228, have changed my name from SUDHA TIWARI to SUDHARANI TIWARI for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Manesh Kumar** Gupt is purchasing the **Built-up Property bearing No. 186, area measuring 30 Sq. Yds., out of Khasra No. 388, situated in the revenue state of Village Bindapur, abadi known as colony Bhagwati Vihar, in Block V, Sector C, Uttam Nagar, New Delhi-110059** from Mr. Shashi Kumar who is the owner of the property vide Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 20.06.2011 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजपाल उर्फ पाला पुत्र** प्रेमपाल **द्वारा** सुभाष **निवासी** ग्राम बेहटा, थाना–लोनी, जिला–गाजियाबाद (उ.प्र.), ने **FIR No. 211/2014, U/S 392/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन कश्मीरी गेट, उत्तर जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजपाल उर्फ पाला** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजपाल उर्फ पाला** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है);

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 211/2014, U/S 392/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन कश्मीरी गेट, उत्तर जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **राजपाल उर्फ पाला** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.11.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–11,
केंद्रीय, कोर्ट नं0–138, प्रथम तल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/12644/N/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद इम्तियाज उर्फ मोहम्मद अशरफ, पुत्रः मोहम्मद रियाज, पताः झुग्गी, शुक्रा बाजार, भोपुर गाँव, कौशांबी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 246/2016, U/s 457/380/511/34 IPC, पुलिस थाना मधु विहार, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद इम्तियाज उर्फ मोहम्मद अशरफ** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहम्मद इम्तियाज उर्फ मोहम्मद अशरफ** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 246/2016, U/s 457/380/511/34 IPC, पुलिस थाना मधु विहार, दिल्ली** के अभियुक्त **मोहम्मद इम्तियाज उर्फ मोहम्मद अशरफ** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री उदभव कुमार जैन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04
शाहदरा, कमरा नं. 13, द्वितीय तल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/12783/ED/2025

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री कार्तिक बजाज अब वन रूम, प्राइवेट नंबर 4, जो कि लोअर ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है, के स्वामी हैं। उक्त फ्लैट का सुपर एरिया 440 वर्ग फीट (अर्थात् 40.8773 वर्ग मीटर) है, जो छत के अधिकारों सहित नहीं है। यह फ्लोर संपत्ति पर निर्मित है जिसका नगर निगम संख्या 4735/XI, कोठी संख्या 22 है, जिसे अब प्रकाश दीप के नाम से जाना जाता है, और यह दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन रोड, दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है। उक्त संपत्ति के मूल मालिक पी. टेक्स बिल्डर्स (प्रा.) लिमिटेड थे, जिन्होंने 01.06.1994 को निष्पादित बिक्री विलेख के आधार पर उक्त संपत्ति प्राप्त की थी। इसके पश्चात, पी. टेक्स बिल्डर्स (प्रा.) लिमिटेड ने 25.10.2007 को निष्पादित बिक्री विलेख के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती ममता बजाज को विक्रय की। दुर्भाग्यवश, श्रीमती ममता बजाज का 10.05.2021 को निधन हो गया, और उनके पीछे उनके वैध उत्तराधिकारी श्री कार्तिक बजाज (पुत्र) तथा श्री विजय कुमार बजाज (पति) शेष रह गए। बाद में, श्री विजय कुमार बजाज ने दिनांक 22.06.2023 को निष्पादित परित्याग विलेख के माध्यम से अपनी ‰ अविभाजित हिस्सेदारी श्री कार्तिक बजाज के पक्ष में परित्याग कर दी। इस प्रकार, अब श्री कार्तिक बजाज उक्त फ्लोर के पूर्ण स्वामी हैं, और यह संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, गिरवी, बंधक, देनदारी या दावा से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति वर्तमान में आरबीएल बैंक लिमिटेड, शाखा- ओखला, नई दिल्ली दिल्ली से वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, 14850274Y Rank-HAV/CLK(SD) Name-VISHWADEV SINGH CHIB Presently residing at SATRAYIAN, RANBIRSINGHPORA, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR-181102, have changed my mother□s name from SKINDHYA DEVI to SKINDA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, 14850274Y Rank-HAV/CLK(SD) Name-VISHWADEV SINGH CHIB Presently residing at SATRAYIAN, RANBIRSINGHPORA, JAMMU, JAMMU AND KASHMIR-181102, have changed my wife□s name from MAMTA CHIB to MAMTA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-DR-10647F, Rank-LT COL, Name-SMITA M KADAM residing at 422/B, GYAN VIHAR, EME SCHOOL CAMPUS, FATEHGUNJ, VADODARA, GUJARAT-390008, have changed my name from SMITA M KADAM to SMITA MANISH KADAM for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA DEVI Wife of No-15671508X Rank-HAV Name-SHIV SAGAR PRASAD residing at VILL-KODIHARA, PO-PAIBIGHA, TEH-GAYA, DIST-GAYA, BIHAR-804424, have changed my name from PRIYANKA DEVI to PRIYANKA KUMARI for all future purposes and in my husband□s service records my date of birth wrongly mentioned as 17/03/1985 instead of my correct date of birth as 05/03/1987 vide Affidavit dated 24/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-414405K Rank-SUB Name-JAI BHAGAWAN Presently residing at KHARAK KALAN (131), BHIWANI, HARYANA-127114, have changed my son□s name from ABHAY SINGH to ABHEY SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2025 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

ओलंपिक खेलों में होंगी कराटे प्रतियोगिताएं : मीनू बेनीवाल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के बैनर तले हरियाणा स्पोर्टस कराटे एसोसिएशन का चुनाव पंचकूला में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का ऐलान करते हुए हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष कप्तान जसविंद्र सिंह मीनू बेनीवाल ने कहा कि कराटे केवल एक खेल नहीं बल्कि आत्मरक्षा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक एसोसिएशन द्वारा प्रदेश में नवगठित कराटे एसोसिएशन के माध्यम से न केवल निकट भविष्य में होने जा रहे ओलंपिक खेलों में इसे शामिल किया जाएगा बल्कि प्रदेश में इस खेल को प्रमोट करने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कराटे एसोसिएशन के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्कूलों व कॉलेजों में पढ़ने वाली लड़कियों में इस खेल को प्रचारित करते हुए उन्हें इसके साथ जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

मुख्यमंत्री ने सिख म्यूजियम और गुरु रविदास म्यूजियम के निर्माण को लेकर की बैठक

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश देते हुए कहा कि गुरुओं की विरासत को संरक्षित करने तथा उनके जीवन दर्शन एवं आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कुरुक्षेत्र में बनने वाले सिख म्यूजियम तथा संत शिरोमणि गुरु रविदास म्यूजियम की डीपीआर जल्द तैयार की जाए। इन दोनों म्यूजियम से सम्बंधित कार्यों को तय समय सीमा में पूर्ण किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर देश व समाज को अपना योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री सैनी कुरुक्षेत्र में बनने वाले सिख म्यूजियम व गुरु रविदास म्यूजियम को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इन दोनों म्यूजियम की डीपीआर फाइनल करने के समय सोलर पैनल लगाने को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने कहा कि गुरुओं की याद और शिक्षा को संजोए रखने के लिए कुरुक्षेत्र में 3 एकड़ भूमि पर सिख म्यूजियम का निर्माण किया जाएगा, जो युवाओं को गुरुओं की शिक्षाओं पर चलते हुए आगे लेकर जाने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में सिख म्यूजियम का निर्माण इस प्रकार किया जाए कि वह सिख इतिहास, संस्कृति और गुरुओं के योगदान की सम्पूर्ण झलक प्रस्तुत करे।

भिवानी में श्राद्ध अमावस्या पर अत्यधिक हलवा-पूरी खाने से 17 गायों की मौत

चंडीगढ़। भिवानी में श्राद्ध अमावस्या पर अत्याधिक रोटी, खीर, पूरी व हलवा खिलाने से सोमवार देर रात तक 48 गाय बीमार पड़ गईं। एक के बाद एक मंगलवार सुबह तक 17 गायों की मौत हो गई। भिवानी में आसपास के क्षेत्र में सोमवार देर रात तक 36 गाय और बवानीखेड़ा में 12 गाय बीमार अवस्था में मिली, जिसमें भिवानी में 13 और बवानीखेड़ा में 4 सहित कुल मिलाकर 17 गायों की मौत हो चुकी थी। इस बार सबसे अधिक चिंता का विषय का यह रहा कि ग्रामीण क्षेत्र से भी भारी तादात में बीमार व मृत गाय की सूचनाएं आई। गौरक्षा दल भिवानी के प्रधान संजय परमार ने बताया कि श्राद्ध की अमावस्या पर गौवंश को काल का ग्रास बनने से बचाने के लिए हर वर्ष की भांति इस बार भी अमावस्या से काफी दिनों पहले से गौरक्षा दल भिवानी और प्रशासन द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया था, जिसके माध्यम से लोगों को बताया गया कि उनके द्वारा अमावस को सड़क पर खड़ी गाय को दी गई दो रोटी भी उनके मौत का कारण बन सकती है। यही नहीं 500 गौरक्षक व 6 एंबुलेंस लोगों को जागरूक करने व बीमार गोवंश के उपचार के लिए दिन-रात कार्य में लगे रहे। एक एंबुलेंस गोकुलधाम झज्जर से सुनील निमाणा, एक एंबुलेंस जुई से आशीष अग्रवाल, एक एंबुलेंस लोहानी से कैलाश जांगड़ा, एक एंबुलेंस लोहानी से संदीप कुमार, एक एंबुलेंस नवा की ढ़ाणी से कृष्ण कुमार, एक एंबुलेंस भिवानी नगर परिषद तथा एक गौरक्षा दल की एंबुलेंस सेवा कार्य में जुटी रही। लेकिन इस जागरूकता अभियान बावजूद भी लोगों में अंधविश्वास व अज्ञानता इतनी हावी था कि वह लोग समझ ही नहीं पाए कि उनके द्वारा दी गई दो रोटियां ही उनकी मौत का कारण बनेंगी।

शहीदों का जीवन सबके लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्त्रोत : प्रो. रामपाल सैनी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में कुलगुरु प्रो. डा. रामपाल सैनी के निर्देशन में हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहीदों को नमन करते हुए उनके पराक्रम और बलिदान को याद किया गया। प्रो. सैनी ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि शहीदों का सम्मान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। अमर शहीद राव तुलाराम और हरियाणा के अनेकों वीर बलिदानियों की बदौलत ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। शहीदों की कुर्बानी सदैव युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी। देश के उन शूरवीरों को कभी नहीं भुलाया जा सकता है, जिन्होंने अपनी शहादत देकर देश की माटी का कर्ज अदा किया। ऐसे वीरों को सम्मान देते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चल कर देश को तरक्की के रास्ते पर ले जाने का संकल्प हम सभी को लेना चाहिए। इस अवसर पर कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय में अमर शहीद कैप्टन पवन के स्मारक पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करके उनके बलिदान को नमन किया।

दुकानदारों, ग्राहकों से संवाद कर जीएसटी सुधार के लाभ परखने को निकाली बाजारों में पदयात्रा

एजेंसी

जींद। जीएसटी सुधार का लाभ परखने विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने शहर के बाजारों पर पदयात्रा कर व्यापारियों और ग्राहकों से संवाद किया। उत्पादों की नई जीएसटी दरों के बारे में जानकारी ली। ग्राहकों से संवाद में विधायक ने कहा कि पीएम मोदी ने दशहरा से पहले ही लोगों को दीपावली का उपहार दे दिया है, इसका भरपूर लाभ उठाएं। जीएसटी रिफार्म जागरूकता अभियान का शुभारंभ करते हुए विधायक सबसे पहले लाल चौक पहुंचे। विधायक ने कहा कि इससे कारोबार और मजबूत होगा।

पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए ग्राहकों को इसका फायदा जरूर दीजिए। पदयात्रा के दौरान विधायक का स्वागत दुकानदारों, आमजन ने किया। घटी जीएसटी बढ़ा व्यापार, धन्यवाद मोदी सरकार जैसे नारे लगाए गए। जीएसटी पर

संवाद में व्यापारियों ने ग्राहकों को पूरा लाभ देने का वादा किया। प्रवीण गर्ग के प्रतिष्ठान पर पत्रकारों से बातचीत में विधायक अत्री ने कहा कि जीएसटी में जो सुधार हुआ है उससे आमजन, व्यापारी सब खुश हैं। जीएसटी का ये बदलाव आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। इससे हर क्षेत्र में बदलाव, सुधार हुआ है। बाइक, सीमेंट, खेती उपकरण सहित 54 चीजों पर जीएसटी कम हुआ है। हर व्यक्ति को लाभ मिला है। कांग्रेस मुद्दा वहीन है कांग्रेस के पास मुददा नहीं है। सुधार होते रहने चाहिए। सरकार नए आयाम विकास के स्थापित कर रही है। उचाना को विकसित बनाने के लिए हम आगे बढ़ रहे है। पीआर धान की खरीद शुरू हो चुकी है। पहले नवरात्र पर पीआर धान की खरीद शुरू हो चुकी है। किसी तरह की परेशानी किसानों को नहीं आने दी जाएगी। हरियाणा प्रदेश अकेला प्रदेश है जो 24 फसलों पर एमएसपी किसान को दे रहा है। किसानों को खरीद में किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

सहकारी समितियों को देना होगा आरटीआई का जवाब

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने गुरुग्राम स्थित सरस्वती कुंज कोऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसायटी द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें हरियाणा राज्य सूचना आयोग के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत मांगी गई सूचना उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति कुलदीप तिवारी ने 3 सितम्बर 2025 को अपना आदेश सुनाया (जो 23 सितम्बर 2024 को वेबसाइट पर अपलोड हुआ), और आयोग के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि निजी सहकारी समितियों से संबंधित वह जानकारी, जिसे किसी सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा विधि के अंतर्गत प्राप्त किया जा सकता है, आरटीआई अधिनियम के दायरे में आती है। सोसायटी ने आयोग के 28 फरवरी और 3 मई 2024 के आदेशों को रद्द करने की मांग की थी। उसका तर्क था कि हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम, 1984 के तहत पंजीकृत एक निजी सहकारी संस्था होने के नाते उस पर आरटीआई अधिनियम लागू नहीं होता, लेकिन आरटीआई आवेदक के वकील प्रदीप कुमार रापड़िया ने दलील दी कि आवेदन सीधे सोसायटी में नहीं, बल्कि लोक सूचना अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, गुरुग्राम के पास दाखिल किया गया था, जो अधिनियम के तहत एक 'सार्वजनिक प्राधिकरण' है। उच्च न्यायालय ने आरटीआई आवेदक के वकील की इस दलील से सहमति जताते हुए निष्कर्ष निकाला कि सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार, जिनके पास वैधानिक निगरानी और प्रशासनिक अधिकार हैं, पर यह दायित्व है कि वे ऐसी सूचनाएँ उपलब्ध कराएं, बशर्ते वे अधिनियम की धारा 8 के अंतर्गत छूट प्राप्त न हों।

कहीं नारद मोह की हुई लीला तो कहीं सीता स्वंयवर

एजेंसी

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में अनेक स्थानों पर भव्यता से रामलीलाओं का मंचन किया जा रहा है। हर रामलीला क्लब में एक-दूसरे से बेहतर लीला दिखाने की भी होड़ रहती है। बीती रात की लीला में कहीं नारद मोह की लीला हुई तो कहीं सीता स्वयंवर हुआ। यहां श्री गुरु द्रोणाचार्य रामलीला क्लब गुड़गांव गांव में पहले दिन की रामलीला में नारद मोह की लीला का मंचन किया गया।

रामलीला में दिखाया गया कि-नारद जी को घमंड हो गया था कि उनकी तपस्या के कारण ही भगवान इन्द्र का सिंहासन डोल उठा। उसके उपरांत भगवान विष्णु ने अपनी माया से श्री निवासपुरी नगरी जैसी अति सुंदर नगरी का निर्माण किया। वहां के राजा शीलनिधि द्वारा अपनी पुत्री का स्वयंवर रखा गया। जिसमें दूर-दूर के राजाओं ने भाग लिया। ऋषिराज नारद तत्काल विश्वमोहिनी के स्वयंवर में पहुंच गये और साथ ही शिव जी के वे दोनों गण भी ब्राह्मण का वेश धारकर वहां पहुंच गये। वे दोनों गण नारद जी को सुना कर कहने लगे कि भगवान ने इन्हें इतना सुन्दर रूप दिया है कि राजकुमारी सिर्फ इन पर ही रीझेगी। उनकी बातों से नारद जी अत्यन्त प्रसन्न हुए। स्वयं भगवान विष्णु भी उस स्वयंवर में एक राजा का रूप धारण कर आ गये। विश्वमोहिनी ने स्त्रह्नरूप नारद की तरफ देखा भी नहीं और राजारूपी विष्णु के गले में वरमाला डाल दी। मोह के कारण नारद जी की बुद्धि नष्ट हो गई थी।

जब वे गुस्से से आग-बबूला थे तो उसी समय शिवजी के गणों ने वहां व्यंग्य करते हुए नारद जी से कहा कि जरा दर्पण में अपना मुंह तो देखिये। नारद जी ने जल में अपना मुंह देता तो खुद की कुरुपता देखकर और क्रोधित हो गए। उन्होंने शिवजी के उन गणों को राक्षस हो जाने का श्राप दे दिया। श्राप देने के बाद जब नारद जी ने फिर से जल में देखा तो पता चला कि उनका असली रूप

वापस आ चुका है। बेशक उन्हें अपना असली रूप मिल गया हो, लेकिन भगवान विष्णु पर उन्हें क्रोध आ रहा था। रास्ते में रास्ते में ही उनकी मुलाकात विष्णु जी से हुई, जिनके साथ लक्ष्मी जी और विश्वमोहिनी भी थीं। नारद जी ने उनसे कहा कि में तुम्हें श्राप देता हूं कि तुम मनुष्य के रूप में जन्म लोगो। तुमने हमें स्त्री वियोग दिया, इसलिए तुम्हें भी स्त्री वियोग सहकर दुखी होना पड़ेगा। हमें बंदर का रूप दिया है, इसलिए बंदर ही तुम्हारी सहायता करेंगें। यानी उनका सहारा लेना पड़ेगा।

खेल के लिए सरकार बना रही है नीतियां : कृष्ण बेदी

एजेंसी

जींद,। दो दिवसीय विद्या भारती उत्तर क्षेत्र 36वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता यहां संपन्न हुई। उचाना कलां के आचार्य महामंडलेश्वर महाराज धर्मार्थ न्यास परिसर में प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। समापन के अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी मुख्यअतिथि के तौर पर पहुंचे। लड़कों की कबड्डी में हरियाणा के खिलाड़ी छाए रहे। तीनों वर्गों में टीम हरियाणा चैंपियन बनी। कबड्डी में लड़कों में अंडर 19 में हरियाणा की टीम पंजाब को हरा कर चैंपियन बनी। अंडर 17 में हरियाणा की टीम ने हिमाचाल को हरा कर पहला स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 में हरियाणा की टीम ने हिमाचाल को हरा कर पहला स्थान पाया। कृष्ण बेदी ने कहा कि खिलाड़ी खेल को खेल भावना से खेलें। खेल के माध्यम से विदेश, देश, प्रदेश में खिलाड़ी अपने क्षेत्र का नाम रोशन कर सकते हैं। शिक्षा के साथ-साथ खेलों में विद्यार्थियों को हिस्सा लेना चाहिए। प्रतिभाओं को

अवसर देने के लिए निरंतर खेल नीतियां बना कर फायदा दिए जाने का काम सरकार कर रही है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा प्रोत्साहन दिया जा रहा है। खेलों में हरियाणा की पहचान पूरी दुनिया में है। खेल में हार-जीत होती है। जीत से बेशक कुछ सीखने को न मिले लेकिन हार से सीखने को जरूर मिलता है। हार की कमियों को ध्यान में रख कर उनमें सुधार कर भविष्य में बेहतर तैयारी कर जीत दर्ज की जा सकती है। जो खेलता है वो ही जीतता-हारता है। इसलिए खेल को खेल भावना से खेलें।

आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर हरियाणा की परिकल्पना को साकार करेगी नई जीएसटी व्यवस्था : कृष्ण पंवार

ज्योति दर्पण

जींद। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में जीएसटी पर घटोत्तरी लागू कर एक नया आयाम स्थापित किया है। इस व्यवस्था से आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर हरियाणा की परिकल्पना साकार होगी। नई जीएसटी व्यवस्था से गरीब, मध्यम वर्ग, युवाओं, किसानों, व्यापारियों सहित सभी वर्गों को लाभ मिलेगा। त्योहारी सीजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी पर घटोतरी लागू कर देशवासियों को तोहफा दिया है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स और जीएसटी बचत उत्सव को लेकर लोक निर्माण विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने स्थानीय हीरो एजेंसी, महिंद्रा, बजाज तथा स्वराज एजेंसियों में जाकर वाहन खरीद रहे उपभोक्ताओं से बातचीत की। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि अगली पीढ़ी

के लिए जीएसटी की नई व्यवस्था लागू हो गई है। इस व्यवस्था से कारोबार को और आसान व निवेश को और आकर्षक बना सकते हैं। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व और राज्य के प्रयासों का परिणाम है कि देश दर्जनों करों के जाल से मुक्त हुआ है और एक राष्ट्र-एक कर का सपना साकार हुआ है। हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है जीएसटी परिषद ने वर्तमान सुधारों में कृषि और किसान दोनों का ख्याल रखा है।

विशेष रूप से फसल अवशेष प्रबंधन में उपयोग होने वाले कृषि उपकरणों पर जीएसटी की दरों को कम किया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ट्रैक्टर और ट्रैक्टर पुर्जों पर जीएसटी कम की गई है। वस्त्र क्षेत्र में भी उद्योग और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाया गया है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटा कर शून्य कर दिया गया है। जीएसटी ने हमारी कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बना दिया है। इसने राज्यों के बीच व्यापार में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया गया है और एक राष्ट्र-एक कर-एक बाजार की परिकल्पना को साकार किया है। वर्ष 2024-25 में हरियाणा कुल सकल जीएसटी संग्रह में देश के प्रमुख राज्यों में 5वें स्थान पर रहा।

पीपीपी से जुड़ेगा जमीन, आईटीआर और बैंक खातों का ब्यौरा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार अब परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) को सिर्फ पहचान या आधार लिंकिंग तक सीमित नहीं रखना चाहती। दूसरी पारी में इस योजना का चेहरा बदलने वाला है। सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सहारे पीपीपी को भूमि स्वामित्व रिकॉर्ड, आयकर रिटर्न (आईटीआर), बैंक अकाउंट और टीडीएस डेटा से जोड़ने की तैयारी कर रही है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ उन्हीं तक पहुंचे जिन्हें वास्तव में इसकी जरूरत है। पीपीपी कार्यक्रम के स्टेट कोऑर्डिनेटर सतीश खोला ने बताया कि भूमि अभिलेखों और सीबीडीटी डेटा को पीपीपी से जोड़ना कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। एआई से डेटा का विश्लेषण होगा, जिससे पात्रता का अधिक सटीक आकलन किया जा सकेगा। खोला के मुताबिक, योजना की उच्चस्तरीय समीक्षा हो चुकी है और जल्द ही इसे लागू किया जाएगा।

हरियाणा में अब तक 76 लाख से ज्यादा परिवार पहचान पत्र बनाए जा चुके हैं। इनमें से 40 लाख से अधिक परिवार बीपीएल श्रेणी में दर्ज हैं। अभी तक पीपीपी केवल आधार और लाभार्थी परिवार के एक बैंक अकाउंट से जुड़ा हुआ है लेकिन अब इसका दायरा काफी व्यापक होने जा रहा है। राज्य सरकार ने भूमि अभिलेखों को लिंक करने का काम पहले ही शुरू कर दिया है। अगले चरण में इसे केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के डाटा से भी जोड़ दिया जाएगा। यानी किसी भी परिवार की आय, बैंकिंग ट्रांजेक्शन और टैक्स रिटर्न एक क्लिक में ट्रैक हो सकेंगे। हरियाणा सरकार का यह कदम कल्याणकारी योजनाओं की डिलीवरी को स्मार्ट और पारदर्शी बनाने की दिशा में क्रांतिकारी साबित हो सकता है। अब यह केवल पहचान का दस्तावेज नहीं रहेगा, बल्कि आर्थिक और सामाजिक स्थिति का पूरा डिजिटल खाका होगा।

देश- प्रदेश में बदलाव की शुरूआत हरियाणा से होगी: अजय चौटाला

एजेंसी

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि आज देश में बेशक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं मगर उनकी सरकार उद्योगपति अडानी व अंबानी चला रहे हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आज पूरे देश में पूंजीपतियों की सरकार है। आज देश की संपत्ति रेलवे सहित अडानी अंबानी के नाम गिरवी रख दी गई है। अजय चौटाला में युवा योद्धा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

अजय चौटाला ने कहा कि आज पूरे देश प्रदेश में बदलाव की आवश्यकता है और ये बदलाव केवल युवा ही कर सकते हैं। इसकी शुरूआत हरियाणा की धरती से ही होगी। चौटाला ने प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि आज प्रदेश में भी गुंडाराज कायम हो गया है। व्यापारियों से फिरौती, महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा व लूटपाट आदि की आपराधिक घटनाएं आज आम हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज कानून व्यवस्था के हालात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा

सकता है कि आज चुने हुए प्रतिनिधि भी सुरक्षित नहीं हैं और उन्हें धमकियां मिल रही हैं। ऐसे में आम आदमी की सुरक्षा को लेकर सरकार से कया उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अभी तक बाढ़ व बरसात प्रभावित किसानों की गिरदावरी तक पूरी नहीं हुई है और सरकार मुआवजे की बजाए केवल पोर्टल पोर्टल खेल रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब की तर्ज पर पूरे हरियाणा को भी आपदाग्रस्त राज्य घोषित कर प्रधानमंत्री राहत कोष से मदद मिलनी चाहिए थी मगर हरियाणा सरकार ने इसके लिए कोई प्रयास नहीं किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत सिंह चौटाला ने कहा कि आज युवाओं की प्रदेश सरकार द्वारा की जा रही अनदेखी के चलते पूरे हरियाणा के युवाओं में आक्रोश पाया जा रहा है जिसकी शुरूआत सिरसा से इस युवा योद्धा सम्मेलन से की गई है। उन्होंने कहा कि सिरसा से की गई इस शुरुआत को आगे बढ़ाने हुए आगामी 13 मार्च को प्रदेश में किसी एक स्थान पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर युवा पीढ़ी को एक मंच पर लाएंगे।

उन्होंने कहा कि आज युवा प्रदेश में बदहाल स्थिति में हैं और जब तक अच्छी शिक्षा देकर युवाओं को राजगार नहीं मिलता, तब तक उनके लिए सुनहरे भविष्य का ख्वाब नहीं देखा जा सकता।प्रदेश की मौजूदा कानून व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि पूर्व में मुख्यमंत्री ने रोहतक में भाषण दिया था कि अपराधी अपराध छोड़ें या हरियाणा छोड़ें लेकिन मुख्यमंत्री के भाषण के बाद अपराध घटने की बजाए बढ़े हैं।

नाबालिग बच्चों से कुकर्म के दोषियों को 20-20 साल कैद

एजेंसी

हिसार। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुनील जिंदल की अदालत ने दो नाबालिग बच्चों के साथ कुकर्म करने के दो अलग-अलग मामलों में दो युवकों को 20-20 साल कैद की सजा सुनाई है। सुनाए फैसले में अदालत ने दोनों युवकों पर जुर्माना भी लगाया है। इनमें एक युवक दो मामलों में आरोपी है। हांसी महिला थाना ने 19 सितंबर, 2021 को दोनों मामलों में केस दर्ज किए थे। एक मामले में 11 वर्षीय पीड़ित बालक ने बताया कि जून, 2021 में जब वह क्रिकेट खेल रहा था तो दो युवक उसे झाड़ियों में ले गए और उसके साथ कुकर्म किया। इसके बाद उसने परिजनों को घटना के बारे में बताया। परिजनों ने पुलिस को शिकायत देकर केस दर्ज करवाया। दूसरे मामले में 11 वर्षीय पीड़ित बालक ने बताया कि जुलाई, 2021 में एक युवक ने उसे टॉफी का लालच दिया और उसे झाड़ियों में ले जाकर कुकर्म किया। यही नहीं, आरोपी ने उसकी मोबाइल से अश्लील फोटो ले ली। इसके बाद उसने उसे ब्लैकमेल किया और धमकियां दी। बाद में उसने परिजनों को घटना के बारे में बताया।

हरियाणा के 11 जिलों में नहीं सुधरा लिंगानुपात, सरकार सख्त

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने कहा कि लिंगानुपात सुधारने के मामले में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) परफॉर्मेंस नहीं दिखा रहे, उनके खिलाफ विभाग सख्त कार्रवाई करेगा और उन पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने सभी सीएमओ को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में सक्रिय रहते हुए फील्ड स्तर पर निगरानी को और मजबूत करें। साथ ही मुख्यालय के अधिकारियों को भी आदेश दिए कि वे जिलों को पूरा सहयोग प्रदान करें और ठोस कदम उठाएं। बैठक के दौरान बताया गया कि इस वर्ष एक जनवरी से 22 सितंबर तक राज्य का लिंगानुपात सुधरकर 907 हो गया है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 904 था। हालांकि जिलावार कुछ जिलों की परफॉर्मेंस नकारात्मक सामने आई है, इस सूची में प्रदेश के 11 जिले शामिल थे। इनमें चरखी दादरी, करनाल, सिरसा, हिसार, अंबाला, यमुनानगर, सोनीपत, कैथल, महेन्द्रगढ़, भिवानी तथा पलवल शामिल है। इन जिलों में अन्य की तुलना में प्रदर्शन कमजोर पाया गया है और लिंगानुपात माइंस में है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने इन जिलों के सीएमओ को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि वे ठोस कार्ययोजना बनाकर जल्द से जल्द सुधारात्मक कदम उठाएं। बैठक में कैथल जिले के मामले पर भी चर्चा हुई, जिसमें एक सरकारी फार्मासिस्ट द्वारा अवैध रूप से एमटीपी किट बेचे जाने की शिकायत मिली थी। इस पर स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने सख्त रुख अपनाते हुए कैथल सीएमओ से कार्रवाई रिपोर्ट लेते हुए निर्देश दिए कि फार्मासिस्ट को तत्काल निलंबित किया जाए और उसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि रिवर्स ट्रैकिंग की प्रक्रिया को और तेज किया जाए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक 11 मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। बैठक में प्राइवेट चिकित्सकों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी ली गई।

> **फार्मासिस्ट को तत्काल निलंबित किया जाए और उसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।**

पलवल उपायुक्त का दावा, शहीद के परिवार को सरकार ने की तीन करोड़ 17 लाख की सहायता

एजेंसी

पलवल। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए नगला मोहम्मदपुर के लांस नायक दिनेश शर्मा के परिवार को सरकार द्वारा 3 करोड़ 17 लाख रुपए की मदद दी जा चुकी है। इसके अलावा करीब 60 लाख रुपए की आर्थिक सहायता भी सरकार द्वारा जल्द दी जाएगी। इसके अलावा जिला प्रशासन ने लोढ़ा फाउंडेशन से शहीद के परिवार को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई है। वहीं इस फाउंडेशन द्वारा शहीद दिनेश के बच्चे के लिए कॉलेज स्तर तक की शिक्षा का सारा खर्च दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस फाउंडेशन द्वारा शहीद दिनेश के माता-पिता का 20

साल तक स्वास्थ्य संबंधित सभी उपचार निशुल्क करवाया जाएगा। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा शहीद दिनेश शर्मा के परिवार को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के लिए सभी जरूरी कार्य तेजी से किए गए। प्रशासन के अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों संबंधी कार्य भी शहीद के घर जाकर करवाए गए, ताकि उनके परिजनों को किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मीडिया समन्वयक मुकेश वशिष्ठ ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी द्वारा शहीद दिनेश शर्मा से संबंधित सभी घोषणाओं को शत-प्रतिशत धरातल पर मूर्त रूप दिया जाएगा। इस संबंध में जिला प्रशासन को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। अब तक जिला प्रशासन को शहीद दिनेश शर्मा के नाम पर पार्क, विद्यालय का नामकरण, मुख्य द्वार और सभी शहीद स्मारक संबंधी प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, गांव में शहीद स्मारक निर्माण के लिए 25 लाख रुपये और हॉल निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की राशि मंजूर हो चुकी है।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम में मिलेगा एनपीएस जैसा टैक्स लाभ, सरकार ने जारी किए फेक्स

नई दिल्ली

सेवानिवृत्ति संबधी लाभों को लेकर केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के लिए बड़ी स्पष्टता दी है। वित्त सेवा विभाग (डीएफएस) ने मंगलवार को यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) पर टैक्स नियमों को स्पष्ट करने के लिए विस्तृत फेक्स जारी किए। इसमें बताया गया है कि यूपीएस पर वही टैक्स छूट और लाभ उपलब्ध होंगे, जो वर्तमान में नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में मिलते हैं।

नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, कर्मचारी की बेसिक पे और डीए का 10 प्रतिशत तक योगदान आयकर की धारा 80सीसीडी(1) के तहत टैक्स डिडक्शन के योग्य होगा। वहीं, नियोक्ता यानी सरकार द्वारा किया गया 10प्रतिशत योगदान धारा 80सीसीडी(2) के तहत कर लाभ देगा। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा 8.5 प्रतिशत तक का योगदान पूल कोरस में किया जाएगा, जिसे न तो आय माना जाएगा और न ही उस पर टैक्स लगेगा। कर्मचारियों को आंशिक निकासी की भी सुविधा दी गई है।वे अपने योगदान का 25 प्रतिशत तक का हिस्सा धारा 10(128) के तहत टैक्स मुक्त निकाल सकते हैं। सेवा निवृत्ति या नौकरी समाप्ति के समय व्यक्तिगत कोरस से पूल कोरस में ट्रांसफर भी टैक्स से मुक्त रहेगा। रिटायरमेंट पर कर्मचारी अपने कोरस का 60 प्रतिशत तक निकाल सकते हैं, जिस पर टैक्स नहीं लगेगा, जबकि शेष 40 प्रतिशत अनिवार्य रूप से पूल कोरस में जाएगा और वह भी करमुक्त रहेगा। डीएफएस ने स्पष्ट किया है कि रिटायरमेंट पर मिलने वाला एकमुश्त भुगतान (लंपसम)–जो हर छह माह की सेवा पर मासिक वेतन का 10 प्रतिशत होता है, पूरी तरह टैक्स मुक्त रहेगा।

वहीं, यदि व्यक्तिगत कोरस बेंचमार्क कोरस से अधिक है तो उस अतिरिक्त राशि का 60 प्रतिशत टैक्स मुक्त होगा और शेष 40त्न वेतन आय मानकर टैक्स लगाया जाएगा। पेंशन टैक्सेशन को लेकर भी स्पष्टता दी गई है। रिटायरमेंट के बाद यूपीएस से मिलने वाली मासिक राशि को पेंशन माना जाएगा और यह सैलरी के तहत टैक्स योग्य होगी। वहीं, कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार को मिलने वाली पेंशन अन्य आय में जोड़ी जाएगी। सरकार का मानना है कि इन प्रावधानों से यूपीएस को पूरी तरह टैक्स-फ्रेंडली बनाया गया है।

केंद्र ने दिया 70,000 करोड़ का पैकेज

भारत की बढ़ेगी स्वदेशी शिप बनाने की क्षमता

नई दिल्ली

भारत में स्वदेशी को काफी महत्व दिया जा रहा है। यही वजह है कि भारतीय सेना के आधुनिक हथियार भी बनाने लगा है। इसी कड़ी में देश की समुद्री गतिविधियों और स्वदेशी शिपबिल्डिंग क्षमता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 70,000 करोड़ रुपये की घोषणा के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही 3 योजनाओं के एक पैकेज पर विचार कर सकता है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बता दें कि इस आशय की घोषणा फरवरी में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में की थी।बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय प्रस्तावों पर केंद्रीय मंत्रिमंडल के साथ चर्चा कर रहा है, जिसमें कई बदलाव और नए प्रावधान शामिल हैं। इस सिलसिले में खबर छपने के लिए जाने तक जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय को भेजे गए सवालों के जवाब नहीं मिले। बिज़नेस स्टैंडर्ड ने 4 सितंबर को बताया था कि सरकार ने बॉयर डिफॉल्ट से शिपबिल्डरों को बचाने के लिए शिपबिल्डिंग पहल में 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान भी जोड़ा है। इन प्रस्तावों में 25,000 करोड़ रुपये का मैरिटाइम डेवलपमेंट फंड (एमडीएफ), ग्रीनफील्ड शिपयार्ड के विकास, ब्राउनफील्ड शिपयार्ड और शिपबिल्डिंग पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार के लिए 25,000 करोड़ रुपये का शिपबिल्डिंग क्लस्टर प्रोग्राम और शिपबिल्डिंग में राज्यों को सहयोग देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये की शिपबिल्डिंग फाइनैंशियल असिस्टेंस पॉलिसी शामिल है।

मारुति और ह्युंडई की छोटी कारों का निर्यात बढ़ा, घरेलू बिक्री में गिरावट

नई दिल्ली

भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनियां घरेलू बाजार में सुस्त मांग से जूझ रही हैं, लेकिन विदेशी बाजारों में उनके छोटे कार मॉडल धूम मचा रहे हैं। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम (एसआईएएम) के ताजा आंकड़ों से मालूम चलता है, कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त के बीच यात्री कारों का निर्यात 8.5प्रतिशत बढ़ा है, जबकि घरेलू बिक्री में उतनी ही यानी 8.5प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार मारुति सुजूकी ने इस अवधि में 37 प्रतिशत की बड़ी छलांग लगाई, जबकि ह्युंडई मोटर इंडिया का निर्यात 12.45प्रतिशत बढ़ा। मारुति के स्विफ्ट, बलेनो और डिज़ायर जैसे मॉडल विदेशी ग्राहकों के बीच लोकप्रिय रहे और उसके यात्री कार निर्यात में 43प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। दूसरी ओर, ह्युंडई ने भी आई10 निओस जैसे कॉम्पैक्ट मॉडल के दम पर यात्री कार निर्यात में करीब 16प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

निर्यात में मजबूती के विपरीत, घरेलू बाजार में दोनों कंपनियों की स्थिति कमजोर रही। अप्रैल-अगस्त के दौरान ह्युंडई की यात्री कारों की बिक्री में लगभग 16प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि मारुति की बिक्री में भी 6.4प्रतिशत की कमी देखी गई। यह घरेलू बाजार में कमजोर मांग और उपभोक्ताओं की सीमित खर्च करने की क्षमता का संकेत है।

वैश्विक बाजारों में कॉम्पैक्ट कारों की पसंद

मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी राहुल भारती ने कहा, दिलचस्प है कि हमारे शीर्ष 5 निर्यात मॉडलों में सभी चार मीटर से कम लंबाई वाले हैं। यह दिखाता है कि वैश्विक ग्राहक कॉम्पैक्ट कारों को प्राथमिकता दे रहे हैं क्योंकि वे किफायती हैं, पर्यावरण पर कम असर डालते हैं और भीड़भाड़ कम करने में मदद करते हैं। वित्त वर्ष 2026 में मारुति के प्रमुख निर्यात मॉडल फ्रोंक्स, जिम्नी, स्विफ्ट, बलेनो और डिज़ायर बताए गए हैं।

लैटिन अमेरिका और अफ्रीका में बढ़ती मांगह्युंडई मोटर इंडिया के सीओओ तरुण गर्ग के अनुसार, आई10 निओस दक्षिण अफ्रीका, मेक्सिको और चिली जैसे बाजारों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहां के ग्राहक ह्युंडई की गुणवत्ता, उन्नत फीचर्स और प्रीमियम डिजाइन को सराह रहे हैं। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे विकासशील बाजारों में आय क्षमता बढ़ने और कीमत-संवेदनशील उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग के चलते भारतीय ऑटो कंपनियां निर्यात पर अधिक फोकस कर रही हैं।

टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर 10 टुकड़ों में बांट रहे

मुंबई

भारत के सबसे बड़े टाटा समूह की कंपनी टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयरों में अच्छी तेजी दिख रही है। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर बुधवार को बीएसई में करीब 5 प्रतिशत के उछाल के साथ 8544 रुपये पर पहुंच गया हैं। कंपनी के शेयर 52 हफ्ते की नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) करने वाली है। कंपनी 1:10 के अनुपात में शेयर बांटने जा रही है। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन लिक्विडिटी सुधारने और आम निवेशकों की भागेदारी बढ़ाने के लिए शेयर का बंटवारा कर रही है। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन पहली बार अपने शेयर का बंटवारा करेगी। टाटा ग्रुप की कंपनी अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांट रही है। कंपनी ने 22 सितंबर को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया है कि शेयरहोल्डर्स ने शेयर बंटवारे को अपनी मंजूरी दे दी है। कंपनी 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटेगी। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 4 अगस्त 2025 को स्टॉक स्प्लिट के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन में लंबे अंतराल के बाद बड़ा कॉरपोरेट एक्शन देखने को मिल रहा है। टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन ने दो दशक पहले बोनस शेयर जारी किए थे। कंपनी ने अगस्त 2005 में अपने निवेशकों को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 23 अगस्त 2005 थी। टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर पिछले पांच साल में 900 प्रतिशत से अधिक उछल गए हैं। टाटा ग्रुप की कंपनी के शेयर 25 सितंबर 2020 को 830.50 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 24 सितंबर 2025 को 8544 रुपये पर पहुंच गए हैं। चार साल में टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयर 550 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं। पिछले तीन साल में टाटा इंवेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 250 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर घिरे अनिश्चितता के बादल

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच एक बार फिर व्यापार वार्ता पर संकट के बादल घिरते नजर आ रहे हैं। इसकी वजह बनी है अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक की चेतावनी। इसके बाद भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर अनिश्चितता मंडराने लगी है। लटनिक ने 14 सितंबर को कहा था कि भारत अगर अमेरिका में उगाए गए मक्के की खरीद नहीं करता है, तो उसे अमेरिकी बाजार से अपनी पहुंच खोनी पड़ सकती है। मगर भारत के कुल कृषि एवं संबद्ध उत्पादों के आयात में मक्के की हिस्सेदारी काफी कम है और यह 1 फीसदी से भी कम है। यानी भारत सीमित मात्रा में अमेरिका से मक्के का आयात करता है।बता दें कि वित्त वर्ष 2018 में अमेरिका से भारत का मक्का आयात केवल 30 लाख डॉलर का था, जो अमेरिका से कुल कृषि आयात का 0.3 फीसदी था। वित्त वर्ष 25 तक आयात घटकर 22 लाख डॉलर रह गया और हिस्सेदारी 0.1 फीसदी रह गई। भारत में कुल आवक में अमेरिका से मक्का आयात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018 के 19 फीसदी से घटकर वित्त वर्ष 2025 में 0.8 फीसदी रह गई। वास्तव में, वित्त वर्ष 2018 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान अमेरिका से भारत का सालाना मक्के का आयात औसतन करीब 20 लाख डॉलर का था। अमेरिका से भारत का कम मक्का आयात करने के दो कारण हैं।

पहला, इस पर आयात शुल्क काफी अधिक है और आनुवांशिक रूप से संशोधित (जीएमओ) मक्के पर भारत में प्रतिबंध है मगर यह अमेरिका में बड़े पैमाने पर उगाया जाता है। साल 2017-18 से आठ वर्षों के दौरान सभी देशों से भारत का कुल मक्का आयात उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन वित्त वर्ष 25 में यह एक साल पहले के मुकाबले 571 फीसदी बढ़कर 25.98 करोड़ डॉलर हो गया।

लोकप्रिय स्मार्टफोन ओप्पो रेनो 14 5 जी दीवाली एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली चाइनील कंपनी ओप्पो ने ओप्पो रेनो 14 5 जी दीवाली एडिशन लॉन्च किया है। स्मार्टफोन के रियर पैनल पर रंगोली और गोल्डन मोर की झलक देखने को मिलती है, जो इसे बाकी फोन्स से अलग बनाती है। स्पेसिफिकेशन की बात करें तो इस फोन में डायमेसिटी 8350 प्रोसेसर, 12जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज दी गई है। बैटरी की क्षमता 6000 एमएएच है, जिसे 80 वॉट फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट मिलता है। इसका मतलब है कि फोन कुछ ही मिनटों में फुल चार्ज हो जाएगा। इसके अलावा यह स्मार्टफोन आईपी66, आईपी68 और आईपी69 रेटिंग के साथ आता है, यानी यह धूल और पानी से पूरी तरह सुरक्षित है। कंपनी का दावा है कि रेनो 14 दीवाली एडिशन सिर्फ डिजाइन ही नहीं बल्कि परफॉर्मेंस और ड्यूरेबिलिटी के मामले में भी खास है। तभारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए यह लिमिटेड एडिशन लाया गया है।

मारुति सुजुकी अर्टिगा ने किया पहले स्थान पर कब्जा

नई दिल्ली अगस्त 2025 का एमपीवी सेगमेंट का सेल्स डेटा भारतीय कार बाजार में जारी हो गया है। बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी अर्टिगा ने अपनी बादशाहत कायम रखते हुए पहले स्थान पर कब्जा किया। अगस्त में मारुति अर्टिगा की 18,445 यूनिट्स बिकीं, जो जुलाई के मुकाबले 11 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं मारुति ईको 10,785 यूनिट्स की सेल्स के साथ दूसरे नंबर पर रही, हालांकि इसकी बिक्री में 13प्रतिशत की गिरावट आई है। तीसरे स्थान पर टोयोटा इनोवा रही, जिसकी 9,304 यूनिट्स बिकीं। इनोवा की सेल्स में मामूली 2प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। इसके अलावा, किआ कैरेंस की 6,822 यूनिट्स और मारुति एक्सएल 6 की 2,973 यूनिट्स बिकीं। खास बात यह रही कि एक्सएल 6 की सेल्स में 39 प्रतिशत की जोरदार बढ़त देखने को मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय बाजार में अब भी मारुति की पकड़ सबसे मजबूत है। अर्टिगा और ईको जैसे मॉडल्स किफायती दाम और भरोसेमंद परफॉर्मेंस की वजह से ग्राहकों की पहली पसंद बने हुए हैं। दूसरी तरफ, इनोवा और कैरेंस जैसे प्रीमियम मॉडल्स को उन ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है जो ज्यादा फीचर्स और स्पेस चाहते हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमीं

नई दिल्ली घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें घटीं हैं। इस सप्ताह लगातार दो दिन शीर्ष पर पहुंचने के बाद तीसरे दिन सोने और चांदी की कीमतें घटीं हैं। आज सुबह घरेलू बाजार में सोने के भाव 1,13,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,34,600 रुपये के करीब रहे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में कमी आई है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध आज 336 रुपये नीचे आकर 1,13,500 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,13,836 रुपये था। यह अनुबंध 366 रुपये की नीचे आकर 1,13,470 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 13,500 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,13,253 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर तक गया। वहीं सोने के वायदा भाव इस सप्ताह 1,14,179 रुपये के भाव के साथ ही सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 436 रुपये की गिरावट के साथ 1,34,626 रुपये पर खुला। वहीं पिछला बंद भाव 1,35,062 रुपये था। यह कॉन्ट्रैक्ट 462 रुपये की गिरावट के साथ 1,34,600 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,34,661 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,34,251 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव ने इस सप्ताह 1,35,700 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,796.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव3,815.70 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 44.26 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 44.60 डॉलर था। ।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 386 अंक, निफ्टी 112 अंक गिरा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 386.47 अंक नीचे आकर 81,715.63 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.60 अंक टूटकर 25,056.90 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान वाहन शेयरों में गिरावट से बाजार पर दबाव आया। निफ्टी ऑटो 1.15 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी आईटी 0.72 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.53 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.68 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 2.49 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.89 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.47 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 0.18 फीसदी उछलकर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड, एचयूएल, एनटीपीसी, एचीसीएल टेक, मारुति सुजुकी, एलएंडटी, एशियन पेंट्स और बजाज फाइनेंस के शेयर नीचे आये । इसके अलावा टाटा मोटर्स, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। जीएसटी सुधारों के बाद बाजारों में मुनाफावसूली से गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं एच-1बी शुल्क

वृद्धि के कारण आईटी शेयरों में गिरावट आई है। वहीं व्यापार वार्ताओं और कमजोर वैश्विक संकेतों से निवेशक बाजार से दूसरी बनाये हुए हैं।

इसे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स करीब 200 अंक नीचे आकर 81,917.65 पर खुला जबकि सुबह यह 257.47 अंक या 0.31 फीसदी की गिरावट लेकर 81,844.63 पर था। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी गिरावट के साथ ही 25,108.75 पर खुला।

वहीं आज सुबह एशियाई बाजारों की शुरुआत कमजोर रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.4 फीसदी नीचे रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.35 फीसदी गिरा। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.45 फीसदी गिरा है। वॉल स्ट्रीट की बड़ी टेक कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार का एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स 0.95 फीसदी व डॉव जोन्स लगभग 0.2 फीसदी उछला।

स्मार्टफोन गैलेक्सी एस24 पर भारी डिस्काउंट का ऐलान

नई दिल्ली सैमसंग कंपनी ने अपने प्रीमियम स्मार्टफोन गैलेक्सी एस24 पर भारी डिस्काउंट का ऐलान किया है। वहीं स्पेसिफिकेशन की बात करें तो गैलेक्सी एस24 में 6.2 इंच का अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो बेहतरीन विजुअल एक्सपीरियंस देता है। फोन को अब ग्राहक महज रुपए 39,999 (128जीबी) और रुपए 44,999 (256जीबी) की कीमत पर खरीद सकते हैं। जबकि इसकी असली कीमत रुपए 74,999 थी। यानी ग्राहकों को करीब 35 हजार रुपये तक का सीधा फायदा मिल रहा है। कैमरा सेटअप में 50एमपी का प्राइमरी सेंसर, अल्ट्रा-वाइड और टेलीफोटो लेंस के साथ ट्रिपल रियर कैमरा शामिल है। फोन में 4000 एमएएच की बैटरी है, जो पूरे दिन का बैकअप देने में सक्षम है। पावर के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8 जेन 3 एडिशन प्रोसेसर मौजूद है, जो स्मूद मल्टीटास्किंग और हाई-एंड गेमिंग के लिए ऑप्टिमाइज्ड है। एंड्रॉयड 14 बेस्ड वनयूआई पर चलने वाला यह फोन 5जी कनेक्टिविटी और सैमसंग के लेटेस्ट एआई फीचर्स के साथ आता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस डिस्काउंट के बाद गैलेक्सी एस 24 प्रीमियम सेगमेंट में सबसे ज्यादा वैल्यू-फॉर-मनी स्मार्टफोन साबित होगा।

जिओ पेमेंट बैंक ने सेविंग प्रो नाम से एक नया फीचर लांच किया

मुंबई जिओ पेमेंट बैंक ने सेविंग प्रो नाम से एक नया फीचर लांच किया है, जो ग्राहकों को उनके बचत खाते में पड़े अतिरिक्त पैसों से कमाई करने का एक स्मार्ट तरीका देता है। इस सुविधा के जरिए आप अपने सेविंग्स अकाउंट में एक तय सीमा से ज़्यादा की रकम को अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं।इस नए फीचर के तहत ग्राहक अपने खाते में एक न्यूनतम बैलेंस लिमिट तय करेगा, जो 5,000 से शुरू होती है। इस सीमा से अधिक जमा राशि अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाएगी। दैनिक निवेश की अधिकतम सीमा 1.50 लाख तक निर्धारित की गई है, जिससे बड़ी रकम का भी निवेश सहजता से किया जा सके। जरूरत पड़ने पर ग्राहक अपने निवेश का 90 प्रतिशत हिस्सा तुरंत निकाल सकते हैं, लेकिन निकासी की सीमा 50,000 तक सीमित है। यदि इससे अधिक राशि निकालनी हो, तब म्यूचुअल फंड की सामान्य सेटलमेंट प्रक्रिया लागू होगी। सभी ग्राहकों को इस सुविधा में न कोई एंट्री चार्ज है और न ही एग्जिट चार्ज, और न ही कोई लॉक-इन पीरियड। इसका मतलब है कि आप कभी भी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपना पैसा निकाल सकते हैं। पिछले दो सालों के आंकड़ों के अनुसार, इस तरह के निवेश ने औसतन 6.5 प्रतिशत का सालाना रिटर्न दिया है। हालांकि, यह बाज़ार के जोखिम पर निर्भर करता है, इसलिए रिटर्न में बदलाव हो सकता है। ग्राहकों के लिए ये सुविधा जिओ फाइनेंस एप पर उपलब्ध है। इसके बारे में जिओ पेमेंट बैंक के एमडी और सीईओ, विनोद ईश्वरन ने ग्राहकों के लिए एक डिजिटल और आसान तरीका बताया है जिससे वे अपने बचत खाते के पैसों से अतिरिक्त कमाई कर सकें। यह उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो बिना ज़्यादा झंझट के अपने पैसे को बढ़ाना चाहते हैं।

आरबीआई का बैंकों को तीन महीने का अल्टीमेटम कहा-बिना दावे की राशि का तेजी से हो निपटान

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने सभी बैंकों को तीन महीने का अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना दावे की राशि का तेजी से निपटान करें। अक्टूबर से दिसंबर के अंदर बिना दावे वाली धनराशि- जमा, लाभांश, ब्याज वारंट, पेंशन आदि का निपटान तेज करने के लिए कहा है। आरबीआई ने निर्देशित करते हुए कहा है कि बैंकों को बिना दावे वाली जमा राशियों की जिलावार सूची तैयार करें और संबंधित शाखाओं के साथ साझा करें ताकि सही दावेदारों से संपर्क किया जा सके।

एसएलबीसी को राज्य और जिला आधार पर बिना दावे वाली जमा राशि के आंकड़े की समीक्षा करने के लिए कहा गया है ताकि सदस्य बैंकों को उचित रणनीति प्रदान की जा सके। समिति को राज्य सरकार के विभागों और एजेंसियों के साथ प्रभावी तरीके से संपर्क करने और राज्य सरकार से संबंधित शिविरों के लिए स्थान, दावेदारों के चयन में सक्रिय सहायता करने, मृत्यु पंजीकरण आदि का सत्यापन करने के लिए कहा गया है। बैंकों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है कि वे इस पहल को सफल बनाने और बैंकिंग तंत्र से बिना दावे वाली धनराशि को कम करने में व्यक्तिगत स्तर ध्यान दें। बैंकिंग नियामक ने बैंकों को भेजे पत्र में कहा है वित्तीय स्थायित्व और विकास परिषद (एफएसडीसी) की हालिया बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बिना दावे वाली धनराशि के निपटान के लिए जिला स्तर पर सप्ताह भर संयुक्त शिविर लगाए जाएं।

इस तरह का पहला शिविर अक्टूबर के पहले सप्ताह के दौरान गुजरात में लगाया जाएगा और दिसंबर तक देश भर में इस तरह के और शिविर आयोजित किए जाएंगे। राज्य स्तरीय बैंकरों की समिति (एसएलबीसी) को संबंधित राज्यों में इस पहल का नेतृत्व करने का जिम्मा सौंपा गया है। एसएलबीसी को विशेष अभियान अवधि यानी अक्टूबर से दिसंबर के दौरान अधिकतम दावा निपटान का प्रयास करने के लिए कहा गया है।

इन खाता धारकों को मिलेगा लाभ

ऐसे बचत या चालू खाते जिनका संचालन 10 वर्षों से नहीं किया गया हो उनमें जमा राशि या ऐसी सावधि जमा जो परिपक्वता की तारीख से 10 वर्षों के भीतर दावा नहीं की जाती हैं, उन्हें बिना दावे वाली जमा राशि' के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

आरबीआई के नियम के मुताबिक बैंकों को ऐसे पैसे को जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता (डीईए) निधि में स्थानांतरित करना होता है। हालांकि जमाकर्ता बाद की तारीख में भी संबंधित बैंकों से जमा राशि का दावा कर सकते हैं।

एप्पल ने लांच की नई आईफोन 17 सीरीज

नई दिल्ली हाल ही में एपल ने अपनी नई आईफोन 17 सीरीज लॉन्च की है। संभावना जताई जा रही है कि अब एप्पल जल्द ही मुड़ने वाला यानी फोल्डेबल आईफोन भी लॉन्च कर सकता है। एप्पल अगले साल आईफोन 18 सीरीज के साथ इस डिवाइस को पेश कर सकता है। हालिया रिपोर्ट में ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन ने बताया है कि एप्पल का फोल्डेबल आईफोन ऐसा लग सकता है जैसे दो टाइटेनियम आईफोन एयरर्स को एक साथ जोड़ दिया हो। इससे एप्पल को एक पतला, स्लीक फोल्डेबल डिजाइन मिल सकता है। यह डिवाइस न सिर्फ ड्यूरेबिलिटी में बेहतर होगा बल्कि प्रीमियम फील भी देगा। सैमसंग समेत कुछ स्मार्टफोन ब्रांड अब इस सेगमेंट में काफी बेहतर हो गए हैं ऐसे में एपल फैंस को थोड़ा डर है कि ये डिवाइस डेली लाइफ में कैसा परफॉर्म करेगा। एप्पल के फोल्डेबल डिवाइस में आईफोन एयर जैसा टाइटेनियम फ्रेम और स्टेनलेस स्टील के कॉम्बिनेशन से डिवाइस का हिंज बनाया जा सकता है। इससे फोन को बेहतर मजबूती मिलेगी। रिपोर्ट्स में ऐसा भी कहा जा रहा है कि फोल्डेबल आईफोन की कीमत 2,000 डॉलर या उससे ज्यादा भी हो सकती है, जिससे यह एप्पल का अब तक का सबसे महंगा डिवाइस भी बन जाएगा। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि फोल्डेबल आईफोन में 5.5 इंच का एक्सटर्नल डिस्प्ले देखने को मिल सकता है।

अन्त्योदय नये भारत का आधारः वंचित के उत्थान का संकल्प

ललित गर्ग

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा।

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति-वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निमार्ताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे बड़ा योगदान था-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की 'अंतिम जन' की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का 'अंत्योदय' एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है।

'अंत्योदय' का शाब्दिक अर्थ है-'अंतिम व्यक्ति का उदय'। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे।

आज जब भारत 'सशक्त भारत' और 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निमार्ता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है। सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आवृत्त है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया।

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्त्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा। अंत्योदय दिवस का संदेश यही है कि नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब वंचित और उपेक्षित व्यक्ति का जीवन बदल जाए, जब हर चेहरे पर मुस्कान और हर जीवन में सम्मान हो।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

जाति से मुक्ति का मार्ग

अगर यह प्रयास गंभीर है और इसका अनुपालन भी उतनी ही गंभीरता से होने वाला है, तो इसकी दिल खोल कर प्रशंसा की जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस रिकॉर्ड. और सार्वजनिक नोटिसों से सभी जातिगत संदर्भों को तत्काल हटाने का आदेश दिया है। वाहनों पर जाति-आधारित स्टिकर लगवाने या नारे लिखवाने वालों पर भी मोटर वाहन अधिनियम के तहत जुमार्ना लगाने का आदेश दिया गया है। हालांकि यह कार्रवाई स्वतः स्फूर्त होने की बजाय इलाहाबाद हाई कोर्ट के रोष से बचने के लिए की गई है। सभी जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को इस बाबत निर्देश दे दिए गए हैं। इसका उद्देश्य जाति-आधारित भेदभाव खत्म करना है। कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने निर्देश दिया है कि आरोपियों की जाति पुलिस रजिस्टरों, केस विवरण, गिरफ्तारी दस्तावेज या पुलिस थानों के नोटिस बोर्ड. पर दर्ज नहीं की जानी चाहिए। यह निर्देश हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में जारी किया गया है, और तत्काल प्रभाव से लागू है। आदेश देख कर लगता है कि जैसे उत्तर प्रदेश को जातियों के जंजाल से मुक्ति मिलने ही वाली है। अधिकारियों को कस्बों और गांवों में ऐसे बोर्ड.या संकेत हटाने के लिए भी कहा गया है, जो जातिगत पहचान का महिमामंड़न करते हैं, या क्षेत्र या जाति विशेष से संबंधित बताते हैं।

राज्य में राजनीतिक उद्देश्यों वाली जाति-आधारित रैलियों और सार्वजनिक कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जबकि जातिगत गौरव या घृणा को बढ़ावा देने वाली सोशल मीड़िया सामग्री पर कड़ी नजर रखी जाएगी। प्रवीण छेत्री बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य के मामले में हाईकोर्ट ने पुलिस को आरोपी व्यक्तियों की जाति का उल्लेख नहीं करने का निर्देश दिया था और राज्य को सार्वजनिक और ड़िजिटल माध्यमों में जाति का महिमामंड़न रोकने का निर्देश दिया। सवाल है कि क्या आदेश का अनुपालन संभव हो पाएगा? हजारों सालों से यूपी ही नहीं, पूरे देश में जातिगत भेदभाव का कीड़ा लगा हुआ है। नाम से पहले 'जाति' पूछने की मानसिकता का क्या होगा? आज भी कथित ऊंची जातियों के गांवों में कोई 'छोटी जात' वाला कुर्सी पर नहीं बैठ सकता। इन लोगों का शादियों में घोड़ी चढ़ऩा आज भी भारी पुलिस सुरक्षा के बिना संभव नहीं है। इस आदेश के अनुपालन के लिए भारी जोर-जबरदस्ती देखने को मिलने वाली है। यह बुराई इतने गहरे पैठ चुकी है कि लोग पिट कर भी गौरवान्वित महसूस करेंगे।

चिंतन-मनन

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है । इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतःवाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए ।

1,700 सरेंडर और 466 मौतें: छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद का तांडव थमा...

सत्यप्रकाश दुबे

छत्तीसगढ़, जो अपनी समृद्ध खनिज संपदा और घने जंगलों के लिए जाना जाता है, लंबे समय से नक्सलवाद की चपेट में रहा है। बस्तर, बीजापुर, नारायणपुर, कांकेर और दंतेवाड़ा जैसे जिले लंबे समय से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहे हैं। नक्सलवाद ने राज्य की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बाधित किया है, ग्रामीण विकास योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। लेकिन दिसंबर 2023 से राज्य में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए ठोस रणनीतियाँ अपनाई। राज्य सरकार और सुरक्षा बलों की रिपोर्टों के अनुसार, दिसंबर 2023 से अब तक लगभग 1,700 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, जबकि मुठभेड़ों में 466 नक्सली मारे जा चुके हैं। यह आंकड़े न केवल सुरक्षा बलों की कार्यक्षमता बल्कि सरकार की नीति और नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने की रणनीति की सफलता को भी दशार्ते हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद विरोधी अभियानों की गति पिछले दो वर्षों में अभूतपूर्व रही है। ह्यपुना मार्गमह्न नीति के तहत सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास और आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस नीति से न केवल माओवादी संगठनों की रीढ़ कमजोर हो रही है, बल्कि कई प्रमुख कैडर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। जुलाई 2025 तक पिछले 15 महीनों में 1,521 नक्सलियों ने सरेंडर किया था, और उसके बाद अगस्त-सितंबर में भी दर्जनों सरेंडर की घटनाएं दर्ज हुईं। उदाहरण के लिए, 27 अगस्त 2025 को बीजापुर जिले में 30 नक्सलियों ने हथियार डाले, जिससे जिले में जनवरी से अब तक सरेंडर की कुल संख्या 307 हो गई। सरेंडर की यह लहर माओवादी संगठनों के लिए गंभीर चुनौती साबित हो रही है। इसका मुख्य कारण सुरक्षा बलों की सक्रियता के साथ-साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना है। नक्सल प्रभावित जिलों में सड़कों, स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों और जल आपूर्ति परियोजनाओं का तेजी से निर्माण होने से आम जनता का नक्सलियों से मोहभंग हुआ है। मुठभेड़ों में नक्सलियों की मौतों का आंकड़ा भी बेहद प्रभावशाली है। दिसंबर 2023 से 9 सितंबर 2025 तक 454 नक्सली मारे गए, और उसके बाद 12 सितंबर को गरियाबंद जिले में 10 नक्सलियों के मारे जाने से यह संख्या 464 हो गई। सबसे ताजा और महत्वपूर्ण मुठभेड़ 22 सितंबर 2025 को नारायणपुर जिले के अबुझमाड़ क्षेत्र में हुई, जहां सुरक्षा बलों ने दो शीर्ष नक्सली नेताओं झ कट्टा रामचंद्र रेड्डी (उर्फ राजू दादा) और कदरी सत्यनारायण रेड्डी (उर्फ कोसा दादा) झ को मार गिराया। इन दोनों नेताओं पर 40-40 लाख रुपये का इनाम था और वे सीपीआई (माओवादी) की सेंट्रल कमिटी के सदस्य थे। इस मुठभेड़ में एके-47, इंसास राइफल, बीजीएल लॉन्चर और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। यह घटना न केवल नक्सलियों के नेतृत्व पर बड़ा प्रहार थी, बल्कि यह सुरक्षा बलों की कार्यक्षमता और रणनीतिक दक्षता का भी प्रमाण है। इस मुठभेड़ के बाद 2025 में मारे गए नक्सलियों की संख्या 249 हो गई। वर्षवार ब्रेकडाउन पर नजर डालें तो 2024 में छत्तीसगढ़ में 219 नक्सली मारे गए, जो राज्य गठन के बाद का सर्वाधिक आंकड़ा है। 2025 में अब तक बस्तर संभाग में 212, जबकि अन्य क्षेत्रों में 29 से अधिक मौतें हुई हैं। प्रमुख मुठभेड़ों में 21 मार्च 2025 को बीजापुर और कांकेर में 30 नक्सली ढेर हुए, जबकि 21 मई को नारायणपुर में 27 नक्सलियों की मौत हुई, जिसमें टॉप लीडर बसवराजू शामिल था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अभियान को लाल आतंक की रीढ़ तोड़ने वाला करार दिया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के जरिए न केवल माओवादी संगठनों की गतिविधियों पर रोक लगी है, बल्कि यह नक्सल प्रभावित जिलों में विकास कार्यों को भी गति प्रदान कर रहा है। राज्य सरकार ने 30 नए फॉरवर्ड बेस स्थापित करने की योजना पर काम किया है, जिससे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास दोनों ही मजबूत होंगे। विशेषज्ञ मानते हैं कि सरेंडर और मुठभेड़ों की यह लहर नक्सलवाद को कमजोर कर रही है। यह सिर्फ एक सुरक्षा अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सुधारों का मिश्रित प्रयास है, जो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता को मुख्यधारा में जोड़ रहा है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास की सुविधा देना केवल सरकारी सहायता तक सीमित नहीं है। इनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और अन्य आर्थिक अवसर सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इससे नक्सलियों को पुनः हिंसक गतिविधियों में शामिल होने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। बस्तर और अन्य नक्सल प्रभावित जिलों में सड़क, बिजली, पानी और स्कूल जैसे बुनियादी ढांचे के विकास ने स्थानीय जनता के जीवन स्तर को सुधारा है। इससे नक्सलियों के लिए समर्थन जुटाना कठिन हो गया है। विकास और सुरक्षा का यह मिश्रित मॉडल दुनिया भर के अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए उदाहरण पेश करता है। सरेंडर की यह लहर सामाजिक स्तर पर भी बदलाव ला रही है। नक्सलियों का मुख्यधारा में लौटना गांवों में शांति स्थापित कर रहा है। इसके अलावा, सरेंडर करने वाले नक्सली अब स्थानीय विकास कार्यों में भी योगदान दे रहे हैं। इससे ग्रामीणों में यह संदेश गया है कि हिंसा छोड़ कर भी सम्मान और अवसर पाया जा सकता है। सरेंडर और मुठभेड़ों की यह सफलता माओवादी संगठन के लिए मानसिक और रणनीतिक झटका साबित हो रही है। शीर्ष नेतृत्व की मौतें और कैडरों का मुख्यधारा में लौटना संगठन की कार्यकुशलता और अनुशासन को कमजोर कर रहा है। छत्तीसगढ़ पुलिस और सीआरपीएफ ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में फॉरवर्ड बेस स्थापित कर उनकी निगरानी और सक्रियता बढ़ाई है। नक्सलियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और स्थानीय खुफिया तंत्र को भी मजबूत किया गया है। मुठभेड़ों में सुरक्षा बलों की सफलता का श्रेय उनके प्रशिक्षण, रणनीतिक योजना और स्थानीय सहयोग को जाता है।

मुद्दाः शोधार्थियों को प्रोत्साहन की कमी

प्रमोद भार्गव

पक्षियों के पंख अपने आप में संपूर्ण रूप में विकसित होते हैं, लेकिन हवा के बिना कोई भी पक्षी उड़ान नहीं भर सकता। यही स्थिति भारत में नवाचारी प्रयोगधर्मियों के साथ रही है। उनमें कल्पनाशील असीम क्षमताएं हैं, लेकिन कल्पनाओं को आकार देने के लिए प्रोत्साहन एवं वातावरण नहीं मिल पाता है। हालांकि 11 साल से सत्तारूढ़ मोदी सरकार ने इस वातावरण के निर्माण में अकल्पनीय काम किया है, किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनर्गल फैसलों के चलते जरूरी हो गया है कि हम अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत विद्यार्थियों की मौलिक सोच को शोध की दिशा में प्रेरित करें।

हाल में ट्रंप ने नासा और नेशनल साइंस फाउंडेशन जैसे शोध विकास संस्थानों के बजट में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है। एच-1बी वीजा की शुल्क में आवेदन के लिए एक लाख डॉलर यानी करीब 86 लाख रुपये के अतिरिक्त भुगतान करने की शर्त लगा दी है। इस किस्म के वीजा के सबसे ज्यादा लाभार्थी वे दक्ष युवा भारतीय हैं, जो अमेरिका की आईटी कंपनियों में नौकरी के इच्छुक रहते हैं। ट्रंप भविष्य में ऐसे और कानूनी उपाय कर सकते हैं, जिनसे युवा उद्यमियों को अवसर मिलने में कमी आए। अतएव भारत को ऐसे कल्पनाशील शोधार्थियों को बढ़ावा देना जरूरी है, जिनमें नवाचारी प्रतिभा है। हालांकि नासा और नेशनल फाउंडेशन के बजट में कटौती के बाद यूरोप ने 'चूज यूरोप फॉर साइंस' थीम पर मई-2025 में बैठक कर दुनिया के शोधार्थियों के लिए अपने संस्थानों के द्वार खोल दिए हैं। खंस और भारत ने बजट बढ़ा दिया है। चीन पूर्व से ही स्कूल स्तर पर छात्रों की मौलिक सोच एवं नूतन आविष्कार की संभावनाओं की पहचान कर छात्रों को अनुसंधान की दिशा में उन्मुक्त करने लग गया है। भारत ने नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बना कर एक लाख करोड़ की धनराशि आवंटित की है जिससे शोध की सोच को आविष्कार के रूप में साकार किया जा सके।

दरअसल, हमारी अब तक दिक्कत यह रही है कि हम खुद न अपने आविष्कारकों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं, और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहासपूर्ण अभद्र रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसी प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे निश्चित होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनूदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढाल कर अनेक आविष्कार व सिद्धांत गढ़ कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर पश्चिमी वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे।

आविष्कारक शोधार्थी को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई शोधार्थी कितना भी शिक्षित क्यों न हो, कल्पना बिना मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है। वह उतना ही बताती-सिखाती है, जितना हो चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात कुछ नितांत नूतन करने की जिज्ञासा को आधार-तल देती है। जब लब्ध-प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की जीवन-गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके ईद-गिर्द विज्ञान-सम्मत परिवेश ही था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। गोया, हम कह सकते हैं कि मौलिक प्रतिभा जिज्ञासु के अवचेतन में कहीं छिपी होती है। इसे पहचान कर गुणीजन या शिक्षक प्रोत्साहित कर कल्पना को पंख देने का माहौल दें तो भारत की ग्रामीण धरती से अनेक वैज्ञानिक-आविष्कारक निकल सकते हैं। इस दिशा में एक अच्छी पहल आईआईटी, मद्रास में 'सोच का पाठ' पढ़ाने के पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ की है। यदि शिक्षक विद्यार्थी के अवचेतन में पैठ बनाए बैठे इस कल्पनाशील सोच को पहचानने में सफल होते हैंङ्क तो इस पाठज्क्रम की सार्थकता निकट भविष्य में सिद्ध हो जाएगी।

दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। भारतीय शोधार्थियों का वैश्विक प्रतिशत 2 हैं, चर्चित शोध-पत्रों की प्रस्तुति में हमारा योगदान 2.4 प्रतिशत है। प्रसन्नता की बात है कि 29 प्रौद्योगिकी संपन्न देशों में भारत का स्थान पांचवा है। भारत ने उस प्रत्येक परिस्थिति को चुनौती

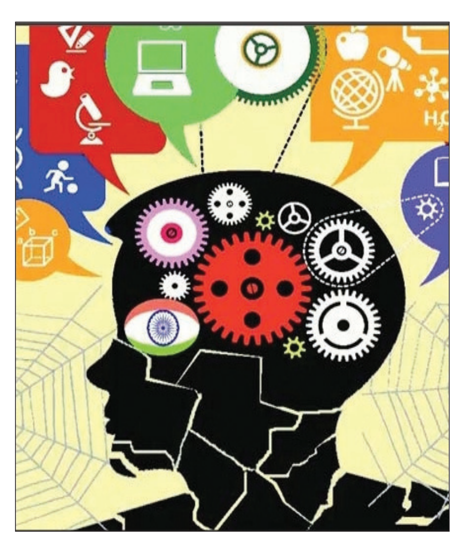

और अवसर माना जो दूसरे देशों ने हमारे सामने पेश की। रूस ने भारत को अंतरिक्ष मिसाइल प्रक्षेपण से जुड़े क्रायोजनिक इंजन की तकनीक देने से मना कर दिया था। तब एपीजे अब्दुल कलाम ने इसे देशज संसाधनों से विकसित किया और आज हम अंतरिक्ष में प्रमुख वैश्विक शक्ति हैं। इसी तरह 1987 में अमेरिका ने हमें सुपर कंप्यूटर देने से मना कर दिया था। तब भौतिक शास्त्री विजय पांडुरंग भटकर ने इस स्थिति को चुनौती माना और भारत का पहला सुपर कंप्यूटर परम स्वयं की मेधा से विकसित किया। अतएव ट्रंप के अवरोधों को हमें अवसर के रूप में देखने की जरूरत है।

(लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में टिकटॉक के एल्गोरिदम को नियंत्रित करेगी ओरेकल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में चीनी प्लेटफॉर्म टिकटॉक को लेकर बड़ा सौदा हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि तकनीकी क्षेत्र के दिग्गज कंपनी ओरेकल अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के लिए टिकटॉक के एल्गोरिदम को नियंत्रित करेगी। अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य को लेकर बातचीत में चीनी कपनी बाइटडांस के स्वामित्व वाले एल्गोरिदम पर नियंत्रण मुख्य मुद्दों में से एक था। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने कहा कि अगर एल्गोरिदम चीनी है तो यह अनुपालन के अनुरूप नहीं होगा। बाइटडांस के साथ कोई साझा एल्गोरिदम नहीं हो सकता। ओरेकल को एल्गोरिथम की एक प्रति प्राप्त होगी और वह एप के सुरक्षा संचालन की देखरेख करेगा। अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इस हफ्ते के अंत में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसमें अनिवार्य रूप से यह घोषणा की जाएगी कि इस समझौते की शर्तें अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरतों को पूरा करती हैं। इसके बाद ट्रंप जरूरी समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए 120 दिन की मोहलत जारी करेंगे।

नेपाल जैसे आंदोलन का डर, ऑनलाइन सामग्री पर नकेल

बीजिंग , एजेंसी। चीन ने पड़ोसी देश नेपाल में भ्रष्टाचार, वंशवाद को लेकर जेन-जी के हिंसक आंदोलन के बाद तख्तापलट को देखते हुए ऑनलाइन सामग्री पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। चीनी सरकार को युवाओं के विद्रोह का डर सता रहा। चीनी इंटरनेट नियामक ने सोमवार को हिंसक या शत्रुतापूर्ण भावनाओं को बढ़ावा देने वाली किसी भी ऑनलाइन सामग्री पर अंकुश लगाने के लिए दो माह के राष्ट्रीय अभियान की घोषणा की। धीमी होती अर्थव्यवस्था पर निराशावादी बयानों पर कार्रवाई होगी। अभियान हाल में शॉर्ट-वीडियो एप कुआइशौ, माइक्रोब्लॉगिंग साइट वीबो और इंस्टाग्राम जैसी साइट शियाओहोंगशु समेत प्रमुख प्लेटफॉर्म के खिलाफ सामग्री उल्लंघनों पर हुई कार्रवाइयों के बाद शुरू हुआ है। यह घोषणा बीजिंग पुलिस के उस बयान के बाद आई है कि उन्होंने टीवी अभिनेता 37 वर्षीय मेंगलोंग की मौत की अफवाह फैलाने के आरोपी तीन लोगों के खिलाफ अनिवार्य कार्रवाई की है। पुलिस ने कहा, यू की शराब पीने के बाद मौत हुई, लेकिन इन्होंने ध्यान आकर्षित करने को जानकारी गढ़ी और फर्जी वीडियो बनाए, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था बाधित हुई।

नासा ने चुने अपने नए अंतरिक्ष यात्री, पहली बार महिलाओं की संख्या ज्यादा

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा ने सोमवार को अपने नए अंतरिक्ष यात्रियों की घोषणा की। इस बार 8,000 से ज्यादा आवेदकों में से 10 वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और टेस्ट पायलटों को चुना गया है, जो भविष्य में चंद्रमा और संभवत: मंगल ग्रह की खोज में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस बार की अंतरिक्ष यात्री टीम में पहली बार पुरुषों से ज्यादा महिलाएं शामिल की गई हैं। इनमें एक भूवैज्ञानिक हैं जिन्होंने नासा के क्यूरियोसिटी मार्स रोवर मिशन पर काम किया, एक स्पेसएक्स इंजीनियर हैं जो पहले निजी स्पेसवॉक मिशन में गई थीं, और एक पूर्व स्पेसएक्स लॉन्च डायरेक्टर भी शामिल हैं। इन सभी को अब दो साल की कठोर ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके बाद ही वे अंतरिक्ष उड़ानों के लिए पात्र बनेंगे। नासा के कार्यवाहक प्रशासक शॉन डफी ने कहा कि इनमें से कोई एक व्यक्ति भविष्य में मंगल ग्रह पर कदम रखने वाला पहला इंसान हो सकता है। यह नासा का 24वां अंतरिक्ष यात्री बैच है, जिसकी शुरुआत 1959 में मर्करी सेवन टीम से हुई थी। पिछला बैच 2021 में चुना गया था। नासा के इतिहास में अब तक केवल 370 लोगों को अंतरिक्ष यात्री बनने का मौका मिला है, जो इसे एक बेहद खास और सीमित क्लब बनाता है।

श्रीलंका में नौसेना प्रमुख ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने 22 सितम्बर को श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में इंडियन पीस कीपिंग फोर्स (आईपीकेएफ) मेमोरियल पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। यह समारोह उन सैनिकों के साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन करने के लिए आयोजित किया गया, जिन्होंने श्रीलंका में शांति बनाए रखने के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। इस दौरान एडमिरल त्रिपाठी ने श्रीलंका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और रक्षा मंत्री के साथ मुलाकात की। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने, नौसैनिक साझेदारी मजबूत करने और संयुक्त प्रशिक्षण को लेकर चर्चा हुई। यह दौरा भारत और श्रीलंका के बीच दोस्ती, समुद्री सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति स्थापित करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

हमास ने 3 फिलिस्तीनियों को सरेआम मौत के घाट उतारा

गाजा, एजेंसी। इजरायल के ताबड़तोड़ हमले और विध्वंसक कार्रवाई के बीच हमास आतंकियों ने गाजा में तीन फिलिस्तीनियों को सरेआम मौत के घाट उतार दिया। जिस वक्त नकाबपोश हमास आतंकी तीनों फिलिस्तीनी नागरिकों को सजा-ए-मौत दे रहे थे, उस वक्त वहां मौजूद भीड़ नारे लगा रही थी। आरोप है कि तीनों फिलिस्तानी नागरिक गाजा में इजरायली अभियान को मदद पहुंचा रहे थे। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, हमास से जुड़े एक टेलीग्राम ग्रुप पर मूल रूप से पोस्ट की गई इस हत्या की भयावह फुटेज में, तीन लोग आँखों पर पट्टी बाँधे, जमीन पर घुटनों के बल बैठे दिखाई दे रहे हैं, उनके सामने हमास के तीन बंदूकधारी आतंकी स्वचालित हथियार लिए हुए हैं, जबकि चौथा व्यक्ति ऊँची आवाज़ में अरबी में कागज़ के एक टुकड़े पर लिखा हुआ पढ़ रहा है।

बीबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नकाबपोश हमास आतंकवादियों ने गाजा शहर के शिफा अस्पताल के बाहर ये हत्याएँ कीं हैं। यह अस्पताल इजरायल के जमीनी हमले के केंद्र में रहा है। पीड़ितों की आँखों पर पट्टी बाँधकर और घुटनों के बल बैठाकर, भीड़ के जयकारे के बीच उन्हें कई बार गोली मारी गई। न्यू यॉर्क पोस्ट के अनुसार, इस दौरान एक बंदूकधारी ने फांसी से पहले अरबी में घोषणा करते हुए कहा कि इजरायल के इन सभी सहयोगियों के लिए मौत की सज़ा मुकर्रर की गई है।

तुम्हारा विश्वासघात तुम्हें नहीं बख्श सकता : बाद में हमास आतंकियों ने उन फिलिस्तीनियों को शवों पर हस्तलिखित नोट छोड़ दिए, जिन पर लिखा था÷ ÷तुम्हारा विश्वासघात तुम्हें बिना सज़ा के नहीं बख्श सकता। कड़ी सज़ा का इंतज़ार था। वह पूरा हुआ।÷ हमास के गृह मंत्रालय ने इन मृतक फिलिस्तीनियों को अपराधियों का एक समूह बताया है, जिन्होंने इज़रायल के साथ मिलकर देशद्रोह का काम काम किया था। एक फ़िलिस्तीनी सुरक्षा अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि इन हत्याओं को फ़िलिस्तीनी प्रतिरोध के संयुक्त अभियान के लोगों ने अंजाम दिया है, जबकि न्यू यॉर्क पोस्ट के अनुसार, क़स्साम ब्रिगेड, इस्लामिक जिहाद और मुजाहिदीन ब्रिगेड जैसे सशस्त्र समूहों ने कथित तौर पर इन हत्याओं को अंजाम दिया है।

यासर अबू शबाब कौन था, जिसे सरेआम दी गई सजा-ए मौत : जिन लोगों को सरेआम मौत के घाट उतारा गया है, उनमें से एक, यासर अबू शबाब, को इजरायल का प्रमुख सहयोगी बताया गया है। कथित तौर पर वह इज़रायल के एक सशस्त्र कबीले का नेतृत्व करता था और इज़रायली नियंत्रण वाले राफ़ा में सक्रिय था। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कबीला खुद को हमास का विरोधी बताता था, हालाँकि अबू शबाब ने इस बात से इनकार किया था कि इज़रायल ने उसके समूह को हथियार दिए थे।

पहले भी हमास दे चुका ऐसी हत्याओं को अंजाम : तीन फिलिस्तीनी नागरिकों की सरेआम हत्या की घटना कथित असंतुष्टों के खिलाफ हमास की हिंसक बदले की एक प्रवृत्ति दिखाती है। इससे पहले मई में भी हमास आतंकियों ने मानवीय सहायता और राहत सामग्री लूटने के आरोप में छह फ़िलिस्तीनियों को मौत के घाट उतार डाला था और 13 अन्य को पैरों में गोली मार दी थी।

गाजा में जारी है द्धष्ठस्न का अभियान : इस बीच, इजरायली सेना गाजा सिटी में अपना अभियान जारी रखे हुए है। द्धष्ठस्न लगातार हमास के बुनियादी ढांचों और हमास लड़ाकों को निशाना बना रही है। इजरायली सेना ने कहा कि उसका उद्देश्य हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराना और समूह के ÷मुख्य गढ़÷ कहे जाने वाले क्षेत्र में 3,000 आतंकवादियों को हराना है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दक्षिणी इजरायल पर 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के जवाब में शुरू हुए इस हमले में गाजा में अब तक कम से कम 65,344 लोग मारे गए हैं।

मुझे अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए थी, बाइडन को फिर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से न रोकने पर हैरिस को अफसोस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें जो बाइडन को 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में दोबारा न उतरने की सलाह देनी चाहिए थी। लेकिन उस समय उन्होंने ऐसा नहीं किया, जिसका उन्हें अब अफसोस है। कमला हैरिस का कहना है कि उस वक्त ज्यादातर अमेरिकी मानते थे कि जो बाइडन उम्रदराज हो चुके हैं और राष्ट्रपति पद का दूसरा कार्यकाल संभालना उनके लिए बेहद कठिन होगा। राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद पहली बार एक न्यूज चैनल से लाइव इंटरव्यू में कमला हैरिस ने सोमवार को कहा, मेरे पास एक खास जिम्मेदारी थी, जिसे मुझे निभाना चाहिए था। मैंने उस समय अपने मन की बात खुलकर नहीं कही।

अपनी किताब में भी हैरिस ने किया जिक्र : कमला हैरिस ने हाल ही में 107 डेज नाम की किताब लिखी है, जिसमें उन्होंने विस्तार से बताया है कि बाइडन के चुनाव से हटने के बाद कैसे उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान संभाली। किताब में उन्होंने लिखा कि व्हाइट हाउस में हर कोई यही कहता था कि चुनाव लड़ने या न लड़ने का फैसला सिर्फ जो और जिल बाइडन का निजी निर्णय है। लेकिन अब उन्हें लगता है कि यह सिर्फ बाइडन दंपत्ति का व्यक्तिगत फैसला नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा, क्या वह शालीनता थी या

लापरवाही? अब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो लगता है कि यह लापरवाही थी। बहुत बड़ा दांव था। यह किसी एक व्यक्ति के अहंकार या महत्वाकांक्षा का विषय नहीं होना चाहिए था। यह एक बड़ी राजनीतिक जिम्मेदारी का मामला था।

इस दौरान कमला हैरिस ने साफ कहा कि जब वे लापरवाही शब्द का इस्तेमाल करती हैं, तो उसमें सबसे बड़ा इशारा खुद की तरफ होता है। उन्होंने माना कि उस समय उन्हें राष्ट्रपति जो बाइडन से खुलकर कहना चाहिए था कि वे दोबारा चुनाव न लड़ें। लेकिन ऐसा न कर पाने की वजह बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे डर था कि अगर मैं यह कहूंगी, तो लोग समझेंगे कि मैं खुद राष्ट्रपति पद के लिए मैदान तैयार कर रही हूं। यह पूरी तरह स्वार्थी कदम माना जाता। हैरिस ने याद दिलाया कि 2020 में उन्होंने राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेटिक नामांकन की दौड़ में बाइडन के खिलाफ चुनाव लड़ा था, बाद में उन्होंने उपराष्ट्रपति का पद संभाला।

बच्चों को सूटकेस में बंद कर विदेश भाग गई महिला, कोर्ट में सुनवाई के दौरान रो पड़े जज

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की एक अदालत ने अपने ही दो बच्चों की हत्या करने की आरोपी महिला को दोषी करार दिया है। जानकारी के मुताबिक महिला 6 और आठ साल के दो बच्चों को सूटकेस में बंद करके विदेश चली गई थी। घटना के चार साल बाद एक स्टोर में पड़ा सूटकेस जब खोला गया तो बच्चों के कंकाल मिले। जानकारी के मुताबिक न्यूजीलैंड की महिला 2018 में साउथ कोरिया चली गई थी और अपना नाम बदलकर रह रही थी। नवंबर 2022 में आरोपी महिला को साउथ कोरिया से प्रत्यर्पित कर दिया गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक न्यूजीलैंड की नागरिक ली का कारनामा सुनकर कोर्ट में सुनवाई करने वाले जजों के भी आंख में आंसू आ गए। आरोपी महिला के पति की 2017 में मौत हो गई थी। इसके बाद दोनों बच्चो की जिम्मेदारी ली पर ही थी। आरोपी महिला ने स्वीकार किया कि उसने दोनों बच्चों को जहर देकर सूटकेस में बंद कर दिया था। ली के वकील ने कोर्ट में दावा किया कि पति की मौत के बाद वह सदमें थीं और उनकी स्थिति पागलों की तरह

हो गई थी। ऐसे में उन्हें सही गलत की समझ नहीं रह गई और मानसिक स्थिति खराब होने की वजह से वह दोनों बच्चों को मारकर खुद भी सूइसाइड करना चाहती थी। दरअसल ली अपना सामान एक लॉकर में रखकर साउथ कोरिया चली गई थी। 2022 में आर्थिक समस्या की वजह से वह लॉकर की फीस नहीं दे पाईं। इसके बाद उनके सामान की अनलाइन नीलामी हुई। खरीदने वाले ने सूटकेस खोला तो देखा कि उसमें बच्चों के कंकाल हैं। कोर्ट ने ली को दोषी करार देते हुए कहा कि 26 नवंबर को उन्हें सजा सुनाई जाए। न्यूजीलैंड के कानून के मुताबिक हत्या करने वाले को उम्रकैद की सजा हो सकती है। इसके अलावा 10 साल पूरे करने से पहले उसे परोल भी नहीं दी जाती है।

दो-राज्य समाधान ही एकमात्र रास्ता, इस्राइल-फलस्तीन विवाद पर बोला संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में बोलते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि इस्राइल और फलस्तीन के बीच दशकों पुराने संघर्ष को सुलझाने का केवल एक ही तरीका है- दो-राज्य समाधान। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि मौजूदा चुनौतियों का हल तभी निकल सकता है जब इस्राइल और फलस्तीन, दो स्वतंत्र देशों के रूप में, साथ-साथ शांति और सुरक्षा के साथ रहें।

कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन के बाद फ्रांस का एलान : इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फलस्तीन को औपचारिक रूप से राज्य के रूप में मान्यता देने की घोषणा की। इससे पहले कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन भी रविवार को यह एलान कर चुके हैं। अब तक 140 से अधिक देश फलस्तीन को

मान्यता दे चुके हैं। फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों का यह कदम खास मायने रखता है क्योंकि ये दोनों जी-7 समूह और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं। इमैनुएल मैक्रों ने कहा, यह फैसला हमास की हार है। दो-राज्य समाधान ही एकमात्र रास्ता है जिससे इस्राइल और फलस्तीन शांति से रह सकेंगे।

इस्राइल की कड़ी प्रतिक्रिया : इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन घोषणाओं को आतंकवाद को इनाम करार दिया। उन्होंने कहा, 7 अक्तूबर के हमले के बाद फलस्तीन को मान्यता देना आतंकियों को पुरस्कृत करने जैसा है। यह कभी नहीं होगा। नेतन्याहू ने साफ कहा कि जॉर्डन नदी के पश्चिम में कभी फलस्तीनी राज्य नहीं बनेगा। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने भी इन देशों के फैसले को खारिज करते हुए कहा कि शांति तभी संभव है जब फलस्तीनी प्राधिकरण आतंकवाद और भड़काऊ गतिविधियों को पूरी तरह रोके। मंत्रालय का कहना है कि राजनीतिक दिखावे की बजाय देशों को हमास पर दबाव डालना चाहिए कि वह बंधकों को छोड़े और अपने हथियार डाले।

इस्राइल-फलस्तीन विवाद पर भारत का रुख : हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में दो-राज्य समाधान के पक्ष में एक प्रस्ताव लाया गया था। भारत समेत 142 देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया था। फलस्तीन के विदेश मंत्रालय ने कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के फैसले का स्वागत करते हुए इसे शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

भारत यूएन में एक महत्वपूर्ण आवाज है : न्यूयॉर्क में चल रहे संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र में महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कई अहम मुद्दों पर बयान दिया। इस दौरान दुजारिक ने कहा कि इस बार का बड़ा मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में सुधार है, ताकि यह संगठन 2025 की दुनिया के हिसाब से ज्यादा तेज, प्रभावी और प्रतिनिधित्वकारी बने। उन्होंने कहा, भारत संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का बहुत अहम हिस्सा है। भारत बहुपक्षवाद का मजबूत समर्थक है और महासचिव के भारत सरकार से बहुत अच्छे संबंध हैं।

फ्रांस में 80 जगहों पर फहराए गए फिलिस्तीनी झंडे, मान्यता के जश्न से तनाव की आशंका

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस ने इजरायल और अमेरिका के विरोध में जाते हुए फिलिस्तीन को मान्यता दे दी है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र संघ में इसका ऐलान कर दिया है। यही नहीं इस बीच फ्रांस के अंदर भी इस मसले पर तनाव पैदा होता दिख रहा है। इजरायल ने फ्रांस के फैसले को आतंकियों को बढ़ावा देने वाला बताया है तो वहीं अमेरिका भी इस फैसले से सहज नहीं है। अहम बात यह है कि फ्रांस के अंदर भी इसे लेकर चिंताजनक स्थिति पैदा हो सकती है। वजह यह है कि फिलिस्तीन को मान्यता देने के मौके पर फ्रांस में कुल 86 जगहों पर फिलिस्तीन के झंडे फहराए गए हैं। कई जगहों पर आयोजन भी हुए हैं।

इस तरह फ्रांस में लेफ्ट विंग की राजनीति करने वाले फिलिस्तीन को मान्यता देने का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन एक वर्ग इससे नाराज भी है। फ्रांस में इसे लेकर चिंता भी बढ़ सकती है। इसकी वजह यह है कि फ्रांस यूरोप का सबसे ज्यादा यहूदी आबादी वाला देश है। यहां कुल 5 लाख यहूदी बसते हैं और वहां के अहम प्रतिष्ठानों में महत्वपूर्ण पदों पर भी हैं। ऐसे में यदि फिलिस्तीन को मान्यता देने का जश्न अधिक मना तो नाराजगी देखी जा सकती है। फ्रांस सरकार ने फिलिस्तीन को मान्यता देने का जश्न मनाने या फिर झंडा आदि फहराने पर रोक लगा रखी थी। इसके बाद भी आयोजन हुए हैं।

फ्रांस के लयॉन, नानतेस, रेनेस जैसे शहरों में फिलिस्तीन के झंडे फहराए गए हैं। इसके अलावा पेरिस के सिटी हॉल में भी एक आयोजन हुआ। इस दौरान आधे घंटे तक फिलिस्तीन का झंडा फहराया गया। ऐसा तब हुआ, जबकि सोशलिस्ट मेयर ऐने हिडाल्गो ने ऐसे आयोजन का विरोध भी किया। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने कहा कि देश भर में 86 स्थानों पर ऐसे आयोजन हुए हैं। अब कुछ लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में ऐक्शन होना चाहिए। अदालत में केस दायर करना चाहिए। इन लोगों की नाराजगी है कि आखिर दूसरे देश के झंडे फहराने के लिए फ्रांस में आयोजन क्यों किए जा रहे हैं। बता दें कि 7 अक्तूबर 2023 को हमास ने भीषण आतंकी हमला इजरायल में किया था।

इस हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे। इसके अलावा 250 के करीब लोगों को अगवा कर लिया गया था। इस हमले के बाद इजरायल ने गाजा में हमास के ठिकानों पर हमले शुरू किए थे। यह जंग अब भी लगातार जारी है। इसी जंग के विरोध में फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन जैसे देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है।

डेनमार्क के बाद नॉर्वे के ओस्लो एयरपोर्ट के ऊपर उड़ान भरते देखे गए ड्रोन, घंटों बाधित रहे एयरस्पेस

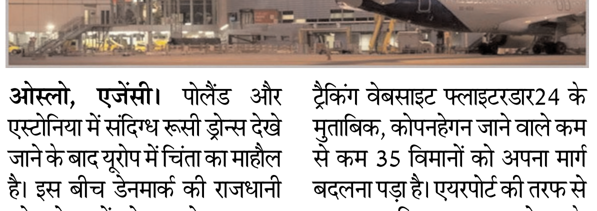

ओस्लो, एजेंसी। पोलैंड और एस्टोनिया में संदिग्ध रूसी ड्रोन्स देखे जाने के बाद यूरोप में चिंता का माहौल है। इस बीच डेनमार्क की राजधानी कोपनहेगन में सोमवार देर रात कुछ ड्रोन्स देखे जाने के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस और एयरपोर्ट अधिकारियों ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि ड्रोन्स देखे जाने के बाद 15 से ज्यादा उड़ानों का मार्ग बदला गया। इस बीच सोमवार देर रात ही नॉर्वे के ओस्लो हवाई अड्डे के पास भी एक ड्रोन के देखे जाने की खबरें आई हैं, जिसके चलते एयरपोर्ट के ऊपर पूरे हवाई क्षेत्र को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, डेनमार्क के एयरपोर्ट के ऊपर सोमवार को दो से तीन बड़े ड्रोन्स देखे गए। अभी यह साफ नहीं है कि यह ड्रोन्स किस तरह के थे या कहां से भेजे गए थे। हालांकि, इनकी पहचान होते ही फ्लाइट्स की तुरंत लैंडिंग करा ली गई और उड़ान भरने जा रहे विमानों का टेकऑफ रोक दिया गया। कुछ अन्य विमानों को दूसरे एयरपोर्ट डायवर्ट कर दिया गया। यूरोकंट्रोल के मुताबिक, कम से कम 50 उड़ानों को अब तक रद्द किया जा चुका है, जबकि 50 से ज्यादा फ्लाइट दूसरे एयरपोर्ट्स भेजी गई हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, कोपनहेगन जाने वाले कम से कम 35 विमानों को अपना मार्ग बदलना पड़ा है। एयरपोर्ट की तरफ से एक्स पर किए गए एक पोस्ट के मुताबिक कोपनहेगन हवाई अड्डे के आसपास रात 11-12 के बीच भी हवाई संचालन बाधित रहा। इसके चलते डेनमार्क की राजधानी जाने वाली अधिकतर फ्लाइट्स को या तो दूसरे एयरपोर्ट रवाना किया गया है या रद्द कर दिया गया है। ओस्लो एयरपोर्ट पर भी ड्रोन दिखा, हवाई सेवाएं रोकी गईं दूसरी तरफ नॉर्वे की राजधानी ओस्लो के एयरपोर्ट के ऊपर भी एक संदिग्ध ड्रोन के उड़ान भरते देखे जाने की खबरें हैं। नॉर्वे के एयरपोर्ट संचालक एविनोर के मुताबिक, गार्डेमोएन एयरपोर्ट के ऊपर हवाई क्षेत्र को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल ड्रोन की लोकेशन का पता लगाया जा रहा है, हालांकि इसके पायलट का अब तक पता नहीं चल पाया है। बताया गया है कि इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनसे मध्य ओस्लो में प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने के आरोप में पूछताछ जारी है।

अमेरिका ने पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को सजा सुनाने वाले जज की पत्नी पर लगाए प्रतिबंध

साओ पाउलो, एजेंसी। अमेरिका ने ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट के उस जज की पत्नी पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिन्होंने देश के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो के खिलाफ कथित तख्तापलट की साजिश के मामले की जांच की थी। बोल्सोनारो को इसी महीने 27 साल की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा, ट्रंप प्रशासन ने ब्राजील के सॉलिसिटर जनरल जोर्ज मेसियास का भी अमेरिकी वीजा रद्द कर दिया है, जिन्होंने सोशल मीडिया पर फैसले की आलोचना की थी। जस्टिस अलेक्जेंड्रे डे मोराइस की पत्नी विवियाने बार्सी डे मोराइस को अमेरिकी ग्लोबल मैगनिट्स्की एक्ट के तहत प्रतिबंधित किया गया है। यह कानून आमतौर पर मानवाधिकारों का हनन करने वालों के खिलाफ इस्तेमाल होता है। जस्टिस डे मोराइस खुद भी इसी कानून के तहत पहले निशाने पर आ चुके हैं, क्योंकि उन्होंने बोल्सोनारो के खिलाफ जांच की निगरानी की थी। यह ट्रंप प्रशासन की ओर से ब्राजील के खिलाफ की जा रही कार्रवाई की कड़ी में ताजा मामला है। इससे पहले भी ब्राजील के कई अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं और देश के अमेरिकी निर्यात पर टैरिफ पचास फीसदी तक बढ़ा दिए गए हैं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के जज मोराइस के साथ काम करने वाले अन्य कुछ जजों के भी अमेरिकी वीजा रद्द कर दिए गए हैं। हालांकि, इन जजों ने व्यक्तिगत रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है। मोराइस परिवार की

एक होल्डिंग कंपनी पर भी मैगनिट्स्की एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। ट्रंप के हमलों से प्रभावित नहीं होंगी ब्राजील की संस्थाएं÷ जस्टिस डे मोराइस जस्टिस डे मोराइस ने एक बयान में कहा कि ब्राजील की संस्थाएं मजबूत और स्थिर हैं और ट्रंप प्रशासन के हमलों से प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी पर लगाया गया प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून, ब्राजील की संप्रभुता और न्यायपालिका की आजादी पर हमला है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा : वहीं, अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि जस्टिस डे मोराइस ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अदालतों का राजनीतिक हथियार बनाया, बिना मुकदमे के गिरफ्तारी के आदेश दिए और अभिव्यक्ति की आजादी को दबाया। मंत्रालय के बयान में कहा गया, ये प्रतिबंध उन कदमों का हिस्सा हैं, जो ट्रंप प्रशासन ने जस्टिस मोराइस को उनके अधिकारों के दुरुपयोग, राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाने और गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार ठहराने के मकसद से उठाए हैं। पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो पर आरोप है कि उन्होंने साल 2022 में चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश की। हालांकि, उन्होंने अब तक अपील दायर नहीं की है और उन्हें जेल नहीं भेजा गया है। ब्राजील के सॉलिसिटर जनरल मेसियास ने अमेरिकी कार्रवाई को अन्यायपूर्ण बताया और कहा कि वह जिम्मेदारी और मजबूती से अपना काम करना जारी रखेंगे। शुक्रवार को ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्री अलेक्जेंड्रे पादिल्हा ने भी कहा कि वह अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासाभा की बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे, क्योंकि अमेरिका ने उन्हें ऐसा वीजा दिया है, जिसमें देश के अंदर यात्रा पर पाबंदी है।

ऐसी 5 बीमारियां, जिनके कारण डिप्रेशन में आ जाती हैं महिलाएं

महिलाएं अक्सर जिन बीमारियों को चुपचाप सहन करती हैं, इनमें मेनरेजिया (असामान्य रूप से ज्यादा दिनों तक अत्यधिक रक्त स्राव वाला मासिक धर्म), गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन से उपजा माइग्रेन और गर्भाशय में ट्यूमर (फाइब्रॉएड) प्रमुख रूप से शामिल हैं। गर्भाशय के ट्यूमर युवतियों या महिलाओं को किसी भी उम्र में हो सकते हैं। गर्भाशय के ट्यूमर निकालने के लिए अनुष्का को पहले मायोमेक्टॉमी नामक सर्जरी की जरूरत थी और बाद में हिस्टेरेक्टॉमी जैसी सर्जरी की।

मायमेक्टॉमी एक ऐसी सर्जरी है, जिसमें गर्भाशय के ट्यूमर को ऑपरेशन के जरिए निकाला जाता है। हिस्टेरेक्टॉमी एक ऐसा ऑपरेशन है, जिसमें महिला के यूट्रस या गर्भाशय को निकाल दिया जाता है। इस कारण से उनमें भविष्य में मां बनने की संभावना खत्म हो जाती है।

मेनरेजिया

लड़कियों या महिलाओं का जब मासिक धर्म सात या इससे ज्यादा दिन का होता है और जब अक्सर बहुत ज्यादा खून जाता है तो इस हालत को मेनरेजिया कहते हैं। स्त्रियों को मेनरेजिया रोग होने के कई कारण हैं, जिनमें एंडोमेट्रियोसिस, एडेनेमायोसिस और यूट्राइन फाइब्रॉइड शामिल हैं।

एंडोमेट्रियोसिस

एंडोमेट्रियोसिस दर्दनाक विकार है, जिसमें सामान्य रूप से किसी स्त्री के गर्भाशय के अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय के बाहर बढ़ती है और वे गर्भाशय नलियों (फैलोपियन ट्यूब), अंडाशय (ओवरीज) और शरीर के अन्य अंगों पर विकसित होने लगती हैं। डॉक्टर अब तक यह नहीं जानते कि ऐसा क्यों होता है? भारत की 2.5 करोड़ महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं। अंडाशय वह अंग है जहां पर औरत को मां बना सकने वाले अंडे बनते हैं। अंडे वह, जो स्पर्म (शुक्राणु) के साथ मिलकर बच्चा बना सकें।

एडेनोमायोसिस

इसमें गर्भाशय की सबसे अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय की भीतरी दीवार (मायोमेट्रियम) के साथ मिल जाती हैं, जिस कारण से पीरियड्स ज्यादा लंबे और तकलीफदेह हो जाते हैं।

यूट्राइन फाइब्रॉइड

गर्भाशय में पनपने वाले ट्यूमर को यूट्राइन फाइब्रॉइड कहते हैं। गर्भाशय फाइब्रॉइड, गर्भाशय में मांसपेशियों के ऊतकों से गैर-कैंसरजन्य वृद्धि है। कुछ महिलाओं के शरीर में गर्भाशय फाइब्रॉएड क्यों बनते हैं, इसका सटीक कारण मालूम नहीं है। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि शरीर में फाइब्रॉइड पनपने की वजह आनुवांशिक या हार्मोनल असंतुलन हो सकती है। डॉक्टर अक्सर मेनरेजिया और गर्भाशय फाइब्रॉइड दोनों को मैनेज करने के लिए जन्म रोकने वाली दवा-गोलियां देते हैं। इन गोलियों में मौजूद एस्ट्रोजन हार्मोन कुछ महिलाओं को तेज सरदर्द और माइग्रेन दे सकता है। अनुष्का शंकर को भी महीने में तीन से चार बार माइग्रेन होता था।

फाइब्रॉइड और मायोमेक्टोमी

गर्भाशय में मौजूद ट्यूमर को निकालने के लिए जो सर्जिकल प्रोसिजर या ऑपरेशन किए जाते हैं, उन्हें मायोमेक्टॉमी कहते हैं। इस ऑपरेशन के दौरान गर्भाशय को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। अपने ट्वीट में, अनुष्का ने कहा कि 26 साल की उम्र में उनकी एक सफल मायोमेक्टोमी हुई थी। इस ऑपरेशन के बाद उसके दो बेटे पैदा हुए।

ऐसा बहुत कम है, जो हम फाइब्रॉइड के बारे में निश्चित तौर पर कह सकते हैं। पहली बात यो यह है कि शरीर में फाइब्रॉइड कहीं भी दिखाई दे सकते हैं। ये गर्भाशय की बाहरी सतह पर, इसकी दीवार के भीतर, या यह एक छोटे से तंतु के जरिए गर्भाशय की दीवार से जुड़ा होते हैं। फाइब्रॉइड धीरे-धीरे बढ़ सकते हैं या वे कई वर्षों तक छोटे रह सकते हैं और फिर अचानक बढ़ सकते हैं। फाइब्रॉइड की मौजूदगी के लक्षण भी अलग-अलग पेशेंट्स के लिए काफी अलग-अलग हो सकते हैं- बेहद तकलीफदेह पीरियड्स से लेकर रक्त की कमी वाली बीमारी एनीमिया, पीठ के निचले हिस्से में दर्द या तकलीफदेह संभोग जैसी भिन्नताएं देखी जा सकती हैं। हम ऐसी भिन्न स्थितियां बनने के कारणों के बारे में भी कुछ निश्चित कहने की स्थिति में नहीं हैं।

हिस्टेरेक्टॉमी और डिप्रेशन

अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में अनुष्का ने लिखा कि हिस्टेरेक्टॉमी के विचार ने उन्हें शॉर्ट-टर्म डिप्रेशन यानी अल्पकालिक अवसाद की हालत में भेज दिया। इस खबर से मेरे मन में कई किस्म के डर थे। जैसे, अपने स्त्रीत्व को लेकर भय, भविष्य में और बच्चे पैदा करने की मेरी संभावित इच्छा, सर्जरी में मरने का डर, मेरे बच्चों को बिना मां के छोड़ने का भय, मेरी सेक्स लाइफ में बदलाव और असर का भय... और भी बहुत कुछ। शोध आधारित एक अनुमान के अनुसार, हिस्टेरेक्टॉमी के दौरान वैश्विक मृत्यु दर एक प्रतिशत है। आंत्र, मूत्राशय या मूत्रवाहिनी को नुकसान, रक्तस्राव, डिम्बग्रंथि विफलता और संक्रमण जैसी जटिलताओं की आशंका भी बनी रहती है। इस संबंध में प्रजनन संबंधी बीमारियों का सामना कर रही महिलाओं का उनके निदान के बारे में उदास महसूस करना आम है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में ही हिस्टेरेक्टोमी को लेकर ऐसी धारणा है। हमें यह समझना होगा कि यह एक चिकित्सा प्रक्रिया है, जो महिलाओं का जीवन बचा सकती है। महिलाओं पर निश्चित तरीके से रहने और एक निश्चित तरीके से चीजों को देखने के लिए बहुत दबाव है।

रेसिपी

शीर खुरमा

सामग्री

- सेंवई:100 ग्राम
- घी: 1 टेबलस्पून
- दूध: 3 लीटर
- शक्कर: 250 ग्राम
- पिसा हुआ चावल: 10-12 टेबलस्पून
- हरी इलायची के दाने पिसे हुए: 4-5
- 1 कप मिल्क पाउडर
- खारक रातभर पानी में भिगोकर रखे :100 ग्राम
- बादाम बारीक कटे हुए: 50 ग्राम
- किशमिश: 50 ग्राम
- पिस्ता: 50 ग्राम
- नारियल के बारीक कतले: 50 ग्राम
- केवड़ा: 1 टेबलस्पून

विधि

सबसे पहले इलायची पाउडर, चावल के पाउडर और शक्कर को थोड़े से दूध में घोलकर अलग रखे लें। इसके बाद धीमी आंच पर घी गर्म करके उसमें सेंवईयों को सुनहरा भूरा होने तक भूनें। सेंवईयों के भूरा होने पर उसे एक प्लेट में निकालकर अलग रख दें। अब एक बर्तन में दूध उबाल लें। उबलते दूध में इलायची पाउडर, शक्कर और पिसा हुआ चावल डालकर दूध को मध्यम आंच पर गाढ़ा होने तक उबालें हुए बीच-बीच में चलाते रहें। अब इसमें खारक, बादाम, किशमिश, पिस्ता, नारियल और सेंवई डाल दें। सेंवई के नर्म होने तक पकाएं। सेंवईयों के पकने पर उसे आंच से उताकर उसमें केवड़ा की कुछ बूंदे डालकर ड्रायफ्रूट्स से सजाकर मेहमानों को सर्व करें।

बूंदी के लड्डू

सामग्री

- दरदरा पिसा हुआ बेसन: 3 कटोरी
- चीनी: 2 कटोरी
- इलायची पाउडर: 1 छोटा चम्मच
- केसर: 5-6 लच्छे
- मीठा पीला रंग: चुटकी भर
- दूध: पाव कप
- तलने के लिए देसी घी

विधि

बूंदी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले बेसन को छानकर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिला लें। अब इसमें पानी डालकर इसका घोल तैयार कर लें। अब एक बर्तन में पानी और चीनी डालकर उसकी एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसलकर डाल दें। थोड़ी देर बाद इसमें पिसी इलायची मिला दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की चलनी की सहायता से सारे घोल की धीरे-धीरे करके बूंदी बनाते जाएं। अब इस बूंदी को चाशनी में डाल दें। जब बूंदी पूरी तरह चाशनी पी लें, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगाकर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डूओं से भोग लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2597

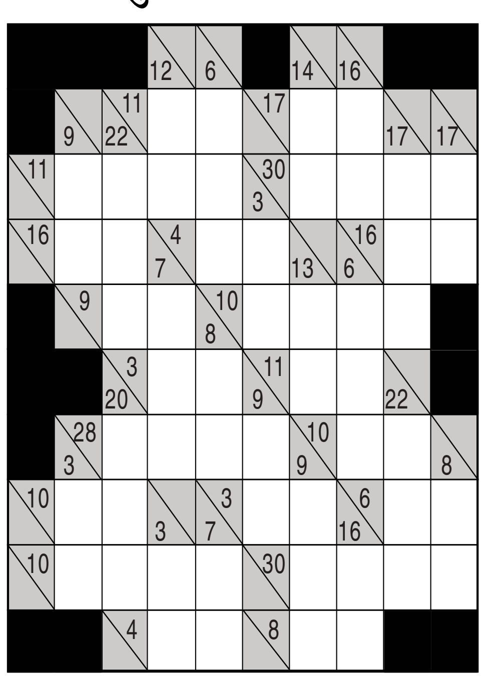

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

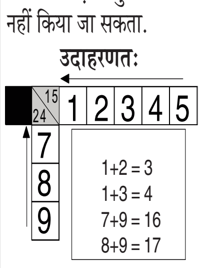

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2596 का हल

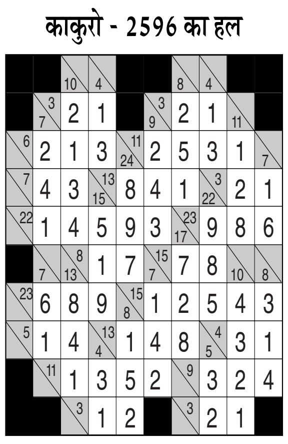

लॉफिंग ज़ोन

जज (शराबी से)- 'एक ही बैठक में तुम पूरी दो बोतल शराब पी गए. ऐसी भी क्या मजबूरी थी?'

शराबी (जज से)- 'मेरे सामने और कोई रास्ता नहीं था. दोनो बोतलों के ढ्क्कन गुम हो गए थे.'

☺ ☺ ☺

चुनाव का मौसम चल रहा था. लोग जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे. अचानक थोड़ी देर में वही लोग मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे. इस परिवर्तन ने पत्रकार का ध्यान खीचा. उसने नारा लगाने वाले एक व्यक्ति से पूछा- भाई साहब अभी तो आप लोग सब जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे अब मुर्दाबाद के नारे क्यों लगाने लगे.

व्यक्ति (पत्रकार से)- साहब जी उन्होंने जिन्दाबाद चिल्लाने के लिए सिर्फ पंद्रह मिनट के लिए पैसे दिये थे और अब सोलह मिनट हो गये हैं.

☺ ☺ ☺

मच्छरों की मनमानी से परेशान होकर एक महिला कैमिस्ट की दुकान पर गयी और बोली, 'आजकल मच्छर बहुत हो गये है, मच्छरों के काटने से मेरे बच्चे बहुत परेशान हैं, कोई दवाई दे दीजिए.' कैमिस्ट ने तेल की छोटी शीशी दे दी.

महिला ने तुरंत पूछा, 'यह बच्चों को लगानी है या मच्छरों को.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2597

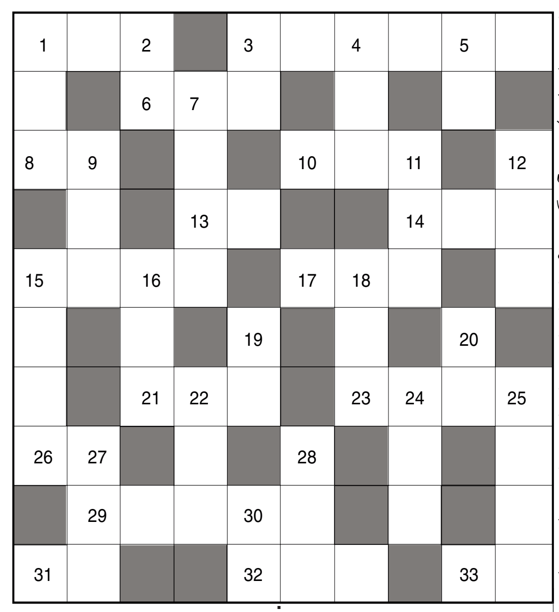

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2596

घा	त		स	फ	र		आ	क्रो	श
य			फा		ह	मे	शा		
ल	व	स्टो	री		मा	ला		अं	
	ही			आ	न		आ	जा	द
अं	दा	ज		ई		सं	ग	म	
गा		या	रा	ना		सा			खु
रे	खा		ज		स	र	फ	रो	श
	मो			सु	र		रा		बू
आ	शी	र्वा	द		ग	द	र		
र्मी			स	न	म			यु	वा

सूडोकु -2597

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2596 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 2597

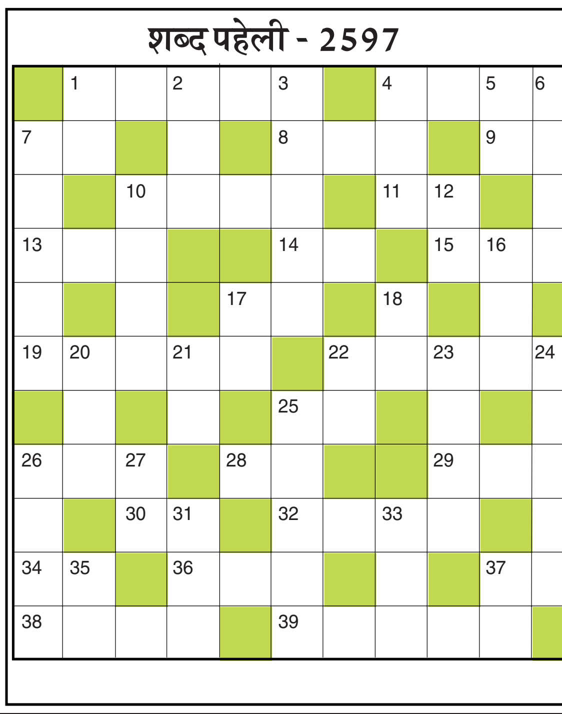

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्ट्रीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -2596 का हल

आ	स		म	न		रा	ख		फां	श
म	न	न		शा	न		र	न		क
	म	क	र		त	न		र	म	
का		ल	ह	जा		भ	ला		द	म
या	क		ना	ति	न		वा	द		र्ज
	र	वा		य	म	ज		म	जा	
न		दा	स		क	त	रा		र	मा
व	न		ही	ना		न	ज	र		ला
	ल	त		ज	रा		न	म	न	
का		न	शा		त	र		ल	क	वा
ल	क्ष्य		क	र्ज		थ	ल		ल	त

प्रधानमंत्री बिहार की 75 लाख महिलाओं के खाते में भेजेंगे 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' योजना की राशि

एजेंसी

पटना। केंद्र सरकार ने बिहार की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी कदम उठाया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत प्रत्येक परिवार की एक पात्र महिला को स्वरोजगार के लिए 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। योजना की विधिवत शुरुआत 26 सितंबर (शुक्रवार) को होने जा रही है। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऑनलाइन जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। इसमें राज्य की 75 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) सीधे स्थानांतरण किए जाएंगे। इन महिलाओं के बीच 7500 (साढ़े सात हजार करोड़) रुपये का वितरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम को आयोजित करने को लेकर ग्रामीण विकास विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) को पत्र जारी किया है। इसमें खासतौर से यह निर्देश दिया गया है कि इस मौके पर संकुल स्तरीय संघ ग्राम संगठन स्तर पर इसे उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए अब तक शहरी और ग्रामीण इलाकों की 1 करोड़ 11 लाख 66 हजार महिलाओं ने आवेदन किया है।

मनीष तिवारी और अमित मालवीय एक्स पर आमने-सामने

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी के दक्षिण और पूर्वी एशिया में वंशवादी नेतृत्व के खिलाफ बढ़ते जन-विरोध पर बयान ने नया सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने तिवारी के बयान को राहुल गांधी से जोड़ दिया। मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दक्षिण और पूर्वी एशिया में जनरेशन एक्स, वाई और जेड अब हकदारी को स्वीकार नहीं कर रहे। उन्होंने श्रीलंका में जुलाई 2023 में गोटाबाया राजपक्षे, बांग्लादेश में जुलाई 2024 में शेख हसीना, नेपाल में मौजूदा सितंबर में केपी शर्मा ओली और फिलीपींस में फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए 'नेपो किड्स' और 'ट्रिलियन पेसो मार्च' का जिक्र किया। तिवारी ने कहा कि सोशल मीडिया ने वंशवादी नेतृत्व को गिरा दिया है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने तिवारी की पोस्ट का जवाब देते हुए इसे कांग्रेस के भीतर बगावत बताई। मालवीय ने लिखा, जनरेशन जेड तो दूर, कांग्रेस के अपने दिग्गज भी राहुल गांधी की पिछड़ी राजनीति से तंग आ चुके हैं। जी-23 बागी गुट के मनीष तिवारी का यह बयान भारत के सबसे बड़े 'नेपो किड' पर सीधा निशाना है।

एनएचआरसी ने दिल्ली के अस्पताल के शौचालय में नवजात की मौत पर लिया स्वतः संज्ञान, रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने दिल्ली के आईएचबीएएस अस्पताल में एक नवजात की मौत के मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस संबंध में दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर दो हफ्ते के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।एनएचआरसी के मुताबिक, मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर इस मामले में कार्रवाई की जा रही है। मामला 10 सितंबर का है, जिसमें एक मानसिक रूप से बीमार महिला ने अस्पताल के शौचालय में बच्चे को जन्म दिया। महिला को अदालत के आदेश पर 7 सितंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में प्रसव के लिए जरूरी सुविधाएं नहीं थीं। गर्भनाल काटने में भी काफी देर हुई और फिर बच्चे को पास के स्वामी दयानंद अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। आयोग ने कहा है कि अगर यह मीडिया रिपोर्ट्स सही हैं तो यह मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला बनता है। फिलहाल महिला का इलाज दिल्ली के ही एक दूसरे सरकारी अस्पताल में चल रहा है।

गुजरात और उत्तर प्रदेश में उपज खरीदी के लिए केंद्र ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने खरीफ 2025-26 के लिए उत्तर प्रदेश और गुजरात में प्रमुख दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीद को स्वीकृति दी है। इसके साथ किसानों से उड़द व तूर की शत-प्रतिशत खरीद के लिए मंत्रालय ने मंजूरी दी है, वहीं उत्तर प्रदेश में मूंग, तिल, मूंगफली तथा गुजरात में सोयाबीन, मूंग व मूंगफली भी खरीदने की अनुमति प्रदान की है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को वर्चुअल बैठक में उप्र के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही तथा गुजरात के कृषि मंत्री राघवजी पटेल शामिल थे। वहीं केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी तथा केंद्र व दोनों राज्य सरकारों के वरिष्ठ कृषि अधिकारी भी बैठक में सम्मिलित हुए। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी, डिजिटल व सुचारू रूप से की जाएं, जिस पर दोनों राज्यों के कृषि मंत्रियों ने कहा कि उपज खरीद आधुनिक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण व पीओएस मशीन व्यवस्था के साथ डिजिटल पोर्टलों के जरिए होगी। बैठक में उत्तर प्रदेश के प्रस्ताव पर चर्चा के बाद शिवराज सिंह ने राज्य में उड़द 2 लाख 27 हजार 860 मीट्रिक टन (100 प्रतिशत) खरीद को स्वीकृति प्रदान की, जिसका मूल्य 1777.30 करोड़ रुपये रहेगा। तूर की भी शत-प्रतिशत 1,13,780 मीट्रिक टन खरीद के लिए केंद्र की ओर से शिवराज ने मंजूरी दी है, जिसकी कीमत 910.24 करोड़ रु. रहेगी।

केंद्र सरकार मेदाराम जतरा महोत्सव को राष्ट्रीय दर्जा दे और इसके लिए धन मुहैया करवाए: रेवंत रेड्डी

एजेंसी

मेदारम। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार आदिवासियों के कल्याण के लिए काम कर रही है। मुलुगु जिले के मेदाराम स्थित सम्मक्का-सरलम्मा माता मंदिर का दौरा करने के बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ मंदिर के विकास कार्यों की समीक्षा की। मेदाराम जतारा (मुख्य रूप से कोया जनजाति द्वारा मनाया जाता है) विश्व की सबसे बड़ी जनजातीय धार्मिक मंडली है, जिसे द्वि-वार्षिक (दो वर्ष में एक बार) रूप से आयोजित किया जाता है, जिसमें मेदाराम में 'माघ' (फरवरी) माह में पूर्णिमा के दिन इस चार दिवसीय महोत्सव पर लगभग एक करोड़ लोग एकत्रित होते हैं। सम्मक्का-सरलाम्मा जतरा या मेदरम जतारा भारत के तेलंगाना राज्य में मनाया जाने वाला देवी-देवताओं के सम्मान का त्योहार है। यह जतारा दुनिया के सबसे बड़े जनसमूहों में से एक है। जतारा

जयशंकर भूपलपल्ली जिले के ताड़वई मंडल के मेदाराम से शुरू होता है। जम्पन्ना वागु, गोदावरी नदी की एक सहायक नदी है, जिसका नाम आदिवासी योद्धा जम्पन्ना के नाम पर रखा गया, जो काकतीय सेना के विरुद्ध युद्ध में उनके रक्त से लाल हो गई थी। जिला प्रशासन के अधिकारियों और मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार की ओर से आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मंदिर का विकास एक भावनात्मक जिम्मेदारी है। उन्हें और महिला कल्याण मंत्री सीतक्का को इन कार्यों का सौभाग्य प्राप्त है।उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार कुंभ मेले के लिए उत्तर प्रदेश के राज्य सरकार को हजारों करोड़ रुपये दिए। उन्होंने सवाल किया कि आदिवासियों के कुंभ मेले 'मेदारम जतारा' को धन क्यों नहीं दिया गया। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार इस महोत्सव को राष्ट्रीय दर्जा दे और इसके लिए धन मुहैया कराए। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि सम्मक्का-सरलम्मा के आशीर्वाद से, मैंने 6 फरवरी, 2023 को यहां से पदयात्रा शुरू की। तेलंगाना पर आई बुराइयों से मुक्ति पाने के लिए हमने इस भूमि पर कदम रखा है। उस समय के शासकों ने सम्क्क-सरलम्मा मंदिर के विकास में भेदभाव किया था, लेकिन हमारी सरकार करोड़ों रुपये मंजूर करने को तैयार है। हम इसमें आदिवासियों, पुजारियों और पारंपरिक परिवारों को भागीदार बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर को जयंती पर श्रद्धांजलि दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और भारतीय साहित्य एवं राष्ट्रीय चेतना में उनके शाश्वत योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपने संदेश में कहा, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। उनकी कविताएं बिहार के साथ-साथ देशभर के लोगों में राष्ट्रभक्ति की अद्भुत भावनाएं भरती आई हैं। उनकी कई पंक्तियां आज भी जनमानस में रची-बसी हैं। वीरता और मानवता से ओतप्रोत उनकी ओजस्वी और कालजयी रचनाएं हर पीढ़ी को मां भारती की सेवा में समर्पित रहने के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि रामधारी सिंह दिनकर (1908-1974) को 'राष्ट्रकवि' की उपाधि उनके ओजस्वी काव्य और राष्ट्रीय चेतना को प्रज्वलित करने वाली रचनाओं के लिए मिली थी। वे स्वतंत्रता संग्राम के दौरान युवाओं में ऊर्जा और जोश भरने वाले कवि रहे। दिनकर की रचनाओं में 'उर्वशी', 'परशुराम की प्रतीक्षा', 'संस्कृति के चार अध्याय' और 'रश्मिरथी' विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। उन्हें 1959 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और 1972 में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वे राज्यसभा के सदस्य भी रहे और भारतीय समाज में सांस्कृतिक चेतना के प्रबल प्रवक्ता बने।

फगवाड़ा साइबर धोखाधड़ी मामला : 2.05 करोड़ की हवाला मनी के साथ एक और आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़/कपूरथला। फगवाड़ा में बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट के हाल ही में हुए भंडाफोड़ के बाद अहम कार्रवाई के तहत कपूरथला पुलिस ने लुधियाना से एक और आरोपित को 2.05 करोड़ रुपये हवाला राशि के साथ गिरफ्तार किया। इसके साथ गिरफ्तारियों की संख्या अब 39 हो गई है और इस मामले में बरामद कुल राशि 2.15 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यह जानकारी आज पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए आरोपित की पहचान पवन के रूप में हुई है, जो राजस्थान के बीकानेर का निवासी है।जानकारी अनुसार, कपूरथला पुलिस ने फगवाड़ा में 38 व्यक्तियों को 40 लैपटॉप, 67 मोबाइल और 10,000 की नकदी समेत गिरफ्तार कर एक बड़े साइबर धोखाधड़ी रैकेट का पर्दाफाश किया था। यह मॉड्यूल सॉफ्टवेयर सेवाएं प्रदान करने की आड़ में अमेरिका और कनाडा के लोगों को निशाना बनाता था।डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि पुलिस टीमों ने लुधियाना स्थित एक हवाला ऑपरेटर पर भी कड़ी नजर है और उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। शुरुआती जांच से पता चला है कि लेन-देन मुख्य रूप से बिटकॉइन के माध्यम से किया जाता था और हवाला चैनलों का भी इस्तेमाल होता था।डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने के लिए और जांच जारी है, ताकि संबंधित नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कपूरथला गौरव तूरा ने कहा कि मामले की तकनीकी जांच के दौरान पुलिस टीमों को इस रैकेट में लुधियाना के व्यक्ति की संलिप्तता का पता चला।इस पर तेजी से कार्रवाई करते हुए, एसपी इन्वेस्टिगेशन प्रभजोत सिंह विर्क की देखरेख और डीएसपी डिटेक्टिव परमिंदर सिंह, सीआईए

इंचार्ज जरनैल सिंह तथा साइबर क्राइम थाना प्रभारी अमनदीप कौर की अगुवाई में पुलिस टीमों ने लुधियाना में हवाला ऑपरेटर के घर पर छापा मारा। वहां उसके सहायक पवन को 2.05 करोड़ रुपये नकदी के साथ मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।एसएसपी ने बताया कि यह गिरोह एक स्थानीय व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा रहा था, जिसकी पहचान अमरिंदर सिंह उर्फ साबी टोहरी के रूप में हुई है। उसने फगवाड़ा में इमारत किराए पर ले रखी थी और वह दिल्ली के सूरज से जुड़ा हुआ था, जो आगे कोलकाता के शेन नामक संदिग्ध से संबंधित है।

राष्ट्रपति 25 को मथुरा वृंदावन में करेंगी दर्शन, डीजीपी और अपर मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण

एजेंसी

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मथुरा दौरे की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा और अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार मथुरा पहुंचे और श्रीकृष्ण जन्मभूमि और श्रीकुब्जा कृष्ण मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद शाम को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राष्ट्रपति मुर्मु का 25 सितंबर को मथुरा का दौरा प्रस्तावित है। वे वृंदावन में श्रीबांकेबिहारी मंदिर, निधिवन और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि के अलावा अंतापाड़ा स्थित कुब्जा-श्रीकृष्ण मंदिर में दर्शन करेंगी। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी उनके दौरे से पूर्व तैयारियों में जुटा है। वृंदावन से लेकर मथुरा शहर तक सुरक्षा व्यवस्था के लिए समीक्षा की जा रही हैं। अंतापाड़ा के उपेक्षित पड़े कुब्जा श्रीकृष्ण मंदिर में राष्ट्रपति के दर्शन कार्यक्रम को लेकर सबसे ज्यादा दिक्कतें आ रही हैं। राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर इलाके में साफ-सफाई की जा रही है। राष्ट्रपति के श्रीकृष्ण जन्मभूमि से कुब्जा श्रीकृष्ण मंदिर तक पहुंचने का रूट भी फाइनल नहीं किया गया है। मंगलवार को डीजीपी राजीव कृष्ण और अपर मुख्य सचिव

दीपक कुमार ने इलाके का निरीक्षण किया। सुरक्षा व्यवस्था का मौका-मुआयना करने पहुंचे उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने पत्रकारों से कहा कि मैं यहां 25 सितंबर को प्रस्तावित राष्ट्रपति की एक दिवसीय यात्रा के मद्देनजर उन स्थानों की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए आया हूं, जहां वह भ्रमण के लिए जाएंगी।' वृन्दावन में बंदरों से दर्शनार्थियों को हो रही परेशानी संबंधी सवाल पर डीजीपी ने कहा कि राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल के मद्देनजर जिला प्रशासन ने हाल में इस समस्या से निपटने के लिए कदम उठाए हैं। हालांकि, यह एक पुरानी समस्या है, इसलिए जिला प्रशासन के स्तर पर क्या किया जा रहा है, इसकी जानकारी जिलाधिकारी ही देंगे।' उन्होंने शाम को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ, मण्डलायुक्त शैलेन्द्र कुमार सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षकशैलेश कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार मौजूद रहे।

मप्र: मोहासा-बाबई प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर और मेक इन इंडिया के विजन को करेगा साकार

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से केन्द्र सरकार द्वारा नर्मदापुरम जिले के औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई को 'ग्रीन फील्ड मैन्युफैक्चरिंग जोन फॉर पॉवर एवं रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट' की ऐतिहासिक सौगात मिली है। इससे विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के निर्माण में आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया की परिकल्पना को मूर्त रूप दिया जा सकेगा। भारत सरकार की इस पहल से मध्य प्रदेश न केवल इस क्षेत्र में अग्रणी बनेगा, बल्कि निवेश और रोजगार सृजन के नए अवसर सृजित होंगे। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई फेज-1 की 1678 एकड़ विकसित भूमि में से 884 एकड़ भूमि पर विद्युत एवं नवकरणीय ऊर्जा

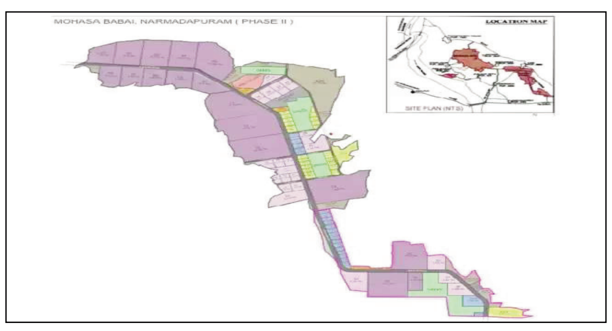

उपकरणों का विनिर्माण क्षेत्र विकसित किया गया है। इकाइयों को उद्योग संवर्धन नीति 2014 (संशोधित) के अतिरिक्त अनेक विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं। इन प्रोत्साहनों में पाँच वर्षों तक रियायती दरों पर बिजली की आपूर्ति, विद्युत शुल्क की प्रतिपूर्ति, पानी की आपूर्ति मात्र 25 रुपये प्रति किलोलीटर की दर पर, भूमि संबंधी सभी शुल्कों में राहत, न्यूनतम विकास शुल्क तथा प्रतीकात्मक राशि पर भूमि आवंटन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा आमंत्रित एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट के तहत 29 निवेशकों से आवेदन प्राप्त हुए। विस्तृत परीक्षण और चर्चा के बाद 22 इकाइयों को 514.50 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इन इकाइयों से 17,750 करोड़ रुपये के निवेश और 21,777 लोगों के लिए रोजगार का सृजन प्रस्तावित है। वर्तमान में 6 वृहद इकाइयां मेसर्स यू एनर्जी प्रा.लि., मेसर्स लेण्डसमिल रिन्यूएबल्स प्रा.लि., मेसर्स लेण्डसमिल ग्रीन एनर्जी प्रा.लि., मेसर्स लेण्डसमिल ग्रीन इंडस्ट्रीज प्रा.लि., मेसर्स इन्सोलेशन ग्रीन एनर्जी प्रा.लि., मेसर्स रेज ग्रीन एनर्जी मैन्युफैक्चरिंग प्रा.लि. सहित दो एमएसएमई इकाइयां मेसर्स सनकोसा एनर्जी प्रा.लि. एवं मेसर्स एक्लेक्टिक डिज़ाइन अपने भूखण्डों पर तेजी से निर्माण कार्य कर रही हैं।

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना में डीसीसी अध्यक्षों के चयन के लिए 69 प्रेक्षकों की नियुक्ति की

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों के चयन के लिए कुल 69 प्रेक्षकों की नियुक्ति की है। पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह कदम संगठन सृजन अभियान के तहत उठाया गया है।छत्तीसगढ़ में 17, राजस्थान में 30 और तेलंगाना में 22 प्रेक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये प्रेक्षक जिला कांग्रेस अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया की निगरानी करेंगे और अपनी रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को सौंपेंगे। छत्तीसगढ़ में नियुक्त प्रेक्षकों में सप्तगिरि उलाका, अजय कुमार लल्लू, सुबोध कांत सहाय, उमंग सिंगार, आर.सी. खुंटिया, राजेश ठाकुर, विवेक बंसल, डॉ. नितिन राउत, श्यामकुमार बर्वे, प्रफुल्ल गुडधे, चरण सिंह सापरा, विकास ठाकरे, हिना कावरे, रीता चौधरी, रिहाना रियाज चिश्ती, अजमतुल्ला हुसैनी और सीताराम लाम्बा शामिल हैं। राजस्थान के लिए नियुक्त प्रेक्षकों में विजय इंदर सिंगला, लालजी देसाई, गिदुगु रुद्र राजू, विकार रसूल वानी, यशोमति ठाकुर, यशपाल आर्य, भरत सिंह सोलंकी, कुलजीत सिंह नागरा, डॉ. अमी याज्ञनिक, अनिल चौधरी, सुभाष चोपड़ा, अशोक तंवर, परेश धनानी, राजेश तिवारी, सुखदेव भगत, सलीम अहमद, राजेश कच्छाप, राजेश लिलोठिया, अनिल भारद्वाज, रोहित चौधरी, गीता भुक्कल, कैप्टन प्रवीण डावर, केवल सिंह पठानिया, विमल चूड़ासमा, जेट्टी कुसुम कुमार, अमित सिहाग, ममता देवी, सुखदेव पांसे, अमित विज और शकीर सनादी शामिल हैं।

दिल्ली के मौलाना आज़ाद कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज में खुला सेंट्रल टिश्यू बैंक और डीडीसी का कार्यालय

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने यहां के मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज में दिल्ली डेंटल काउंसिल (डीडीसी) के नए अत्याधुनिक कार्यालय और सेंट्रल टिश्यू बैंक का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इन नई सुविधाओं के साथ दिल्ली ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र के साथ ही दंत शिक्षा के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित कर लिया है। पूरी तरह से डिजिटल और कैशलेस डीडीसी कार्यालय दंत चिकित्सकों के लिए पारदर्शिता के साथ दक्षता को भी सुनिश्चित करेगा, तो वहीं मेड्स में खुला सेंट्रल टिश्यू बैंक दांत के मरीजों को सस्ती और सुलभ देखभाल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

दिल्ली डेंटल काउंसिल राजधानी दिल्ली में दंत चिकित्सकों के पंजीकरण, नवीनीकरण और कामकाज की निगरानी का काम करती है। डीडीसी अब पूरी तरह से डिजिटल और कैशलेस वी-ऑफिस प्रणाली लेकर आई है। इस पहल के साथ ही डीडीसी देश का

पहला ऐसा राज्य डेंटल काउंसिल बन गया है, जहां पंजीकरण, नवीनीकरण और अन्य सारी सुविधाएं भी ऑनलाइन तरीके से तय समयसीमा के भीतर उपलब्ध होंगी। इसी के साथ मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज के पेरिओडोंटोलॉजी विभाग में स्थापित सेंट्रल टिश्यू बैंक का भी उद्घाटित किया गया। इस सुविधा के शुरू होने से अब ऐसे मरीज जिनको भविष्य में टिश्यू या बोन ग्राफ्ट की जरूरत होती है वह सीधे संस्थान से ही इसे प्राप्त कर सकेंगे। यह देश के किसी भी डेंटल संस्थान में स्थापित पहला सेंट्रल टिश्यू बैंक है, जो दंत चिकित्सा सेवाओं को बेहद सुलभ एवं किफायती बनाएगा।

छत्तीसगढ़ में करोड़ों के शराब घोटाले में आरोपित बनाये गए 28 अधिकारियों को मिली अग्रिम जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में आरोपित बनाए गए 28 अधिकारी आज आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की विशेष अदालत में पेश हुए। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के मुताबिक सभी अधिकारी अग्रिम जमानत के कागजात लेकर जमानतदारों के साथ मंगलवार को अदालत पहुंचे थे। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने इन्हें गिरफ्तारी से राहत देते हुए अग्रिम जमानत दी थी। अदालत में 1-1 लाख रुपये का जमानत पट्टा जमा करने पर सभी को जमानत दे दी गई। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में 32 सौ करोड़ रुपये का शराब घोटाला हुआ। इस मामले में आबकारी विभाग से जुड़े 28 अफसरों को ईओडब्ल्यू ने आरोपित बनाया और उसके खिलाफ चालान पेश किया था। इन पर 2019 से 2023 के बीच 90 करोड़ रुपये की अवैध वसूली करने का आरोप है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से 18 अगस्त को अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने पर सभी आरोपितों ने उच्चतम न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी।

नक्सल संगठन के केंद्रीय समिति के मारे गए दो सदस्य 2.16 करोड़ के इनामी थे : सुंदरराज पी.

एजेंसी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के आईजी सुंदरराज पी. ने नारायणपुर में बताया कि 2.16 करोड़ रुपये के इनामी दो नक्सली मारे गए हैं। ये दोनों नक्सली केंद्रीय समिति सदस्य थे। सोमवार को इन दोनों को सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में मार गिराया था। आज नारायणपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में बस्तर संभाग के आईजी सुंदरराज ने बताया कि छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के महाराष्ट्र सीमा क्षेत्र में कट्टा रामचंद्र रेड्डी और कादरी सत्यनारायण रेड्डी सहित दर्जनों नक्सलियों के गतिविधि की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सोमवार को फरसबेड़ा और तोयमेटा के जंगल पहाड़ के पास नक्सलियों ने पुलिस दल पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बल के जवानों ने जवाबी कार्यवाही में कुछ नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 माओवादी के शव सहित मुठभेड़ स्थल से 1 एके-47 राइफल, 1 इंसास राइफल और 1 बीजीएल लॉन्चर सहित भारी मात्रा में विस्फोटक, माओवादी साहित्य एवं अन्य सामग्री बरामद किया गया है। मारे गये दोनों नक्सलियों की पहचान 1.8 करोड़-1.8 करोड़ रुपये के इनामी केंद्रीय समिति सदस्य राजू

दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी उर्फ गुड़सा उसेंडी उर्फ विजय उर्फ विकल्प और कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी उर्फ गोपन्ना उर्फ बुचन्ना के रूप में हुई है। नक्सलियों के केंद्रीय समिति के दोनों सदस्य राजू दादा और कोसा दादा पिछले तीन दशकों से दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति में सक्रिय थे और अनेक हिंसक घटनाओं के मास्टरमाइंड रहे हैं, जिनमें कई जवान बलिदान हुए और निर्दोष नागरिकों की जानें गईं। इसके लिए जिम्मेदार सीपीआई (माओवादी) केंद्रीय समिति सदस्य राजू दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी ढेर कर दिया गया है। महराबेड़ा में सीआरपीएफ 27 जवान, बुकिनतोर ब्लास्ट 4 जवान और जोनागुडेम व टेकलगुडा में 44 जवानों के नरसंहार करने सहित छत्तीसगढ़ में 16,आंध्र प्रदेश में 2, तेलंगाना मे 4 और महाराष्ट्र में 5 कुल 27 अपराध में मुख्य आरोपित सीपीआई (माओवादी) केंद्रीय समिति सदस्य कोसा दादा उर्फ कादरी सत्यनारायण रेड्डी को भी मार गिराया गया है। वह कच्चापाल जनअदालत में 6 ग्रामीणों की हत्या, गढ़चिरौली के मरकाटोला में 17 जवान, मदानवाड़ा एंबुश में तत्कालीन एसपी सहित 27 जवान और ईरपानार एंबुश में 4 जवानों की नरसंहार तथा सुकमा कलेक्टर का अपहरण सहित छत्तीसगढ़ में 6 ,महाराष्ट्र में 48, आंध्र प्रदेश में 2, तेलंगाना मे 6, कुल 62 अपराध में मुख्य आरोपित था। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने कहा किभारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप एवं क्षेत्र की जनता की इच्छा अनुसार प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन की खात्मे की दिशा में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा माओवादी विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, सुरक्षा बलों ने माओवादियों के सशस्त्र दस्तों और उनके ईको सिस्टम तंत्र को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे उनके प्रभाव क्षेत्र में महत्वपूर्ण कमी आई है। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ लगभग 5000 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है, जो नारायणपुर, बीजापुर, कांकेर और दंतेवाड़ा जिलों में स्थित है।

रेलवे ने पंजाब को दी बड़ी सौगात, राजपुरा-मोहाली नई रेल लाइन बनेगी, वंदे भारत एक्सप्रेस चलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे ने पंजाब में राजपुरा से मोहाली तक 18 किलोमीटर की एक नयी रेल लाइन बिछाने तथा फिरोजपुर छावनी और दिल्ली के बीच एक नयी वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवा शुरू करने की आज घोषणा की। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने मंगलवार को यहां रेल भवन में घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पंजाब को रेलवे क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात मिली है। सरकार ने राजपुरा-मोहाली नई रेल लाइन को मंजूरी देने और फिरोजपुर कैंट-दिल्ली मार्ग पर नई वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की मंजूरी दी है। रेलमंत्री ने बताया कि करीब 443 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह 18 किलोमीटर लंबी रेल लाइन पंजाब की 50 वर्ष पुरानी मांग को पूरा करेगी। इससे मालवा क्षेत्र के सभी 13 जिलों को राज्य की राजधानी चंडीगढ़ से सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। अब तक लुधियाना से चंडीगढ़ पहुंचने के लिए अंबाला होकर जाना पड़ता था, जिससे लगभग 66 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी। नई लाइन से इस दूरी और समय दोनों की बचत होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना के लिए सबसे कम कृषि भूमि अधिग्रहण की जरूरत होगी, जिससे किसानों पर न्यूनतम असर पड़ेगा। इससे औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों की आवाजाही तेज होगी, राजपुरा तापविद्युत संयंत्र जैसी इकाइयों को परिवहन में राहत मिलेगी और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यह मार्ग गुरुद्वारा फतेहगढ़ साहिब, शेख अहमद सिरहिंदी की दरगाह और संगोल संग्रहालय जैसे स्थलों को भी जोड़ेगा।वैष्णव ने कहा कि नई वंदे भारत एक्सप्रेस फिरोजपुर कैंट-भटिंडा-पटियाला होते हुए दिल्ली तक चलेगी। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन (बुधवार को छोड़कर) 486 किलोमीटर की दूरी 6 घंटे 40 मिनट में पूरी करेगी। रेल मंत्री ने बताया कि 2009-14 में पंजाब के लिए औसतन 225 करोड़ रुपये सालाना निवेश होता था, जबकि 2025-26 में यह बढ़कर 5,421 करोड़ रुपये हो गया है।

भारत और बांग्लादेश के बीच आज सुपर फोर में होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश की टीमें बुधवार को एशिया कप 2025 के सुपर 4 में आमने-सामने होंगी। दोनो ही टीमों ने सुपर फोर का अपना पहला मैच जीता है। ऐसे में अब इनका लक्ष्य इस मैच को भी जीतकर फाइनल में जगह बनाना रहेगा। भारतीय टीम ने जहां पाकिस्तान को, वहीं बांग्लादेश ने श्रीलंका को हराया है। भारतीय टीम ने अपने सभी लीग मैच आसानी से जीते हैं। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है हालांकि इसके बाद भी वह बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के स्पिनरों पर नजरें रहेंगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो ये मुकाबला एकतरफा रहेगा। दोनों ही टीमों के बीच अब तक 17 टी20 मैच खेले गए हैं। इनमें से बांग्लादेश एक ही मैच जीता है।

बांग्लादेशी टीम भारत के सामने काफी कमजोर नजर आती है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की टीम के लिए ये मैच जीतना कठिन नहीं होगा हालांकि बांग्लादेश के स्पिनर बेहतर प्रदर्शन करके बाजी उल्ट सकते हैं। जहां तक बल्लेबाजी की बात है। उसमें भी भारतीय टीम कहीं आगे है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को रोकना बांग्लादेशी गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन होगा। इसके अलावा शुभमन गिल भी अच्छे फार्म में हैं। बांग्लादेश की बल्लेबाजी कप्तान लिटन दास और तौहीद ह्र्दय पर निर्भर रहेगी।

बांग्लादेश टीम इस मैच में पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। उसका लक्ष्य भारत को कम स्कोर पर रोककर लक्ष्य का पीछा करना रहेगा। भारतीय बल्लेबाजो विशेषकर तिलक वर्मा और संजू सैमसन को बांग्लादेशी

स्पिनरों से सावधान रहना होगा। ये दोनों चौथे या पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं और ऐसे में स्पिनरों का अधिक सामना करना होता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

बांग्लादेश- लिटन दास (कप्तान, विकेटकीपर), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद ह्रदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, नुरुल हसन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी के सामने पेश हुए पूर्व क्रिकेटर युवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने आज पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े एक मामले में पूछताछ की है। ईडी ने धन शोधन के मामले में युवराज को पूछताछ के लिए कार्यालय में पेश होने को कहा था। युवराज दोपहर बारह बजे एजेंसी के दफ्तर पहुंचे। इससे पहले इसी मामले को लेकर सुरेश रैना, शिखर धवन ,रोबिन उत्थाप्पा सहित कुछ अन्य पूर्व क्रिकेटरों से भी पूछताछ हुई थी। युवराज समेत कई क्रिकेटर और फिल्मी सितारे इस इस ऐप का प्रचार कर रहे थे। इसी कारण कई फिल्मी सितारों से भी पूछताछ हुई है। वहीं सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि धन शोधन निरोधक अधिनियम के तहत युवराज के उनके बयान दर्ज किये। इसके अलावा पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमि चक्रवर्ती, अभिनेता अंकुश हाजरा से भी पूछताछ हुई है। अभिनेता सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

ईडी ऐसे सट्टेबाजी ऐप और प्लेटफार्म के खिलाफ व्यापक जांच कर रही है जिनपर करोड़ों रुपये की ठगी करने और कथित तौर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों की भारी मात्रा में चोरी करने के आरोप हैं। इस जांच के तहत आने वाले दिनों में एजेंसी कुछ अन्य खिलाड़ियों, फिल्म अभिनेताओं, ऑनलाइन प्रभावशाली व्यक्तियों और मशहूर हस्तियों को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है। अब तक करीब आधा दर्जन बड़ी हस्तियों से ईडी ने पूछताछ की है।

फरहान और रउफ पर प्रतिबंध लगा सकती है आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर फोर मुकाबले में करारी हार के बाद अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक और झटका लग सकता है। इस मैच में भड़काउ जश्न के लिए उसके दो खिलाड़ियों साहिबजादा फ़रहान और हैरिस रउफ पर आईसीसी कड़ी कार्रवाई कर सकती है। इसके तहत इनपर भारी जुर्माना लगाने के अलावा प्रतिबंध भी लग सकता है। इन दोनो ही ही शिकायत आईसीसी से की गयी है। मैच रैफरी ने इसमें भारतीय टीम से सभी प्रकार के साक्ष्य रखने को कहा है। उसी के आधार पर आईपीसी सजा का फैसला करेगी। इस मैच में पाक सलामी बल्लेबाज फ़रहान ने अर्धशतक लगाने के बाद 'बंदूक से गोलीबारी' के स्टाइल में जश्न मनाया। इससे एक प्रकार से वह क्रिकेटर नहीं आतंकियों जैसा व्यवहार कर रहे थे

क्रिकेट में जब खिलाड़ी मैदान पर बंदूक चलाने की नकल करें, तो यह खेल से ज्यादा हिंसा और कट्टरता दिखाती है। भारत-पाकिस्तान मैच पहले ही तनाव और भावनाओं से भरे होते हैं। ऐसे में बंदूक जैसे प्रतीकों का इस्तेमाल आतंकियों का समर्थन करना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मैच रेफरी ने भारतीय टीम से कहा है कि इस मुद्दे पर वो अपना पक्ष रखे, वहीं दोनों वीडियो के और एंगल इकठ्ठा किए जा रहे है। इस मैच में बल्लेबाजों की पिटाई से भड़के रउफ ने अपने हाथ से छह विमान गिराने के संकेत किये। इसके बाद भारतीय क्रिकेट प्रेमियों ने उन्हें जमकर निशाना बनाया और इस झूठ के लिए फटकार लगायी। वहीं फरहान ने जिस प्रकार बल्ले से गोलीबारी का इशारा किया उससे लोग भड़क गये।

इस प्रकार का व्यवहार नियमों के खिलाफ है।

आईसीसी आचार संहित के अनुसार अगर कोई भी जश्न विरोधी टीम या दर्शकों को भड़काए। उससे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। नियमों के तहत ही राजनीतिक, धार्मिक या हिंसक संदेश देने वाली हरकतों पर रोक है और अगर कोई खिलाड़ी खेल की भावना के खिलाफ जाता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है या उसे प्रतिबंधित किया जा सकता है।

बांग्लादेश कोच फिल सिमंस का बयान, कहा- हर टीम के पास भारत को हराने की काबिलियत

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस का मानना है कि भारत अजेय नहीं है और बुधवार को जब उनकी टीम एशिया कप सुपर चार के मुकाबले में मौजूदा विश्व चैंपियन से भिड़ेंगी तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पिछले चार मैचों में क्या हासिल किया है।

वेस्टइंडीज के लिए 1987 से 1999 तक खेलने वाले सिमंस से जब पूछा गया कि क्या इस भारतीय टीम को हराना संभव है तो उन्होंने कहा,'' हर टीम के पास इस भारतीय टीम को मात देने की क्षमता है।''

उन्होंने आगे कहा कि, मैच जिस दिन खेला जाता है उससे पहले क्या हुआ है, यह मायने नहीं रखता है। यह बुधवार को क्या होगा उस बारे में है। यह उस साढ़े तीन घंटे के खेल के दौरान प्रदर्शन के बारे में है। हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ खेलने की कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि भारत की कमजोरियां ढूंढ पाएंगे। यही वह तरीका है जिससे हम मैच जीतते हैं।'' इस 62 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि वह भारत से जुड़े किसी भी मैच के माहौल को समझते हैं और चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी उस पल का लुत्फ उठाते हुए चुनौती का सामना करें।

बांग्लादेश के कोच ने कहा कि, हर मैच खासकर भारत से जुड़े मैचों में एक उत्साह होता है क्योंकि वे दुनिया की नंबर एक टी20 टीम हैं। हम बस इस उत्साह का लुत्फ उठाने लेने जा रहे हैं। सिमंस का मानना है कि दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (डीआईसीएस) की पिच वास्तव में बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छी है और मैच में टॉस कोई बड़ा मसला नहीं होगा।

उन्होंने कहा, '' मैंने 40 ओवरों में विकेट में ज्यादा अंतर नहीं देखा। मुझे लगता है कि यह कुछ बेहतरीन विकेटों में से एक है जो मैंने यहां कुछ समय से देखे हैं। मुझे लगता है कि कल रात (भारत बनाम पाकिस्तान) भी ऐसा ही था। बांग्लादेश के कोच ने कहा, ''विकेट बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा था। गेंदबाजों को सही गेंदबाजी करनी पड़ी। मुझे नहीं लगता कि टॉस का ज्यादा असर नहीं होगा।''

सिमंस ने कहा कि सितंबर की गर्मी में दुबई और अबुधाबी में लगातार क्रिकेट खेलना शारीरिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण है। वेस्टइंडीज के लिए 26 टेस्ट और 143 एकदिवसीय खेलने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''मुझे लगता है कि खिलाड़ी लगातार मैच खेलने के लिए काफी फिट हैं। लेकिन किसी भी टीम के लिए लगातार टी20 मैच खेलना चुनौतीपूर्ण है। यह जितना लोग सोचते हैं उससे कहीं ज्यादा मुश्किल है।

भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश को लगा झटका, बड़ा खिलाड़ी हो सकता है बाहर

दुबई। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास को भारत के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले से पहले चोट लगने की आशंका है, क्योंकि 22 सितंबर को आईसीसी अकादमी ग्राउंड में प्रशिक्षण के दौरान उनकी पीठ में खिंचाव आ गया। लिटन को नेट्स में स्क्वायर कट लगाने की कोशिश करते समय कमर के बाई ओर बेचैनी महसूस हुई और टीम के फिजियो बायजदि उल इस्लाम द्वारा जांच के बाद उन्होंने सत्र से नाम वापस ले लिया।

बीसीबी के एक अधिकारी ने मंगलवार को क्रिकबज को बताया, 'हम आज लिटन की जांच करेंगे क्योंकि बाहर से वह बिल्कुल ठीक लग रहे हैं, लेकिन अंतिम निर्णय लेने से पहले हमें उनका मेडिकल मूल्यांकन करना होगा।' हालांकि लिटन इस घटना के बाद ज्यादा असहज नहीं दिखे, लेकिन उनकी अनुपस्थिति बांग्लादेश के लिए एक बड़ा झटका साबित होगी। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उनकी अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी कौन करेगा, क्योंकि बीसीबी ने टूर्नामेंट के लिए किसी उप-कप्तान की घोषणा नहीं की है। बांग्लादेश ने अपने सुपर-4 अभियान की शुरुआत श्रीलंका पर शानदार जीत के साथ की।

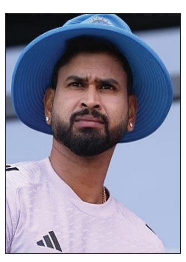

श्रेयस ने निजी कारणों से भारत ए की कप्तानी छोड़ी

नई दिल्ली । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। श्रेयस अचानक ही भारत ए की कप्तानी छोड़कर मुम्बई लौट गये हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहला अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला था जो ड्रॉ रहा था। श्रेयस ने निजी कारणों से दूसरे मैच से अपना नाम वापस लिया है। उनके बाहर जाने से अब भारत ए की कप्तानी ध्रुव जुरेल या फिर रजत पाटीदार टीम को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार ये पता नहीं चला है कि श्रेयस ने अचानक ऐसा फैसला क्यों किया है। उन्होंने अपनी फैसले की जानकारी बीसीसीआई को भी दे दी है।

गांगुली दूसरी बार बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने

कोलकात। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली दूसरी बार बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष बने हैं। अभी इस पद पर उनके बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली थे। गांगुली ने दूसरी बार अध्यक्ष बनने पर कहा कि ईडन गार्डन्स स्टेडियम की क्षमता को बढ़ाकर एक लाख के करीब किया जाएगा। इसके अलावा अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के अहम मैचों की मेजबानी हासिल करना भी प्रयास किया जाएगा। गांगुली को सोमवार को कोलकाता में सीएबी की 94वीं वार्षिक आम बैठक में निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वह इससे पहले साल 2015 से 2019 तक सीएबी अध्यक्ष रहे थे। गांगुली साल 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष भी रहे थे। गांगुली ने कहा कि उनका पहला काम नवंबर में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले पहले टेस्ट के लिए ईडन को पूरी तरह से तैयारी करना रहेगा। यह 2019 में बांग्लादेश के खिलाफहुए दिन रात्रि टेस्ट मैच के बाद ईडन गार्डन्स में पहला टेस्ट होगा। गांगुली को उम्मीद हैं की भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें ईडन गार्डन्स में उपलब्ध सुविधाओं का आनंद उठाएगी। उन्होंने कहा, ''यह एक अच्छा टेस्ट मैच होगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका विश्व चैंपियन है। इस स्टेडियम में सब कुछ मौजूद है। अच्छी पिचें, अच्छे दर्शक और, बुनियादी ढांचा है।'' गांगुली रविवार को बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की वार्षिक आम बैठक में सीएबी का प्रतिनिधित्व करेंगे। बीसीसीआई रविवार को मुंबई में होने वाली अपनी वार्षिक आम बैठक में दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास को अपना नया अध्यक्ष चुनने जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, स्टार ऑलराउंडर वनडे विश्व कप से बाहर

स्पोर्ट्स डैस्क। ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा, जब स्टार ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस चोट के कारण आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 से बाहर हो गई। यह विश्व कप 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। हैरिस को भारत के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में पिंडली में खिंचाव की चोट लगी, जो संयोग से मार्च 2024 के बाद से इस प्रारूप में उनकी पहली वापसी थी।

इस चोट ने इस ऑलराउंडर की भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के दौरान अपना पहला वनडे विश्व कप मैच खेलने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। हैरिस

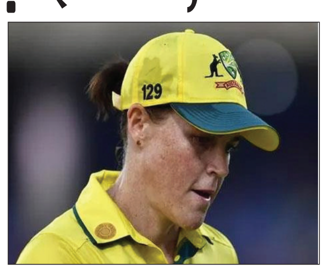

ऑस्ट्रेलिया के 2022 विश्व कप विजेता अभियान का हिस्सा थीं, लेकिन एक भी मैच नहीं खेल पाई। हैरिस निचले क्रम में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। उनका टी20आई स्ट्राइक रेट 155.52 का है और वे एक उपयोगी ऑफ-स्पिनर भी हैं, जिन्होंने 21 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

ग्रेस हैरिस ने सफेद गेंद क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। मार्च 2024 के बाद से ऑस्ट्रेलिया के लिए कोई भी वनडे मैच नहीं खेलने के बावजूद, ग्रेस हैरिस ने अपने हालिया सफेद गेंद वाले मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। टी20 ब्लास्ट में सरी के लिए खेलते हुए, उन्होंने लगभग 158 के स्ट्राइक रेट से 338 रन बनाए।

चोटिल ग्रेस हैरिस की जगह ऑस्ट्रेलियाई आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 टीम में हीथर ग्राहम को शामिल किया जाएगा। वह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दो महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग मैचों के बाद भारत में टीम से जुड़ेंगी। ग्राहम एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं, जिन्होंने 6 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 9 विकेट लिए हैं। हैरिस की तरह, ग्राहम ने भी इंग्लिश घरेलू लीग में अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 के लिए अपडेटेड ऑस्ट्रेलियाई टीम- एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेलेंगे ऋषभ

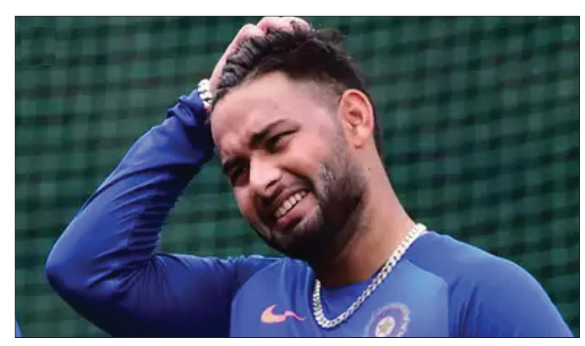

मुम्बई । इंग्लैंड दौरे में चोटिल हुए भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी टल गयी है। ऋषभ को वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले माह होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए भी शामिल नहीं किया गया है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज को इंग्लैंड में चौथे टेस्ट के दौरान चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। वेस्ट इंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा 24 सितंबर की जा सकती है। चयनसमिति ऋषभ को फिट होने के लिए पर्याप्त समय दिये जाने के पक्ष में है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चयन समिति 15 खिलाड़ियों का चयन करेगी। ऋषभ को मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया था। अभी ये विकेटकीपर बल्लेबाज चोट से उबर गया है पर ताकत और कंडीशनिंग का अभ्यास कर रहा है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है। भारतीय टीम वेस्टइंडीज सीरीज के बाद 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में एक सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इस दौरे में युवा ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिलना तय है। जुरेल अभी लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेल रहे हैं। उन्हें इंग्लैंड दौरे में अंतिम दो टेस्ट में विकेटकीपिंग की थी।

थिम्मप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में अर्जुन तेंदुलकर ने लिया समित द्रविड़ का विकेट

अलूर (एजेंसी)। कर्नाटक के अलूर में एक स्थानीय टूर्नामेंट में दो महान क्रिकेटरों के बेटे आमने-सामने नजर आये। यहां सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ अलग-अलग टीमों से उतरे थे। ऐसे में बल्लेबाजी कर रहे समित का विकेट गेंदबाजी कर रहे अर्जुन ने लिया। समित केएससीए सेक्रेटरी इलेवन के लिए खेल रहे थे।

समित ने थिम्मप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में 26 गेंदों पर 9 रन रन बनाये। जिसमें दो चौके शामिल थे पर अर्जुन तेंदुलकर की गेंद पर वह कैच हो गये।

अर्जुन 25 साल के हो चुके हैं जबकि समित अभी 19 साल के हैं। अर्जुन गेंदबाजी करते हैं और अपने करियर को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं तो समित अच्छा बल्लेबाज बनना चाहते हैं।

इस टूर्नामेंट में कर्नाटक के कुछ शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले करुण नायर और प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल थे। इस टूर्नामेंट को 2025-26 रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए अभ्यास की तरह देखा जा रहा है, जिससे प्लेयर्स की फॉर्म और फिटनेस का आंकलन किया जाएगा।

शाहिद अफरीदी ने अंपायरों पर लगाया पक्षपात का आरोप

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने एशिया कप क्रिकेट 2025 में भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के लिए अंपायरों को दोषी बताया है। अफरीदी ने आरोप लगाया है कि आईपीएल में अवसरों को देखते हुए अंपायर भारतीय टीम के पक्ष में फैसले देते है। अफरीदी ने इस मैच में फखर जमां को आउट दिए जाने के फैसले पर भी सवाल उठाये। फखर को हार्दिक पंड्या की गेंद पर संजू सैमसन ने कैच किया था जिसे थर्ड अंपायर ने सही मानते हुए उन्हें आउट करार दिया। अफरीदी ने कहा कि सभी अंपायर भारत की आईपीएल में काम करना चाहते हैं। ऐसे में वे बेहतर करियर की उम्मीद में अन्य टीमों के खिलाफ फैसले देते हैं। अफरीदी ने तंज कसते हुए कहा, 'उन्हें आईपीएल में भी तो अंपायरिंग करनी है.' वहीं एक और पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने अफरीदी की बात का समर्थन किया। साथ ही कहा, 'अंपायरों ने अलग एंगर से रिप्ले नहीं देखा। फखर ने तीन चौके मारे थे और पहले ओवर में ही बुमराह का सामना आराम से कर रहे थे। ऐसे में भारतीय टीम को उनका विकेट चाहिये था। वहीं पाक कप्तान सलमान ने कहा कि उन्हें लगा कि गेंद विकेटकीपर के दस्तानों में जाने से पहले जमीन पर टकराई थी। सलमान ने मैच के बाद कहा, 'अंपायर गलतियां कर सकते हैं पर मुझे लगा कि यह गेंद विकेटकीपर के आगे उछली थी हालांकि मैं गलत हो सकता हूं। साथ ही कहा कि जिस तरह से फखर बल्लेबाजी कर रहे थे, अगर उन्होंने पावर प्ले में बल्लेबाजी की होती, तो हम शायद 190 रन बना सकते थे।'

अभिषेक शर्मा का खुलासा, व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे पाकिस्तानी गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के सुपर-4 राउंड में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में दर्शकों ने क्रिकेट का असली रोमांच देखा। भारत ने इस मैच में 6 विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन खेल का असली आकर्षण रन बनाने के साथ-साथ खिलाड़ियों के बीच हुई तनातनी भी रही। भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों ने उन्हें बार-बार उकसाने के लिए व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे।

शुरुआती ओवरों से चढ़ा पारा

मैच की शुरुआत में ही तनाव बढ़ गया था। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज लगातार भारतीय बल्लेबाजों को शब्दों के जरिए विचलित करने की कोशिश कर रहे थे। खासतौर पर शुरुआती स्पेल के दौरान शुभमन गिल और शाहीन अफरीदी के बीच हुई बहस ने माहौल गरमा दिया। इसके बाद हारिस रऊफ भी अभिषेक शर्मा से भिड़ गए, जिसके चलते अंपायरों को दखल देना पड़ा।

अभिषेक का सख्त जवाब

मैच के बाद अभिषेक शर्मा ने स्पोर्ट्स शो में बातचीत करते हुए साफ किया कि उन्हें विपक्षी टीम का व्यवहार कतई पसंद नहीं आया। उनके मुताबिक, पाकिस्तान के गेंदबाज हर गेंद के बाद व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे, जो खेल की भावना के खिलाफ है। अभिषेक ने कहा कि उन्होंने और गिल ने तय किया कि बहस करने के बजाय रन बनाकर ही जवाब दिया जाए।

साझेदारी ने बदला खेल का रुख

भारतीय टीम की जीत में गिल और अभिषेक की शतकीय साझेदारी सबसे अहम रही। दोनों बल्लेबाजों ने न केवल टीम को शुरुआती दबाव से निकाला बल्कि पाकिस्तानी आक्रमण को भी ध्वस्त कर दिया। अभिषेक ने कहा कि गिल के साथ उनकी समझ काफी पुरानी है और यही तालमेल मैच में काम आया।

आत्मविश्वास का राज

अभिषेक ने आगे कहा कि उनका आत्मविश्वास टीम के भरोसे से आता है। टीम मैनेजमेंट और साथी खिलाड़ी लगातार उन्हें समर्थन देते हैं, जिससे वह मैदान पर खुलकर खेल पाते हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरी टीम आपके पीछे खड़ी हो, तो जवाब भी उसी स्तर का देना चाहिए।

मैदान पर खेल, शब्दों से नहीं

भारत की यह जीत एक बार फिर इस बात का सबूत है कि मुकाबले बल्ले और गेंद से जीते जाते हैं, न कि शब्दों की जंग से। पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने जिस तरह की रणनीति अपनाई, उसका जवाब भारतीय बल्लेबाजों ने शांत रहकर रन बनाकर दिया।

मनोज बाजपेयी ने किया कन्फर्म 'द फैमिली मैन' के सीजन 3 पर चल रहा काम

अभिनेता मनोज बाजपेयी की मशहूर वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' को रिलीज हुए शनिवार को 6 साल पूरे हो गए। इस अवसर पर अभिनेता ने सीरीज से जुड़ी कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं। साथ ही मनोज ने तीसरे सीजन को लेकर भी एक महत्वपूर्ण अपडेट फैंस के साथ साझा की। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी ने इंस्टाग्राम पर शो के पहले भाग की कई तस्वीरें साझा की हैं। इन्हें शेयर करते हुए मनोज बाजपेयी ने कैप्शन में लिखा- द फैमिली मैन सीजन 1 को रिलीज हुए 6 साल हो गए हैं और यह एक कल्ट क्लासिक बन गया है। सीजन 3 का क्या? बस समझ लो ऑपरेशन जारी है।

इस सीरीज का पहला पार्ट 2018 में रिलीज हुआ था। यह एक स्पाई एक्शन-थ्रिलर स्ट्रीमिंग वेब सीरीज है। इसके निर्माता राज और डीके हैं। सीरीज में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का रोल प्ले किया है, जो एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति हैं और राष्ट्रीय जांच एजेंसी में काम करते हैं। वह इसमें थ्रेट एनालिसिस एंड सर्विलांस सेल (टीएएससी) के एक खुफिया एजेंट के रूप में लोगों को बहुत पसंद आए। पहले सीजन में प्रियामणि, शरद केलकर, नीरज माधव, शारिब हाशमी, दलीप ताहिल, सनी हिंदुजा और श्रेया धनवंतरी जैसे सितारे दिखाई दिए। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु को इस सीरीज के दूसरे सीजन में खलनायक की भूमिका में काफी पसंद किया गया। दूसरे सीजन में श्रीकांत तिवारी टीएएससी छोड़कर परिवार के साथ रहने लगते हैं, लेकिन जैसे ही देश पर खतरा मंडराने लगता है, तो वह नौकरी छोड़ फिर से फोर्स में चले जाते हैं। अब इसके तीसरे सीजन का इंतजार दर्शकों को है। बताया जा रहा है कि इसे इस साल अक्टूबर के अंत तक रिलीज किया जा सकता है। तीसरे सीजन में जयदीप अहलावत खलनायक की भूमिका में दिखाई देंगे। मनोज बाजपेयी को पिछली बार फिल्म इंस्पेक्टर जेंडे में देखा गया था। इसमें वे लीड रोल में थे। फिल्म में जिम सर्भ, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और भालचंद्र कदम जैसे कलाकार भी अहम किरदार में दिखाई दिए। इसी के साथ ही उनकी फिल्म जुगनुमा हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म को राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है।

टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर बोलीं नायरा बनर्जी

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस नायरा बनर्जी ने टीवी इंडस्ट्री के थकाऊ वर्क कल्चर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे लंबे समय तक शूटिंग करने से कलाकारों की सेहत, नींद और परफॉर्मेंस पर असर पड़ता है। नायरा बनर्जी ने कहा है कि एक्टर्स को अच्छा काम तभी मिल सकता है जब वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। हफ्ते में एक दिन की छुट्टी या कम से कम आधे दिन का ब्रेक जरूरी होना चाहिए ताकि कलाकार अपने परिवार, निजी जिंदगी और खुद के लिए समय निकाल सकें।

उन्होंने बताया कि बिना आराम के कोई भी कलाकार अपने किरदार को पूरी ऊर्जा और भावनाओं के साथ नहीं निभा सकता। नायरा बनर्जी ने कहा, टीवी इंडस्ट्री में 15-15 घंटे की शूटिंग आम बात है, जो बेहद थकाऊ होती है। जब भी मैं कोई नया शो साइन करती हूं, तो पहले ही यह तय कर लेती हूं कि हफ्ते में कम से कम एक दिन की छुट्टी जरूर मिले। मैं चाहती हूं कि काम और जिंदगी के बीच एक संतुलन बना रहे, ताकि ना सिर्फ मेरा प्रोफेशनल काम अच्छा हो बल्कि मेरी पर्सनल लाइफ भी ठीक चले। अगर एक्टर्स को खुद के लिए समय नहीं मिलेगा, तो नतीजे उनके काम और सेहत दोनों पर नजर आएंगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस समय कोई टीवी शो करना चाहेंगी, तो उन्होंने कहा, हां, लेकिन सिर्फ अपनी शर्तों पर। अगर रोल दमदार हो, शूटिंग की जगह पास में हो जैसे कि फिल्म सिटी, डायरेक्टर अच्छा हो, चैनल भरोसेमंद हो, और मेहनताना ठीक-ठाक हो, तो मैं शो करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि वह अब समझदारी से प्रोजेक्ट्स चुनती हैं और किसी भी तरह के दबाव में आकर काम नहीं करना चाहतीं।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, मैं खुद को लकी मानती हूं क्योंकि मुझे कभी किसी एक छवि में नहीं बांधा गया। इंडस्ट्री में अक्सर एक्टर्स को टाइपकास्ट कर दिया जाता है, लेकिन मैंने टीवी, साउथ इंडियन फिल्म्स और वेब सीरीज तीनों में काम किया है। इसी वजह से मुझे कभी सिर्फ टीवी एक्ट्रेस या साउथ एक्ट्रेस नहीं कहा गया। मैंने हर मीडियम में काम करके खुद को साबित किया है। नायरा बनर्जी का मानना है कि आज के समय में हर प्लेटफॉर्म की अपनी खास ऑडियंस है। उन्होंने कहा, मुझे एक्टिंग से प्यार है, और मैं हर उस काम को करना चाहती हूं जो मुझे एक कलाकार के रूप में चुनौती दे। चाहे वह वेब सीरीज हो, फिल्म हो या टीवी शो, अगर कंटेंट अच्छा है और किरदार में दम है, तो मैं जरूर उस प्रोजेक्ट को चुनूंगी।

उम्र संबंधी सवाल पर भड़कीं लक्ष्मी मांचू

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू ने तेलंगाना फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (टीएफसीसी) में औपचारिक रूप से एक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि एक पत्रकार ने हाल ही में एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उनके रूप और उम्र को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की। अभिनेत्री ने पत्रकार पर 47 साल की उम्र में उनके पहनावे के बारे में सवाल करने पर अपमान और अनादर का आरोप लगाया है।

जवाबदेह ठहराए जाने की मांग की

खबरों के मुताबिक मांचू ने टीएफसीसी को एक लिखित बयान सौंपकर अपने साथ हुए व्यवहार के बारे में बताया। उन्होंने दावा किया कि ये टिप्पणियां न केवल शर्मसार करने वाली थीं, बल्कि अपमानजनक भी थीं। अभिनेत्री ने चैंबर से अनुरोध किया है कि वह इस घटना का संज्ञान ले और पत्रकार को जवाबदेह ठहराए।

अभिनेत्री ने लिखा खत

अपने लिखित बयान में अभिनेत्री ने लिखा भारत एक ऐसा देश है जो महिलाओं को शक्ति के रूप में पूजता है, फिर भी जब हम काम करने के लिए बाहर निकलते हैं, तो हमें अपमान और अनादर का सामना करना पड़ता है। यह जारी नहीं रह सकता। मैं न केवल खुद के प्रति, बल्कि उन सभी महिलाओं के प्रति भी ऋणी हूं जो मुझसे प्रेरणा लेती हैं कि मैं इस मुद्दे को उठाऊं।

उम्र संबंधी सवाल पर नाराज हुईं अभिनेत्री

हाल ही में एक प्रमोशनल इवेंट में एक पत्रकार ने लक्ष्मी मांचू से 47 साल की उम्र में उनके पहनावे के बारे में पूछा। इस सवाल से अभिनेत्री नाराज हो गईं और उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि क्या वह पुरुष अभिनेता से भी यही सवाल पूछेंगे।

सुर्खियों में रही हैं लक्ष्मी

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू हाल ही में तब सुर्खियों में आईं जब ईडी ने उनसे एक अवैध सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के मामले में पूछताछ की। लक्ष्मी मांचू ही एकमात्र सेलेब्रिटी नहीं हैं जो जांच के घेरे में हैं। इस मामले में अभिनेता प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और राणा दग्गुबाती से भी पूछताछ की जा चुकी है।

इंसानियत को कभी नहीं भूलना शाहरुख की सबसे बेहतरीन बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज हो चुकी है। इसमें बॉबी देओल एक सुपरस्टार अजय तलवार की भूमिका निभा रहे हैं। बॉबी देओल और शाहरुख खान की दोस्ती बहुत पुरानी है। सीरीज के प्रमोशन के दौरान बॉबी देओल ने आईएएनएस से अपनी 3 दशक पुरानी दोस्ती पर बात की। बॉबी देओल ने कहा, शाहरुख जिस तरह के इंसान हैं, यही वजह है कि आज वे इस मुकाम पर हैं। वह जमीन से जुड़े हुए हैं और परिवार को लेकर बहुत सजग रहते हैं। मुझे यकीन है कि बस एक ही बात उन्हें आगे बढ़ने में मदद करती है, वह यह कि वह अपने परिवार के लिए हमेशा मौजूद रहना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हर माता-पिता में यही समानता होती है। हालांकि इन 30 सालों में हम कभी एक-दूसरे के ज्यादा संपर्क में नहीं रहे, लेकिन जब भी हम मिलते हैं तब ऐसा नहीं लगता कि हम लंबे समय बाद मिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हर बार शाहरुख आपको बहुत खास महसूस कराते हैं। वह हमेशा आपको प्यार और स्नेह देते हैं और ये बहुत मायने रखता है। इसका बहुत मतलब है। वह हमेशा अपनी सीमा से हटकर काम करते हैं। वह सबसे अच्छे और दयालु इंसान हैं, भले ही वह इतने बड़े स्टार बन गए हों। बॉबी देओल कहते हैं, उन्होंने वह गुण नहीं खोया। मुझे लगता है कि यह बात शो में मेरे सह-कलाकारों समेत सभी को जो उनसे प्रेरणा लेते हैं, ध्यान में रखनी चाहिए कि अपनी इंसानियत कभी न खोएं। मुझे लगता है कि शाहरुख के बारे में यही अविश्वसनीय और बेहतरीन बात है।

इससे पहले बॉबी देओल ने कहा था कि इस सीरीज के लिए उन्होंने बिना स्क्रिप्ट पढ़े ही हां कर दिया था। लेकिन इसके निर्देशक आर्यन खान ने स्क्रिप्ट सुनने पर जोर दिया तो वह उनसे मिलने गए थे। यह मीटिंग 7 घंटे तक चली थी। इस दौरान उन्हें समय का पता ही नहीं चला। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसे गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है। आर्यन खान ने बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान के साथ मिलकर इसकी कहानी लिखी है।

अक्षय-सैफ की फिल्म हैवान में कैमियो करेंगे मोहनलाल

मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन इन दिनों अपनी अपकमिंग हिंदी फिल्म हैवान में व्यस्त हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में होंगे। एक इंटरव्यू में फिल्म निर्माता ने आखिरकार फिल्म के बारे में एक बड़ी अपडेट दी है। उन्होंने बताया है कि मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल इस फिल्म में नजर आएंगे। उन्होंने उनके किरदार को लेकर भी बात की है।

कहानी पर ध्यान देते हैं प्रियदर्शन

हाल ही में बातचीत में प्रियदर्शन से पूछा गया कि क्या वह अक्षय और मोहनलाल के साथ एक पूरी फिल्म बनाने की सोच रहे हैं? इस पर प्रियदर्शन ने कहा अगर आप मुझसे हैवान के बारे में पूछ रहे हैं, तो मोहनलाल उस फिल्म में हैं। हालांकि वह कौन सा किरदार निभा रहे हैं, इस पर मैं अभी कुछ नहीं कहना चाहता। जब भी मैं कोई फिल्म बनाता हूं, तो मुझे कहानी ही उत्साहित करती है। मैं कभी भी कलाकारों के बारे में नहीं सोचता।

कलाकारों के पीछे नहीं भागते प्रियदर्शन

प्रियदर्शन ने आगे कहा फिल्म बनाने के लिए सबसे पहले स्क्रिप्ट होती है। फिर एक्टर आते हैं। मैं यह नहीं कह सकता कि मैं मोहनलाल और अक्षय कुमार को साथ लेकर फिल्म बनाऊंगा। अगर आप अभिनेता को ध्यान में रखकर फिल्म बनाएंगे तो आपको कभी स्क्रिप्ट ही नहीं मिलेगी। जब भी आपको कोई स्क्रिप्ट मिले, तो सही कलाकारों के पीछे लग जाएं। यही फिल्म बनाने का सही तरीका है।

हेरा फेरी 3 फिल्म विवाद पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की पॉपुलर फ्रेंचाइजी हेरा फेरी की आगामी फिल्म हेरा फेरी 3 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। बीते महीनों इस फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ था, जिसकी मुख्य वजह परेश रावल थे, क्योंकि उन्होंने अचानक फिल्म छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि बाद में सब कुछ ठीक हो गया था। इस मामले पर बीते दिनों परेश रावल ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा, 'मुझे और परेश को कभी कोई समस्या नहीं हुई। जहां तक मुझे पता है, अक्षय और परेश को भी कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। कुछ और लोग थे, जो परेश पर दबाव बना रहे थे। परेश रावल एक ऐसे इंसान हैं, जैसे आप जानते हैं कि जो लोग डरते हैं कि मैं बीमार हूं और इसे लेकर बहुत ज्यादा परेशान हो जाते हैं। हालांकि समस्या कोई और है। इसलिए वो डरते हैं, लेकिन हमारे रिश्ते पर इसका कोई असर नहीं हुआ।'

हैवान के बारे में

प्रियदर्शन के निर्देशन में अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी वाली अपकमिंग फिल्म हैवान बन रही है। मोहनलाल इसमें कैमियो रोल करेंगे। यह फिल्म मोहनलाल की फिल्म ओप्पम (2016) पर आधारित बताई जा रही है। हैवान ने पहले ही सुर्खियां बटोर ली हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें समुथिरकानी, सैयामी खेर, श्रेया पिलगांवकर, असरानी और ईनार हेराल्डसन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

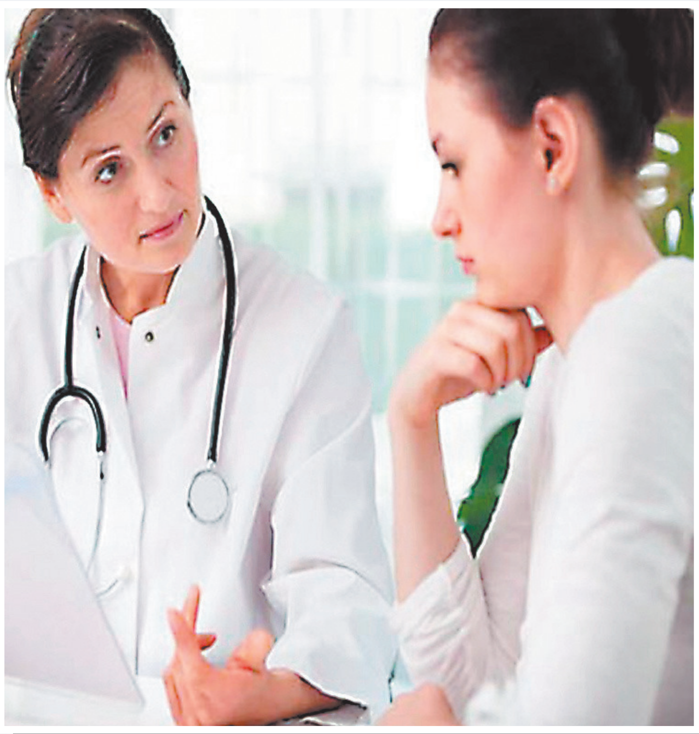

थायराइड

भी हो सकता है थकान का कारण

क्या आपके साथ भी ऐसे होता है कि आप सारा दिन काम करते करते इतना थक जाती है कि आप अपना मनपंसद टी.वी शो भी अच्छी तरह से नहीं देख पाती और घर में हमेशा थका-थका महसूस करती है। घर पर सीढियां चढ़ने के वक्त,कोई भी काम करने के वक्त या बैड से उठने के वक्त भी ऐसा महसूस होना कि जितनी नींद हमने ली है वो अभी भी पर्याप्त नहीं है। स्वस्थ ऊर्जा का निर्माण स्वास्थ्यवर्द्धक पाचन प्रणाली से शुरू होता है विटामिन बी की कमी से भी थकान महसूस होती है। हल्की थकान तथा गंभीर थकान में से आप खुद को किसका शिकार महसूस करती हैं और वास्तव में आपके साथ गलत क्या हो रहा है ?

- थकावट महसूस होने के कई कारण हो सकते है। जब भी शरीर में थकावट महसूस हो तो थोड़ा इधर-उधर टहल कर आप अपनी थकावट को दूर कर सकती है।जब आप थकी होती हैं तो आपका मैटाबोलिक रेट कम हो जाता है और आप कम कैलोरीज बर्न करती हैं। इसी कारण आपको थकावट महसूस होती है। कसरत करने से भी आप सारा दिन बेहतर महसूस करेंगी और काम करने के बाद भी थकावट कम महसूस होगी।
- हमारे शरीर में थकान महसूस होने के कई कारण हो सकते है। कई बार विटामिन्स की कमी होने पर भी हम कोई भी काम करने के बाद थकावट महसूस करते है। आयरन की कमी होने पर भी थकान महसूस होती है। यदि आपको अपनी त्वचा पीली दिखाई दे, अपनी धड़कन तेज महसूस हो और चिड़चिड़ापन महसूस हो तो आयरन से भरपूर डाइट आपको इस समस्या से निजात पाने में सहायक हो सकती है।
- अपने वातावरण को ताजा बनाए रखें और बोर होने से बचें जब भी आप बोर हो रही हो तो संगीत का लुत्फ उठा सकती है और बोरियत आपके मूड को प्रभावित करती है।
- आपकी थकावट का कारण थायराइड भी हो सकता है। सुबह के समय थकान थायराइड की कमजोर कार्यप्रणाली का चिन्ह हो सकती है। इसलिए थायराइड की जांच अवश्य करवाएं।
- भरपूर नींद न लेने की वजह से भी आप सारा दिन थकान महसूस कर सकती है।शरीर के लिए भरपूर नींद लेना भी बहुत जरूरी होता है। इसलिए रात के समय कम से कम 8 घंटे नींद लेना जरूरी है और दिन के समय बीच में कम से कम 20-30 मिनट की नींद जरूर लें ।
- दिन में भारी भोजन करने की बजाय अपने भोजन में साबुत अनाज, ओट्स, अंकुरित खाद्य तथा बहुत सारी सब्जियां तथा फल शामिल करें।

ताकि दर्द में न बीतें सर्दियां

सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें

सर्दियों को वैसे तो खाने पीने और घूमने फिरने का मौसम माना जाता है, लेकिन हेल्थ प्रॉब्लम्स भी इस मौसम में परेशान करती हैं। अब जब सर्दियों ने दस्तक दे ही दी है, तो क्यों न इस मौसम की दिक्कतों से बचने के लिए हम पहले से ही करते चलें बचाव के इंतजाम। यहां पर कुछ हेल्थ टिप्स दिये हुए हैं, जिन्हें आप सर्दियों में फिट रहने के लिये इस्तेमाल कर सकती हैं -

सर्दी, जुकाम, खांसी

इस मौसम की कॉमन प्रॉब्लम है सर्दी, जुकाम और खांसी। अगर आपको हर दिन सुबह उठते ही छींक आती है और जुकाम जैसा लगता है, तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं। यह प्रॉब्लम होती है एलर्जी की वजह से और एलर्जी से आप तभी बचकर रह सकती हैं, जब आप हेल्दी डाइट लेंगी।

वायरल के लक्षण हैं

सिर दर्द, आंखों से पानी बहना, बदन टूटा सा लगना वगैरह। इसके इलाज के लिए बैलेंस डायट लेना जरूरी है। विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की सही मात्रा होनी चाहिए। खाने में फल और हरी सब्जियां ज्यादा हों।

क्या करें

अपनी डेली डायट में सेब, मौसमी फल, अंगूर और फिश को शामिल करें। ये प्रॉब्लम्स एलर्जी की वजह से होती हैं और ये फूड आपको एलर्जी से बचाए रखेंगे। इसके अलावा गर्मागर्म ब्लैक टी भी आपको इस प्रॉब्लम से दूर रखने में हेल्प करेगी। अगर आप इस प्रॉब्लम पर गौर नहीं करेंगी, तो आपकी बॉडी की प्रतिरोधात्मक क्षमता कम होती चली जाएगी। वैसे, यह प्रॉब्लम उन जगहों पर ज्यादा होती है, जहां ठंडी हवाएं चलती हैं। सर्दी से बचने के लिए चेस्ट को अच्छी तरह से ढककर रखें, गले को लपेट कर और गरम कपड़े पहनें। डॉक्टर की सलाह पर दवाएं लें। नाक बंद हो तो स्टीम लें।एक रिसर्च के मुताबिक, जो महिलाएं हफ्ते में 5 दिन तकरीबन 45 मिनट एक्सरसाइज करती हैं, उन्हें जुकाम कम होता है।

भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान

कई लोग भोजन के साथ या भोजन के बाद चाय का सेवन करने के शौकीन होते है लेकिन भोजन के साथ चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करना नुक्सानदायक साबित हो सकता है।चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से हमारे शरीर को कई रोगों का शिकार होना पड़ सकता है जैसे ब्लड प्रैशर की समस्या, मधुमेह और वजन बढ़ने की समस्या,पेट संबंधी समस्याएं भी पैदा हो सकती है।चाय या कॉफी में अत्यधिक कैफीन होने को कारण यह हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित होती है।कई लोगों का ऐसा मानने है कि भोजन के साथ चाय पीने से भोजन आसानी से पच जाता है लेकिन ऐसा न होकर इसका बुरा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है।आइए जानें भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान।

- भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने से पेट संबंधी समस्याएं जैसे एसीडिटी की समस्या पैदा हो सकती है और पाचन क्रिया पर भी बुरा असर पड़ता है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से मुंह की समस्याएं पैदा हो सकती है ,चाय ज्यादा पीने से गले और मुंह में खुश्की की समस्या पैदा हो सकती है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से इसमें मौजूद कैफीन हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित हो सकता है ,कैफीन हमारे शरीर में एसिड बना देता है जिसका सीधा असर हमारी किडनी पर पड़ता है।
- चाय या कॉफी पीने से आंतो पर बुरा असर पड़ता है और यह आंतों को भी कमजोर बना देती है।
- भोजन के साथ चाय या कॉफी का सेवन करने से भोजन में मौजूद पौष्टिक पदार्थ हमारे शरीर तक नहीं पहुंच पाते।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से अनिद्रा जैसी बीमारी का भी शिकार होना पड़ सकता है।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से फेफड़ों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

जैतून का तेल रखता है दिल को दुरुस्त

जैतून तेल का नियमित इस्तेमाल दिल को तो दुरुस्त बनाता ही है, दिल संबंधी बीमारियों के जोखिमों को भी घटाता है। ग्लासगो तथा लिस्बन विश्वविद्यालयों और जर्मनी में मोसाइक्यूज डायग्नोस्टिक्स के अध्ययनकर्ताओं ने जैतून के तेल का असर जानने के लिए मिलकर काम किया।अमेरिकी जर्नल क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित अध्ययन में जैतून सहित पौधे में पाए जाने वाले प्राकृतिक अवयव फेनोलिक्स के हृदय पर पड़ने वाले असर को परखा गया। अमेरिका में संघीय औषधि प्रशासन और यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण का मानना है कि मोनोसैचुरेटेड फैटी एसिड के साथ फेनोलिक्स, जैतून के तेल के रक्षात्मक प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। अध्ययन का पहलू यह रहा कि लक्षित समूहों पर इसका असर देखा गया यानी ऐसे लोग जो हमेशा जैतून का तेल इस्तेमाल नहीं करते हैं। स्वास्थ्य पर तेल पूरकों के असर के अध्ययन के लिए अध्ययन टीम ने नई डायग्नोस्टिक तकनीक को आजमाया। धमनी संबंधी (सीएडी), किडनी संबंधी (सीकेडी) और मधुमेह जैसी बीमारियों के संकेत के लिए पहचानी गई पेपटाइड्स (खंडित प्रोटीन से निर्मित) के रेंज को जानने के लिए पेशाब के नमूने की जांच की गई। परिणाम से पता चला कि दोनों समूहों में बीमारी की सबसे सामान्य किस्म सीएडी के नतीजे में बड़ा बदलाव दिखा।

विटामिन बी1 की कमी ब्रेन को कर देती है फेल

नई खोज से पता चला है कि विटामिन बी1 की कमी से ब्रेन की घातक बीमारी वैनिक इंसेफैलॉपथी हो सकती है। ऐल्कॉहॉल और एड्स के 75-80 पर्सेंट केसों में इस बीमारी के होने की आशंका रहती है। यह ब्रेन की ऐसी बीमारी है, जिसमें समय पर इलाज नहीं होने पर मरीज इंसेफैलॉपथी का शिकार हो जाता है।

मेटाबॉलिक संतुलन बिगड़ने और नशीले पदार्थ का सेवन करने से यह बीमारी होती है। लायोला यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के न्यूरॉलजिस्ट के मुताबिक, वैनिक इंसेफैलॉपथी से पीड़ित में कन्फ्यूजन, भ्रम, कोमा, मांसपेशियों की कमजोरी और दृष्टि दोष जैसी दिक्कतें होती हैं। यही बाद में स्थायी तौर पर ब्रेन डैमेज का कारण बनती हैं और मरीज की मौत भी हो जाती है। साइंस अमेरिकन मेडिसिन जर्नल में इस नई खोज को प्रकाशित किया गया है।

सीताफल

स्वादिष्ट मीठे फल के 10 गुण

सीताफल इतने गुणों से भरपूर है कि शायद ही शरीर का कोई हिस्सा ऐसा हो जिसे यह फायदा न पहुंचाता हो। जानिए सीताफल के 10 गुणों के बारे में...

1. सीताफल में वजन बढ़ाने की क्षमता भरपूर होती है और अगर आप वजन बढ़ाने के सारे जतन करके थक चुके हैं तो तैयार हो जाएं एक नए और मीठे उपाय के लिए। आपको बस सीताफल को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना है और आपका मनचाहा फिगर आप पा सकेंगे बहुत ही जल्दी।

2. सीताफल में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट विटामिन सी बहुत ज्यादा मात्रा में होता है। विटामिन सी में शरीर की रोगों से लड़ने वाली शक्ति यानी इम्युन सिस्टम को बढ़ाने की क्षमता होती है तो हर दिन एक बार सीताफल खाइए और भगाइए दूर बीमारियों को।
3. क्या आप अक्सर कमजोरी महसूस करते हैं? सीताफल आपकी यह परेशानी दूर कर सकता है। सीताफल बहुत ही अच्छा एनर्जी का स्रोत होता है और इसके सेवन से थकावट और मसल्स मतलब मांसपेशियों की कमजोरी आपको बिलकुल भी महसूस नहीं होगी। बस, सीताफल को अपनी डाइट में शामिल कर लीजिए।
4. विटामिन बी कॉम्प्लेक्स से भरा हुआ सीताफल दिमाग को शीतलता देने का भी काम करता है। यह आपको चिड़चिड़ेपन से बचाकर निराशा को दूर रखता है। तो फिर बस, सीताफल अपनाइए और अपनी मानसिक शांति को रखिए अपने साथ हमेशा।
5. सीताफल आपके दांतों के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उत्तम है। इसको नियमित खाकर आप दांतों और मसूड़ों में होने वाले दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।
6. खून की कमी यानी एनीमिया से बचना अब बिलकुल आसान है। सीताफल का हर दिन इस्तेमाल खून की अल्पता को खत्म कर देता है और उल्टियों के प्रभाव को भी कम करता है।
7. सीताफल आंखों की देखने की क्षमता बढ़ाता है, क्योंकि इसमें विटामिन सी और रिबोफ्लॉविन काफी ज्यादा होता है। इससे नंबर के चश्मे को आप खुद से बड़ी आसानी से दूर रख सकते हैं।
8. सीताफल में मौजूद मैग्नीशियम शरीर में पानी को संतुलित करता है और इस तरह से जोड़ों में होने वाले अम्ल को हटा देता है। यह अम्ल गठिया रोग का मुख्य कारण होता है और इस तरह से सीताफल गठिया रोग से सुरक्षा करता है।
9. दिल की तंदुरुस्ती अब बिलकुल आसान है। इसमें सोडियम और पोटेशियम संतुलित मात्रा में होते हैं जिससे खून का बहाव यानी ब्लड प्रेशर में अचानक होने वाले बदलाव नियंत्रित हो जाते हैं।
10. दोनों प्रकार की शुगर को संतुलित रखना सीताफल के उपयोग के साथ बहुत ही आसान है। इसमें शरीर में होने वाली शुगर को सोख लेने का गुण होता है और इस तरह से यह शुगर का शरीर में स्तर सामान्य बनाए रखता है।

सीताफल एक लाजवाब, स्वादिष्ट और मीठा फल होने के साथ-साथ अपने में अनगिनत औषधीय गुणों को शामिल किए हुए है। पूरे शरीर को स्वस्थ और बीमारियों से दूर रखने का यह एक बहुत ही आसान उपाय है।